रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 30 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 51

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	42.2	28.8
जमशेदपुर	43.8	30.3
डालटनगंज	47.8	30.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

आसमान से बरस रही आग

बिहार में 95 से ज्यादा बच्चे व शिक्षक बेहोश

अपर शिक्षा सचिव के फरमान के कारण 42 डिग्री की भीषण गर्मी में भी सरकारी स्कूलों में हो रहा था शिक्षण कार्य

संवाददाता। पटना

देश भर के साथ बिहार में भी रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है. आसमान से बरस रही आग ने राज्य में 12 साल का रिकॉर्ड भले ही तोड़ दिया है, लेकिन यहां के सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी नहीं दी गयी. इसका प्रतिकूल असर स्कूली बच्चों के साथ-साथ शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है. भीषण गर्मी की वजह से बुधवार को बेगूसराय, मुंगेर, शेखपुरा, जमुई, लखीसराय, गोपालगंज और बांका के सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, प्रधानाध्यापक व रसोइया समेत 95 लोग बेहोश हो गए. इन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. सबसे अधिक बेगूसराय में 41 और जमुई में बच्चे और शिक्षक बीमार पड़े हैं. घटना के बाद बच्चों के परिजनों में आक्रोश है. अभिभावकों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में भी बच्चों को छुट्टी नहीं दी गई है. शिकायत करने पर कहा जाता है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने स्कूल को बंद करने का आदेश नहीं दिया है. अभिभावकों का कहना है कि 42 से 45 डिग्री तापमान के कारण बच्चे स्कूल में ही बीमार पड़ जा रहे हैं. वहीं, शिक्षकों का कहना है कि स्कूल से बच्चों की छुट्टी के समय गर्मी काफी भीषण हो जाती है. इस कारण विद्यालय में ही छात्र-छात्राएं बेहोश हो जा रहे हैं.

बेगूसराय में 41 से अधिक बच्चे बेहोश, चल रहा इलाज

- जमुई में प्रधानाध्यापिका समेत तीन शिक्षक बेहोश
- लखीसराय, मुजफ्फरपुर, बांका में भी बेहोश हुए स्कूली बच्चे

बेगूसराय के अलग-अलग सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 41 से अधिक बच्चे बेहोश हो गए. इन्हें बेहोशी की हालत में इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया गया. सिर्फ मटिहानी मध्य विद्यालय में एक दर्जन से अधिक छात्राएं बेहोश होकर स्कूल में ही गिर गई थीं. वहीं, शेखपुरा के मनकौल गांव स्थित हाई स्कूल में एक के बाद एक कर 13 से अधिक बच्चे बेहोश हो गये. आनन-फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. मुंगेर के धरहरा प्रखंड के तीन स्कूलों में पांच छात्र बेहोश हो गए. वहीं, उच्च विद्यालय हेमराजपुर में परीक्षा के दौरान एक शिक्षक भी बेहोश हो गए.

बिहार सरकार व अपर मुख्य सचिव के खिलाफ आक्रोश

बच्चों के स्कूलों में बेहोश होने की घटना से अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों में बिहार सरकार और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है. लोगों का कहना था कि इस भीषण गर्मी में स्कूल बंद करने का आदेश जारी करना चाहिए. शिक्षा विभाग ने इस भीषण गर्मी में बच्चों को हर साल मिलने वाली गर्मी छुट्टी की जगह स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों को आने का निर्देश दे रखा है. नहीं आने पर शिक्षकों की नौकरी और छात्र-छात्राओं के दाखिले पर खतरा है, इसलिए यह स्थिति हो रही है.

जिन जिलों में बेहोश हुए बच्चे, वहां का अधिकतम तापमान

जिला	तापमान (डिग्री से.)	जिला	तापमान (डिग्री से.)
बेगूसराय	41°	मुंगेर	40°
शेखपुरा	47°	जमुई	43°
सीवान	42°	बांका	42°
भागलपुर	40°	कटिहार	37°

सीएम नीतीश कुमार का निर्देश- आठ जून तक बंद रहेंगे स्कूल

बिहार के सरकारी स्कूलों में बुधवार को बच्चों के बेहोश होने की घटना के बाद देर से ही सही बिहार सरकार की नींद खुली है. सीएम नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा को पत्र लिख करस्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया गया है. जारी निर्देश के आलोक में 30 मई से 8 जून तक सभी सरकारी और निजी स्कूलों के साथ कोचिंग संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है. पत्र में लिखा है कि भीषण गर्मी व भयंकर लू के कारण राज्य में आपदा की स्थिति बन रही है. इसके मद्देनजर स्कूलों को बंद कराया जाए. सीएम से निर्देश पर मुख्य सचिव ने राज्य के सभी जिलों के डीएम को आठ जून तक स्कूलों में शिक्षण कार्य बंद रखने का निर्देश दिया है.

झारखंड समेत सात राज्यों में भीषण गर्मी और लू का अलर्ट

रांची। देश भर में बढ़ती गर्मी और तपिश से आम जनजीवन बेहाल है. इस बीच मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी और लू का अलर्ट जारी किया है. इस भीषण गर्मी में खासतौर पर लू (हीट वेव) से लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है. मौसम विभाग भी लगातार तमाम परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए है. कुछ राज्यों में लू और गर्मी से आम लोगों की परेशानी और भी बढ़ सकती है.

इन राज्यों में भीषण गर्मी और लू का अलर्ट : मौसम विभाग ने 30 मई को सात राज्यों के लिए गर्मी और लू की गंभीर स्थिति का अलर्ट जारी किया है. पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान, बिहार के कुछ क्षेत्र, झारखंड और ओडिशा में भीषण गर्मी और लू की चेतावनी जारी की गई है. इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, जम्मू के कुछ इलाकों, हिमाचल प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भी लू चलने की संभावना है.

24 घंटे में केरल में दस्तक दे सकता है मानसून : इस भीषण गर्मी से राहत कब मिलेगी, इसे लेकर मौसम विभाग ने राहत भरी खबर भी दी है. विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान केरल में मॉनसून की शुरुआत हो सकती है. इस दौरान दौरान पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों में भी मॉनसून के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रहीं हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,300
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

दिल्ली में गर्मी के सारे रिकॉर्ड टूटे

नयी दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. यहां मुंगेशपुर इलाके में अधिकतम तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. यह राष्ट्रीय राजधानी में अब तक दर्ज किया गया सर्वाधिक तापमान है.

भारत की रेटिंग परिदृश्य पॉजिटिव हुई

नयी दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत के साख (रेटिंग) परिदृश्य को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया है. मजबूत वृद्धि, पिछले पांच वर्षों में सार्वजनिक व्यय की बेहतर गुणवत्ता तथा सुधारों में निरंतरता के बीच 14 साल बाद भारत के साख परिदृश्य में यह बदलाव संभव हुआ है.

केजरीवाल की याचिका सूचीबद्ध करने से इनकार

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से बुधवार को इनकार कर दिया. केजरीवाल ने स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ जांच कराने के लिए सात दिन तक जमानत बढ़ाने के लिए याचिका को त्वरित सूचीबद्ध करने का आग्रह किया था.

विक्षिप्त ने 8 लोगों की हत्या कर की खुशकुशी

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बुधवार को विक्षिप्त व्यक्ति ने अपने संयुक्त परिवार के आठ लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी. घटना के बाद आरोपी ने खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

कार्रवाई : प्रदूषण बोर्ड ने जारी किया सीओटी और सीटीई रद्द करने का आदेश

पिछले 6 साल में खनन परियोजनाओं को दी गई सीटीओ और सीटीई रद्द

रवि भारती। रांची

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक आदेश जारी कर 500 से अधिक खनन परियोजनाओं को जारी सीटीओ (कनसर्ट टू ऑपरेट/ संचालन सहमति) और सीटीई (कनसर्ट टू एस्टेबलिसमेंट/ स्थापना सहमति) रद्द कर दिया है. इसके साथ ही इन खनन परियोजनाओं में खनन कार्य बंद हो गया है. बोर्ड ने यह आदेश 17 मई को जारी कर दिया है. ऐसी सभी परियोजनाओं को निर्देश दिया गया है कि वह खनन कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें. ऐसा नहीं करने पर संबंधित कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. आदेश जारी होने के बाद खनन कार्य में लगी छोटी-बड़ी कंपनियों की मुश्किलें बढ़ गयी है. इस तरह की कार्रवाई की वजह यह बतायी जा रही है कि पिछले छह सालों में बोर्ड ने तय मापदंडों का पालन कराये बिना ही सीटीओ व सीटीई जारी कर दिया. साथ ही विभिन्न मामलों में सुनवाई के दौरान एनजीटी को गलत जानकारी दी.

बोर्ड के अध्यक्ष शशिकर सामंता के हस्ताक्षर से जारी आदेश के मुताबिक, उन खनन पट्टों का सीटीओ व सीटीई रद्द किया गया है, जिन्हें 13 सितंबर 2018 के बाद जारी किया गया था. अब खनन परियोजनाओं को सीटीओ और सीटीई सर्टिफिकेट सिया (स्टेट इंवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट ऑथिरिटी) जारी करेगा. इस आदेश का असर 500 से अधिक कंपनियों पर पड़ेगा. कंपनियों में पत्थर खनन करनेवाली 165 कंपनियां, लौह अयस्क का खनन करने वाली 72 , कोयला खनन करने वाली 105 और बालू का खनन करने वाली 157 कंपनियां शामिल हैं.

क्या है प्रदूषण बोर्ड का आदेश

बोर्ड ने अपने आदेश में लिखा है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रधान खंडपीठ, नई दिल्ली द्वारा 18 अप्रैल 2024 को पारित आदेश के अनुपालन करते हुए यह फैसला लिया गया है. केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इस बारे में दिशा-निर्देश जारी किया था. उसमें कहा गया है कि वैसी सभी खनन परियोजनाएं, जिन्हें संबंधित डीईआइएए द्वारा 13 सितंबर 2018 के बाद खनन पट्टा के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति दी गई थी, उसे रद्द किया जाए. इसके साथ ही उस पर्यावरणीय स्वीकृति को आधार बनाकर पर्षद द्वारा जिन कंपनियों को सीटीई व सीटीओ जारी किया गया है, उसे रद्द कर दिया जाये. यह कार्रवाई जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1974 की धारा 3301 और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 31:0) के तहत की गयी है.

एनजीटी ने मांगी थी क्रशरों के सीओटी की जानकारी

जानकारी के मुताबिक, पिछले दिनों एनजीटी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से दो जानकारियां मांगीं थीं. पहली साहिबगंज सहित अन्य जिलों में प्रदूषण का मापदंड क्या है और दूसरी पर्टिकुलेट मैटर (धूलकण) 10 माइक्रॉन से अधिक है या नहीं. प्रदूषण बोर्ड इसका सही जवाब नहीं दे सका. बाद में इसकी जांच के लिए प्रदूषण बोर्ड ने मशीन मंगवाई, लेकिन मशीन से जांच सही हो रहा है या नहीं, यह पता करने का कोई सिस्टम बोर्ड के पास नहीं है. बोर्ड ने दुमका रिजनल ऑफिस से एक चेकलिस्ट जारी किया, जिसमें कहा गया कि क्रशरों का बाउंड्री वॉल, ग्रीन बेल्ट, पानी पटाने की व्यवस्था नहीं है. इस पर एनजीटी ने सवाल किया कि बिना शर्तों को पूरा किए बोर्ड ने कंसेंट टू एस्टेब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट कैसे दिया. बताते चलें कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संथाल परगना के साहिबगंज में लगभग 200 क्रशरों को कंसेंट टू एस्टेब्लिश और कंसेंट टू ऑपरेट दिया.

जिला स्तर से खनन परियोजनाओं के लिए जितने भी सीटीओ और सीटीई दिए गए हैं, सभी को रद्द कर दिया गया है. सभी रद्द किए गए सीटीओ और सीटीइ का एसेसमेंट किया जा रहा है. अब सिया से सीटीओ और सीटीई लेना होगा.

–शशिकर सामंता (अध्यक्ष, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

अब तक सिया के पास सीटीओ और सीटीई के लिए एक भी आवेदन नहीं आया है.

–कमलेश पांडेय (अध्यक्ष,सिया)

कंपनियों के नाम

- मेसर्स साई आशीर्वाद स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- संजय कुमार जायसवाल,
- ईको फ्रेंडली इंफ्रा टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड, प्रोपराईटर- सिद्धार्थ तुलसीयान,
- गोल्डन स्टोन हार्वेस्ट प्राईवेट लिमिटेड, प्रोपराईटर- राकेश कुमार,
- शक्ति स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- शंभु जजोदिया,
- बुधवा पहाड़िया, प्रोपराईटर- बुधवा पहाड़िया,
- जय मां भगवती स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- हीरालाल भगत,
- मोहन एंड संजय स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- संजय कुमार यादव,
- राम कृष्ण पत्थर उद्योग, प्रोपराईटर- राज नारायण चौधरी,
- सुनील कुमार सिंह, प्रोपराईटर- सुनील कुमार सिंह,
- शिवम स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- चंद्रशेखर आजाद,
- राज स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- प्रेम प्रकाश चौधरी,
- एमएस सिफा ग्रुप, प्रोपराईटर- तरूण कुमार,
- एडी स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- धनंजय तिवारी,
- अनन्या स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- लक्ष्मण कुमार चौधरी,
- एमएल स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- संजय कुमार,
- राज स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मो आरिफ जफर,
- नीलकंठ स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- देवांशु जजोदिया,
- जय हनुमान स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- फुलचन पासवान तथा राजकुमार भगत,
- स्टार स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मुर्शिद आलम,
- करमबी स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मो एहतेशाम,
- बालाजी प्रोडक्शन, प्रोपराईटर- प्रशांत घोष,
- सिंह स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- तपन कुमार सिंह,
- शमीम स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मो शमीम,
- मो मुस्तकीम अंसारी स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मो मुस्तकीम अंसारी,
- मेसर्स नेहा ब्लैक स्टोन वर्क्स (स्टोन माइंस), प्रोपराईटर- मो अख्तर आलम,
- मेसर्स स्टार इंडिया इंडस्ट्रीज (स्टोन माइंस), प्रोपराईटर- अजय कुमार भगत,
- मेसर्स शिवशक्ति स्टोन वर्क्स (स्टोन माइंस), प्रोपराईटर- शंकर कुमार,
- मेसर्स आदर्श ग्रुप (स्टोन माइंस), प्रोपराईटर- मो आरिफ जफर एवं अन्य,
- रितिका स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- सुशील कुमार,
- सौरभ स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- गणेश प्रसाद तिवारी,
- मेसर्स बजरंग स्टोन, प्रोपराईटर- आलोक रंजन,
- नारायण स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- बिमला त्रिपाठी,
- पहाड़िया स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मतिउल हक,
- अब्बास एंड संस, प्रोपराईटर- अनीस अंसारी,
- सुभद्रा स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- रमेश रंजन चौधरी,
- न्यू राजा स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मदन कांत,
- अवध किशोर एंड संस, प्रोपराईटर- अवध किशोर सिंह,
- स्टार स्टोन वर्क्स, प्रोपराईटर- मो जाफर

हाईकोर्ट ने सरकार को दिया निर्देश

एटीपीसी के लिए हुई ग्राम सभा का विवरण कोर्ट में पेश करें

- फर्जी ग्रामसभा कर फॉरेस्ट क्लियरेंस लेने के मामले में दायर जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने सरकार को एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के लिए हुई ग्राम सभा की प्रक्रिया का विवरण कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है. जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की पीठ ने पिछली सुनवाई में सरकार से ग्राम सभा की प्रक्रिया का विवरण मांगा था. इसके बाद सरकार ने जिला प्रशासन द्वारा जारी पत्र कोर्ट में पेश किया, जिस पर कोर्ट ने सरकार से ग्राम सभा की प्रक्रिया का विवरण कोर्ट में उपलब्ध कराने को कहा है.

हाईकोर्ट के दोनों न्यायाधीशों की पीठ ने यह आदेश मंटू सोनी द्वारा फर्जी ग्रामसभा कर लोगों के फर्जी हस्ताक्षर कर एनटीपीसी द्वारा फॉरेस्ट क्लियरेंस लिए जाने का आरोप लगाते हुए दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया है. अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह और दीपक कुमार ने याचिककर्ता की तरफ से बहस की. कोर्ट ने एनटीपीसी के बारियातू माइंस के नजदीक विलुप्त प्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की बस्ती को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा है. कोर्ट ने मामले में झालसा को प्रतिवादी बनाया है. साथ ही सीआईडी को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है.

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने झालसा को इस मामले में प्रतिवादी बनाते हुए मेंबर सेक्रेट्री से मंतव्य की मांग की है. वहीं क्षेत्र की दुमुहानी नाला को नष्ट कर अवैध खनन के दोषियों को सरकारी आदेशों की गलत व्याख्या करने के मामले में भी अदालत ने सरकार से जवाब मांगा है.

आरसीसीएफ ने कोर्ट को दिया अधूरा जवाब

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में फर्जी ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति की जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं करने एवं रिपोर्ट बदलने के मामले में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) झारखंड को व्यक्तिगत शपथ पत्र दायर कर जवाब देने का निर्देश दिया था. प्रधान मुख्य वन संरक्षक के बदले क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) ने कोर्ट में आधा अधूरा और भ्रामक जवाब शपथपत्र के माध्यम से दिया. इसे लेकर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह व दीपक कुमार ने लिखित रूप से बताया कि क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक ने अदालत को अधूरा व भ्रामक जवाब दिया है. जांच अधिकारी एके परमार के रिपोर्ट बदलने के मामले में कहा गया है कि उन्होंने गलत रिपोर्ट बनायी है, जिसके लिए उन्हें शो-कॉज किया गया है. लेकिन हाईकोर्ट से यह तथ्य छुपा दिया गया, जिसमें एके परमार ने शो कॉज नोटिस का जवाब दे दिया और जवाब देने के बाद उनके खिलाफ विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की थी.

चुनावी महासमर 2024

ममता पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का आरोप

ओबीसी के अधिकार मुसलमानों को दे रही टीएमसी : प्रधानमंत्री

पश्चिम बंगाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी कर 'मूल' ओबीसी के अधिकार मुसलमानों को दे रही है. मथुरापुर लोकसभा सीट के काकद्वीप में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में केंद्र की विकास योजनाओं को लागू नहीं होने दे रही है. उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में आरक्षण की खुली लूट हुई. तुष्टीकरण के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र जारी किए गए. मोदी ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन झूठे प्रमाण पत्रों को रद्द कर दिया है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस मुसलमानों को गुमराह कर रही है. पीएम ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर पश्चिम बंगाल में उसकी सीमाओं से अनियंत्रित घुसपैठ की अनुमति देने का आरोप लगाया. कहा कि टीएमसी और इंडिया जमात वाले बंगाल को विपरीत दिशा में लेकर जा रहे हैं.

संविधान की प्रति लहराते हुए भाजपा पर लगाया आरोप

भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान खत्म कर देगी : राहुल

चंडीगढ़। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि अगर भाजपा सत्ता में वापस आयी, तो संविधान को खत्म कर देगी. कांग्रेस नेता ने पंजाब में मादक पदार्थों की समस्या का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह समस्या बढ़ती जा रही है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई की जरूरत है. लुधियाना से कांग्रेस के उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव संविधान को बचाने के लिए है. उन्होंने अपनी पार्टी के चुनावी वादों के बारे में भी बात की. कांग्रेस नेता ने संविधान की एक प्रति लहराते हुए कहा कि यह कोई किताब नहीं, बल्कि गरीबों की आवाज है. उन्होंने सेना में भर्ती की अल्पकालिक 'अग्निपथ' योजना के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आया, तो वह इसे खत्म कर कूड़ेदान में फेंक देगा.

अखिलेश ने किसानों का जिक्र कर भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा की सरकार बनी,तो किसानों की जमीन छीन लेगी

सोनभद्र (उप्र)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि अगर भाजपा एक बार फिर सत्ता में आ गयी, तो कोई न कोई कानून लाकर किसानों और आदिवासियों की जमीन छीन लेगी. अखिलेश रॉबर्ट्सगंज लोकसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी छोटे लाल खरवार के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह वही भाजपा के लोग हैं, जो एक समय पर काले (कृषि) कानून लाए थे, जिनसे किसानों की जमीनें छीन ली जातीं. काले कानून तो वापस हो गए हैं, लेकिन हमें सावधान रह कर इनसे मुकाबला करना है. यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. न वह समय पर पानी दे पाए, न खाद दे पाए और ना ही कीटनाशक दे पाए. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज महंगाई चरम पर है. गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और भी ज्यादा अमीर होता चला जा रहा है.

ओडिशा में दो आईपीएस पर कार्रवाई, बीजद नेता बोले-

भाजपा के कहने पर चुनाव आयोग ने की है कार्रवाई

एजेंसी। भुवनेश्वर

बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता वीके पांडियन ने ओडिशा मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यरत दो आइपीएस अधिकारियों के खिलाफ भारत निर्वाचन आयोग की कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया. उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर की गयी है. क्योंकि राज्य में हुए चुनाव में अपनी हार होती देख, भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है. बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने आइपीएस अधिकारी डीएस कुटे को निलंबित करने की सिफारिश की है, जबकि छुट्टी पर गए आइपीएस अधिकारी आशीष सिंह की चिकित्सीय जांच के मंगलवार को आदेश दिए. पांडियन ने बालासोर में संवाददाताओं से कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग ने सीएमओ में काम करने वाले कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है. उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारी ओडिशा के उत्कृष्ट अधिकारी हैं और दोनों ने अपनी जान जोखिम में डाल कर राज्य में नक्सलवाद को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

राजमहल, गोड्डा और दुमका में आज शाम थम जाएगा प्रचार, एक जून को है मतदान, 2019 में तीन में से दो सीट जीती थी भाजपा

झारखंड में चौथे चरण का मतदान : संथाल में भाजपा-इंडिया गंठबंधन प्रत्याशियों की साख दांव पर

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में संथलापरगना की तीन लोकसभा सीटों राजमहल, दुमका और गोड्डा में एक जून को मतदान होना है. संतालपरगना की तीनों सीटों पर पूरे राज्य की नजर है. तीनों सीटों पर मुकाबला जोरदार है. एक ओर भाजपा संथाल की तीन सीटों पर क्लीन स्विप के लिए एड़ी-चोटी का पसीना बहा रही है, तो दूसरी ओर झामुमो अपना गढ़ बचाने के लिए जोर लगाए हुए है.

भाजपा और इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अपनी साख बचाने में लगे हैं. राजमहल सीट से भाजपा के ताला मरांडी व जेएमएम से विजय कुमार हांसदा आमने-सामने हैं. लेकिन

झामुमो के विधायक लोबिन हेंब्रम निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं. दुमका सीट पर जेएमएम के नलिन सोरेन व भाजपा की सीता मुर्मू के बीच मुकाबला है. गोड्डा में कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव और भाजपा के निशिकांत दुबे के बीच मुकाबला है. लेकिन यहां से कभी निशिकांत दुबे के करीबी रहे अभिषेक झा भी चुनाव मैदान में निर्दलीय उतर गये हैं. गोड्डा से अभिषेक के चुनावी समर में उतरने और राजमहल से लोबिन हेंब्रम के निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने से किसे नफा-नुकसान होगा, यह तो चार जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चल पाएगा.

- भाजपा क्लीन स्विप के लिए बेचैन, झामुमो गढ़ बचाने के लिए बहा रहा पसीना
- तीन संसदीय क्षेत्र में कुल 52 प्रत्याशी चुनाव मैदान में, राजमहल से 14, दुमका व गोड्डा से 19-19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

2019 में क्या था चुनाव परिणाम

- 2019 के लोकसभा चुनाव में दुमका से भाजपा के सुनील सोरेन ने जेएमएम अध्यक्ष दिसांम गुरु शिबू सोरेन को 47 हजार मतों से पराजित किया था. सुनील सोरेन को 4 लाख 84 हजार वोट मिले थे, वहीं शिबू सोरेन को 4 लाख 37 हजार वोट मिले थे.
- राजमहल लोकसभा सीट सेर जेएमएम प्रत्याशी विजय कुमार हांसदा ने 99 हजार वोटों से जीत दर्ज की थी. विजय हांसदा को 5 लाख सात हजार वोट मिले थे. वहीं भाजपा के हेमलाल मुर्मू को 4 लाख 8 हजार वोट मिले थे.
- गोड्डा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी निशिकांत दुबे ने झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के प्रत्याशी प्रदीप यादव को 1 लाख 84 हजार वोट के बड़े अंतर से हराया था. निशिकांत दुबे को 6 लाख 37 हजार और प्रदीप यादव को 4 लाख 53 हजार वोट मिले थे.

तीनों लोकसभा सीट में कुल 53 लाख मतदाता देंगे वोट

तीनों लोकसभा क्षेत्र में छह जिले और 18 विधानसभा सीटें आती हैं. चुनाव आयोग के डेटा के अनुसार, इन तीनों लोकसभा क्षेत्र में

कुल 84 लाख 11 हजार 857 आबादी है. इनमें 43,02,034 पुरुष और 41,09,823 महिलाएं शामिल हैं. कुल 53 लाख 16 हजार 868 मतदाता हैं. इनमें से 26,97,207 पुरुष, 26,19,631 महिलाएं और 30 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं. बता दें कि राज्य के चौथे चरण में तीन संसदीय क्षेत्रों में कुल 52 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं. इनमें राजमहल से 14, दुमका व गोड्डा से 19-19 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आय भाव में शनि चन्द्र है. गलत आय से बचना चाहिए. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. अन्न जल दान करें.

वृषभ असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें.

मिथुन धर्म कर्म में मन नही लगेगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कर्क मानसिक तनाव होगा, पर दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. कार्य होगा और आय बनी रहेगी.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत हैं. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. मित्रों का साथ मिलेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या संतान के प्रति जिम्मेदार बनना चाहिए. कुटुम्ब में खर्च होगा साथ ही संतुष्टि भी होगी. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. लड्डू का दान करें.

तुला किया गया कार्य लाभ का मौका देगा. सृजनशीलता का विकास होगा. कार्य के प्रभाव से धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे.

वृश्चिक माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. मूंग दान करें.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. गुरु गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए.

मकर मकर राशि : धन का आगमन होगा. पेट में कुछ समस्या हो सकती है. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ लग्न में शनि चन्द्र है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी. काली वस्तु दान करें.

मीन न्यायालय के कार्य में खर्च होगा. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. गुरु मंत्र जाप करें.

देवघर और सारठ की चुनावी सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बोले-

ये मांगनेवाला नहीं, देनेवाला नया भारत है

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि ये बदलता भारत है. पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 साल में दिखा दिया कि भारत जैसे देश में बदलाव राजनीति और ईमानदार नेता ही कर सकते हैं. पीएम मोदी ने हर दिन, हर पल, हर महीने और हर साल देश को बदलने का काम किया. इसलिए हम आज बदलता भारत देख पा रहे हैं. वे बुधवार को देवघर और सारठ में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अब विश्व की तीसरे नंबर सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है. आज एक साधारण आदमी भी मान चुका है कि देश में आया बदलाव पीएम मोदी की देन है. वो मान चुका है पीएम से देश का विकास हुआ है।

डिजिटल ट्रांजेक्शन में भारत विश्व में चौथे स्थान पर : नड्डा ने आगे कहा कि ये पीएम मोदी की दूरदर्शी सोच नतीजा है कि भारत पांचवें से तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है. पीएम मोदी के बदलते भारत में दो लाख गांव में ऑप्टिकल फाइबर बिछाये गये. गांवों को वाई-फाई से जोड़ दिया गया. आज गांवों में दो लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं. डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले आज भारत विश्व में चौथे स्थान पर है. ये मोदी का बदलता भारत है. ये डिजिटल भारत है.

सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्लान चलाया : कोरोना काल में पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों को निर्देश दिया और अपने देश में दो-दो वैक्सीन बने.इस वैक्सीन को बनाने में सिर्फ 6 से 9 महीने लगे. कोरोना काल में सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्लान और

आयुष्मान योजना से अब गरीबों का इलाज हो रहा है

नड्डा ने कहा कि आज पांच लाख का इलाज आयुष्मान योजना से गरीब मुफ्त में करा रहे हैं. उन्होंने पीएम के सौर ऊर्जा से घर में मुफ्त बिजली योजना की चर्चा की. अगली बार सरकार बनने पर हम इस योजना को शुरू करने वाले हैं. इसके तरह आप अपने घर में सौर ऊर्जा से बिजली पैदा कर सकेंगे. इसके लिए सरकार 75000 रुपये देगी. इससे बची बिजली को सरकार खरीदेगी. लोगों का बिजली बिल तो शून्य होगा ही, इस योजना से लोगों को कमाई भी होगी .

सबसे तेज वैक्सीनेशन प्लान पर भारत ने काम किया. ये बदलता भारत है. हमने न सिर्फ अपने देश के लोगों को वैक्सीन दिया बल्कि कई गरीब देशों को मुफ्त में वैक्सीन दिया भी. हमने अपने देश में डबल वैक्सीन के साथ बुस्टर डोज देने का भी कीर्तिमान बनाया है. कोरोना काल में भारत ने 48 देशों को मुफ्त वैक्सीन दिया. ये मांगने वाला भारत नहीं है. ये देने वाला भारत है.

करप्शन खत्म करने में लगे हुए हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कांग्रेस सरकार ने विकास के लिए कभी सोचा ही नहीं : मोहन यादव

रांची। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने विकास के लिए कभी नहीं सोचा. इस बार के चुनाव के बाद जब भाजपा की सरकार

बनेगी तो जल्द ही भारत विश्व का नंबर एक देश बनेगा. वे बुधवार को राजमहल में जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ बोल कर भारत की जनता को भ्रम में रखी हुई है. पीएम मोदीजी ने कहा है कि न खाउंगा, न खाने दूंगा. वे करप्शन खत्म करने पर लगे हुए हैं. प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में 3 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पक्के मकान बना कर देंगे. आज इंडी गठबंधन में पूर्व के नेताओं के बच्चे चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन नरेंद्र मोदी का कोई भी परिवार चुनाव नहीं लड़ रहा है. नरेंद्र मोदी देश की जनता को विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं. आज हमारी सेना विश्व की तीसरी सबसे ताकतवर सेना है.

प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर यहां बनाया जा रहा है बंदरगाह

यादव ने कहा कि अब मोदीजी की पहल पर यहां बंदरगाह बनाया जा रहा. पाकिस्तानी पहले यहां बम विस्फोट करते थे लेकिन अब नरेंद्र मोदी पाकिस्तान के घर में घुस कर देश के दुश्मनों को मार रहे हैं. अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाया, तीन तलाक को समाप्त किया, शौचालय दिया, आयुष्मान योजना दी. उन्होंने अपील करते कहा कि 1 जून को अंतिम चरण के चुनाव में राजमहल लोकसभा की जनता कमल छाप पर बटन दबाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करे. मौके पर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और अन्य भी मौजूद थे.

झारखंड को लूटने में लगा है कांग्रेस व झामुमो: विष्णुदेव

छत्तीसगढ के सीएम विष्णु देव सोय ने कहा कि झारखंड और छत्तीसगढ जैसे राज्य एक साथ बने. पर विकास की दृष्टि से झारखंड पिछड़ा रह गया. राज्य को लूटने में लगी कांग्रेस झामुमो की सरकार में मोदीजी की योजनाएं धरातल पर उतरी नहीं. मोदीजी चाय बेचने वालों में से रहे.

दुमका में भाजपा का पूरा सपोर्ट मिल रहा है : राजश्री सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची

सीता सोरेन की बेटियां अपनी मां के लिए चुनाव प्रचार में उतरी हुईं हैं. निजी तौर पर वे लोग दुमका के गलियों में घूम-घूम कर प्रचार कर रही है. उनकी बेटी राजश्री ने पार्टी, परिवार और कल्पना सोरेन पर तीखा हमला किया. कहा कि पिता जी के निधन के बाद भी मेरी मां जामा में अकेले ही चुनाव लड़ा करती थीं. इस बार हम दोनों बहनें मां के लिए काम कर रही हैं. उन्होंने अपने मां के खिलाफ प्रचार कर रही अपनी चाची (कल्पना सोरेन) पर प्रहार करते हुए कहा कि ओ हेलिकॉप्टर से घुम रही हैं. इसमें किसका पैसा खर्च हो रहा है. यह तो जनता का पैसा है ना. हमें हेलिकॉप्टर की जरूरत नहीं है. हम जमीन से जुडकर काम कर रहे हैं. लोगों से मिल रहे हैं. पूरे झारखंड में हम जहां जा रहे हैं, मेरे पापा (दुर्गा सोरेन) के बारे में बात हो रही है. मेरे पिता के निधन के बाद मेरे पापा के चेहरे को धूंधला करने का प्रयास इनलोगों ने किया. मगर वे अपने मंसूबे पर कामयाब नहीं हो सके. वे पूरे झारखंडियों के दिलों में बसते हैं. परिवार वाले हमें मान-सम्मान नहीं दे पाए. मोदी जी ने सम्मान देने का काम किया. जब मेरी मां जामा से चुनाव लड़ती थीं तो अपने दम पर, उस समय भी पार्टी और परिवार का उतना सपोर्ट नहीं मिलता था. मां के लिए कमल फूल छाप बताने में और समझाने में कोई दिक्कत नहीं हो रही है. क्योंकि हमे पूरे भाजपा परिवार का सपोर्ट मिल रहा है.

राजश्री ने क्या-क्या कहा

- जामा के चुनावों में पार्टी और परिवार का तनिक भी सपोर्ट नहीं मिलता था.
- पार्टी और परिवार ने पिता के नाम को धुंधला किया.
- जनता के पैसे खर्च कर हेलिकॉप्टर से घूम रही हैं कल्पना सोरेन.

कल्पना सोरेन ने बुधवार को किया तूफानी दौरा, चार चुनावी सभा को किया संबोधित

दिल्ली में इंडिया अलायंस की सरकार बनना तय, संथाल में होगा आखिरी कील ठोंकने का काम : कल्पना सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची

कल्पना मुर्मू सोरेन ने आज बुधवार को संथाल परगना का तूफानी चुनावी दौरा किया. आज उन्होंने झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन के लिए जामताड़ा, दुमका के घटियारी, राजमहल सीट से विजय हांसदा के लिए साहेबगंज तथा साहेबगंज के पतना में चुनावी सभा को संबोधित किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली में इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय हो गयी है. जिस तरह आपलोगों के प्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा वालों ने षड्यंत्र के तहत जेल भेज दिया, उसी तरह

जनता भी इस बार इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर भाजपा को खत्म कर देगी.

कल्पना ने कहा , जब शिबू सोरेन ने सर नहीं झुकाया, तो हेमंत सोरेन कैसे सर झुका देगा. हेमंत सोरेन के साथ पूरे झारखंड की जनता है. साढ़े 3 करोड़ जनता उनके साथ है. हमारे झारखंड में तीन चरणों का चुनाव हो गया है. चुनाव का परिणाम साफ नजर आ रहा है कि जनता ने इस बार इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को अपना मत दिया है. यह अंतिम चरण का चुनाव जो संथाल परगना में हो रहा है, यह केंद्र सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम करेगा. इंडिया गठबंधन के दुमका, राजमहल, गोड्डा के तीनों प्रत्याशी भारी मतों से विजयी हो रहे हैं.

हेमंत कभी झुकेगा नहीं : कल्पना ने कहा कि यह भारत देश की खूबसूरती है. यहां अनेकता में एकता दिखती है. जब अंग्रेजों के समय में बाबा तिलका मांझी ने तीर-धनुष तब उठाया था जब हिंदुस्तान में किसी ने आजादी का सपना देखा भी नहीं था. इसलिए हेमंत है तो झारखंड मुक्ति मोर्चा कभी झुकेगा नहीं.

ईडी ने आईएएस मनीष रंजन को दुबारा तीन जून को पूछताछ के लिए बुलाया

संवाददाता। रांची

टेंडर कमीशन घोटाला

झारखंड में टेंडर कमीशन घोटाला मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस मनीष रंजन को दुबारा तीन जून को पूछताछ के लिए बुलाया है. इससे पहले ईडी ने मनीष से मंगलवार को आठ घंटे तक पूछताछ की थी. जांच के क्रम में इसी छह मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस रहे संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के फ्लैट से ईडी को कई दस्तावेज हाथ लगे थे. उसमें कमीशन की राशि किन-किन लोगों को जाती थी, इसका पूरा विवरण मौजूद है. ईडी ने 28 मई को मनीष रंजन से इस संबंध में सवाल-जवाब किया था, लेकिन उन्होंने सभी सवालों पर अनभिज्ञता जतायी थी. ईडी ने उन्हें आलमगीर आलम के समक्ष बैठाकर भी कई सवाल किये थे.

रोजगार सेवक ने खरीदा था स्कॉर्पियो अब विभाग ने मांगा है पूरा ब्योरा

रांची। गिरिडीह के रोजगार सेवक द्वारा स्कॉर्पियो खरीद मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है. अब ग्रामीण विकास विभाग ने पूरे मामले में विस्तृत जानकारी मांगी है. मामला गिरिडीह सदर के पुरनानगर ग्राम पंचायत के रोजगार सेवक सुरेंद्र कुमार दास से जुड़ा है. इस मामले में सबसे पहले डीडीसी से रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन उस वक्त पूरा ब्योरा नहीं मिल पाया था. ग्रामीण विकास विभाग ने यह जानना चाहा है कि आखिर कैसे एक ग्राम रोजगार सेवक 20 लाख रुपये लागत से स्कॉर्पियो कार खरीदी है. पूरे मामले में गिरिडीह के लोकपाल ओर डीडीसी ऑफिस से जांच प्रतिवेदन पांच अप्रैल को जमा कराया गया, लेकिन स्कॉर्पियो खरीद के बिंदु पर कोई स्पष्ट रिपोर्ट नहीं दी गयी.

जानकारी आनंदमार्गी धर्म महासम्मेलन : 29 मई से 4 जून तक होगा धार्मिक कार्य

पुनदाग रेलवे स्टेशन पर होगा ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

रांची। आनंदा नगर (पुनदाग) में आनंदमार्गी धर्म महासम्मेलन के लिए 29 मई से 4 जून तक निम्न ट्रेनों का एक मिनट के लिए पुनदाग स्टेशन पर ठहराव दिया गया है.

1. ट्रेन संख्या 13303 धनबाद-रांची एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 07 :27 बजे एवं प्रस्थान 07 :28 बजे होगा .
2. ट्रेन संख्या 13304 रांची - धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 20 :54 बजे एवं प्रस्थान 20 :55 बजे होगा .
3. ट्रेन संख्या 13403 रांची-भागलपुर एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 21 :04 बजे एवं प्रस्थान 21 :05 बजे होगा .
4. ट्रेन संख्या 13404 भागलपुर- रांची एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 06 :19 बजे एवं प्रस्थान 06 :20 बजे होगा .
5. ट्रेन संख्या 15027 हटिया- गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 19 :14 बजे एवं प्रस्थान 19 :15 बजे होगा .
6. ट्रेन संख्या 15028 गोरखपुर- हटिया मौर्य एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 04 :32 बजे एवं प्रस्थान 04 :33 बजे होगा .
7. ट्रेन संख्या 18105 राउरकेला - जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 22 :15 बजे एवं प्रस्थान 22 :16 बजे होगा .
8. ट्रेन संख्या 18106 जयनगर - राउरकेला एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 07 :55 बजे एवं प्रस्थान 07 :56 बजे होगा .
9. ट्रेन संख्या 18627 हावड़ा - रांची एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 20 :09 बजे एवं प्रस्थान 20 :10 बजे होगा .
10. ट्रेन संख्या 18628 रांची- हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 07 :12 बजे एवं प्रस्थान 07 :13 बजे होगा .
11. ट्रेन संख्या 18619 रांची- दुमका एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 23 :20 बजे एवं प्रस्थान 23 :21 बजे होगा .
12. ट्रेन संख्या 18620 दुमका- रांची एक्सप्रेस ट्रेन का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 01 :49 बजे एवं प्रस्थान 01 :50 बजे होगा .
13. ट्रेन संख्या 03595 बोकारो स्टील सिटी - आसनसोल मेमू का पुनदाग स्टेशन पर आगमन 03 :46 बजे व प्रस्थान 03 :47 बजे होगा .

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, गुरुवार 30 मई 2024 | ज्येष्ठ पक्ष 07 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 | वर्ष : 2, अंक : 51 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

13 साल में भी पूरा नहीं हुआ टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग का सर्विस लेन, कहीं अधूरे काम तो कहीं अवैध पार्किंग से परेशानी

सर्विस लेन पर अतिक्रमण बना जी का जंजाल, एक वर्ष में 90 दुर्घटनाएं

"**एसडीओ** सुनील कुमार प्रजापति ने कहा कि सर्विस लेन पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं और अतिक्रमण एक गंभीर मुद्दा है और हमने इस मामले से सख्ती से निपटने का फैसला किया है. पूरे हिस्से का निरीक्षण कर ट्रैफिक इंस्पेक्टर को कार्रवाई करने और सर्विस लेन को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं.

"**सामाजिक** संगठन जन कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि पिछले एक साल में 90 से ज्यादा दुर्घटनाएं हुई हैं. उनके द्वारा इससे संबंधित पत्र जिले के उपायुक्त और अनुमंडल पदाधिकारी के साथ सड़क निर्माता एजेंसी को लिखा है लेकिन अब तक सुधार की दिशा में कोई एक्शन नहीं लिया गया है.

"**गम्हरिया** के लाल बिल्डिंग इलाके में रहने वाले पार्षद सिद्धनाथ सिंह ने कहा कि सर्विस लेन पर दुकानों का लगना एक एक बड़ी समस्या है. मैं गम्हरिया से आदित्यपुर तक नियमित रूप से आता-जाता हूं. सर्विस लेन पर अतिक्रमण इस कदर बढ़ गया है कि इससे यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाएं होती हैं.

"**दिंदली बस्ती** की पार्षद राजरानी महतो ने बताया कि वह अपने दोपहिया वाहन से घर और नगर निगम कार्यालय तक सर्विस लेन से आती जाती हैं. लेकिन सड़क किनारे अवैध दुकानें और खड़े भारी वाहन दुर्घटना का खतरा पैदा करते हैं. उन्होंने कहा पिछले कुछ महीनों में स्थिति और खराब हो गई है.

संजीव मेहता | आदित्यपुर

13 साल में भी टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग का सर्विसे लेन अधूरी पड़ी हुई है. जिसके वजह से कहीं अवैध पार्किंग का साम्राज्य है तो कहीं फुटपाथी दुकानदारों ने अपनी दुकानें सजा ली हैं. इसके वजह से एक्सप्रेस वे में ही छोटी वाहनों का परिचालन हो रहा है नतीजतन दुर्घटनाओं का आंकड़ा दिन प्रति बढ़ रहा है. एक वर्ष में करीब 90 छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं.

बता दें कि टाटा-कांड्रा फोरलेन दोपहिया और ऑटो चालकों के लिए लगातार असुरक्षित होता जा रहा है. टाटा-कांड्रा रोड के सर्विस लेन पर फल सब्जी के ठेले और रेडीमेड गारमेंट की दुकानें अतिक्रमण कर लगाई जा रही है. बता दें कि पिछले महीने अप्रैल में गम्हरिया में उत्कल ऑटोमोबाइल्स के पास एक अवैध रूप से पार्क किए गए ट्रेलर से टकराने पर ऑटो में सवार दो लोगों की मौत हो गई थी. जबकि पिछले हफ्ते अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों से भरे टाटा-कांड्रा रोड के सर्विस लेन पर एक हल्के ट्रक ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी थी. इसके वजह से टाटा-कांड्रा फोरलेन दोपहिया और ऑटो चालकों के लिए लगातार असुरक्षित होता जा रहा है, क्योंकि अतिक्रमण और दोनों तरफ सर्विस लेन पर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के कारण उन्हें भारी वाहनों के लिए बने मुख्य मार्ग से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ता है. आदित्यपुर खरकई ब्रिज से कांड्रा टोल प्लाजा तक की कुल लंबाई 15 किलोमीटर है. जिसके दोनों ओर सर्विस लेन भी बनाया गया है. लेकिन इस पर दोपहिया वाहन नहीं चल सकते क्योंकि दुकानदारों ने कपड़े, मिठाई, फलों का जूस और यहां तक कि बांस की लकड़ियों की दुकानें लगा रखी हैं. कई जगहों पर सर्विस लेन में मोटर मैकेनिक की दुकानें भी खुल गई हैं. हालात और भी बदतर हो जाते हैं, क्योंकि कई जगहों पर ऑटो-रिक्शा और भारी वाहन खड़े रहते हैं. जहां भी धर्म कांटा है वहां सर्विस लेन आधी किलोमीटर तक बड़े और भारी वाहनों से अतिक्रमित रहता है.

चाईबासा सामूहिक दुष्कर्म में आया फैसला

पांच दोषियों को उम्रकैद

संवाददाता | चाईबासा

- जुवेनाइल कोर्ट में है अन्य पांच नाबालिग आरोपियों का मामला
- 2022 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती से हुआ था दुष्कर्म
- पुलिस की विशेष जांच दल ने फॉरेंसिक टीम की भी मदद ली

पश्चिमी सिंहभूम जिले में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सामूहिक दुष्कर्म के 5 दोषियों को कोर्ट ने बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई है. प्रथम जिला व सत्र न्यायाधीश सह पोक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने यह सजा सुनाई. चाईबासा के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत 20 अक्टूबर 2022 शाम 7 बजे हवाई अड्डा (एयरोड्रम) के पास सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती से सामूहिक दुष्कर्म हुआ था.

इस मामले में 5 दोषियों को भादवि की धारा 376 (डी) के तहत आजीवन कारावास (अंतिम सांस तक) की सजा सुनायी गयी है. भादवि की धारा 395, 377, 412 और 376 के तहत दर्ज मुकदमों का सामना कर रहे इन लोगों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है.

सजा पाने वाले दोषियों के नाम सुरेन देवगम (20), शिवशंकर करजी उर्फ बाज (22), पुरमी देवगम उर्फ सेटी (19), प्रकाश देवगम उर्फ डेंबो (21) और सोमा सिंकू उर्फ पेट्रा (19) हैं. सभी चाईबासा के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सालीहातु गांव के रहने वाले हैं.

इस मामले में 5 नाबालिग भी आरोपी हैं. सभी का मुकदमा जुबेनाइल कोर्ट में चल रहा है. 20 अक्टूबर 2022 को शाम में चाईबासा के हवाई अड्डा की ओर युवती अपने दोस्त के साथ घूमने गयी थी. शाम करीब 7 बजे आरोपियों ने दोनों को पकड़ कर पहले मारपीट की. इसके बाद लड़के को वहां से भगा दिया और लड़की के साथ 10 लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया.

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 22 अक्टूबर को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. एसपी आशुतोष शेखर के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने केस का उद्भेदन कर इसमें संलिप्त सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया.

इस मामले के उद्भेदन के लिए गठित विशेष जांच दल ने टेक्निकल टीम के साथ फॉरेंसिक टीम की भी मदद ली. इसके लिए पुलिस को क्षेत्र के मोबाइल टावर के डेटा से भी मदद मिली थी.

झुलसने लगा कोल्हान, बाजार व सड़कें रहीं वीरान

तापमान में उछाल से जनजीवन हलकान, 24 घंटे में ही 6.2° चढ़ा पारा, तापमान 45.9°

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

मौसम की मार ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है. बढ़ते तापमान से जमशेदपुर समेत पूरा कोल्हान झुलसने लगा है. बुधवार को जमशेदपुर के तापमान में अचानक वृद्धि और उमस ने जीना मुहाल कर दिया है. मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले मंगलवार की तुलना में 6.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था. वहीं न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गयी. न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक 30.3 डिग्री सेल्सियस रहा.

हालांकि विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज का अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक था. प्रचंड धूप, लू का कहर और उमस की वजह से पशु-पक्षी भी हलकान रहे. सड़कें और बाजार वीरान रहे. सरायकेला में पारा 46 डिग्री के करीबइसके अलावा पूरे कोल्हान की स्थिति को देखा जाये, तो चारों तरफ कमोबेश यही स्थिति रही. पूरे कोल्हान में आज सरायकेला में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया. मौसम विभाग के अनुसार पूरे कोल्हान में आज में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है.

गर्मी के कारण वीरान पड़ी साकची की सड़क.

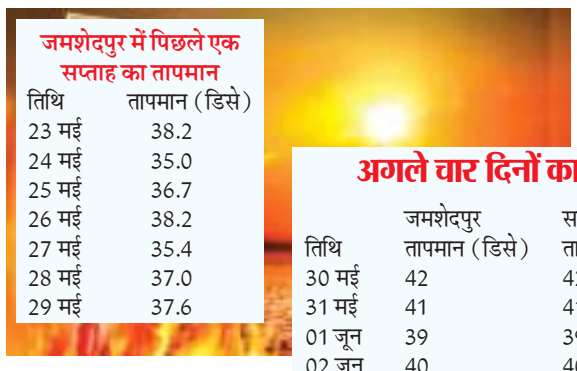

जमशेदपुर में पिछले एक सप्ताह का तापमान

तिथि	तापमान (डिसे)
23 मई	38.2
24 मई	35.0
25 मई	36.7
26 मई	38.2
27 मई	35.4
28 मई	37.0
29 मई	37.6

सरायकेला का तापमान सर्वाधिक 45.9 और पश्चिमी सिंहभूम में 45 डिग्री सेल्सियस रहा. सरायकेला में सामान्य से 3.7 और पश्चिमी सिंहभूम में 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया. जबकि बुधवार को राज्य भर में गढ़वा का तापमान सबसे अधिक 48.0 डिग्री सेल्सियस रहा.

मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक तपिश और लू से राहत की संभावना नहीं है. शहर में अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की संभावना है. हालांकि कुछ मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन-चार दिनों में तापमान

अगले चार दिनों का तापमान पूर्वानुमान

तिथि	जमशेदपुर तापमान (डिसे)	सरायकेला तापमान (डिसे)	पश्चिमी सिंहभूम तापमान (डिसे)
30 मई	42	42	43
31 मई	41	41	42
01 जून	39	39	41
02 जून	40	40	42

टहलने निकले बुजुर्ग की ऑटों की टक्कर से मौत

आदित्यपुर | बुधवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर टहलने निकले 80 वर्षीय बुजुर्ग को अज्ञात ऑटो ने टक्कर मार दी. घायल अवस्था में बुजुर्ग को एमजीएम अस्पताल ले जाया गया. जहां से चिकित्सकों ने टीएमएच रेफर कर दिया मगर रास्ते में ही बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया. बुजुर्ग का नाम प्रभात बोस है जो वार्ड 17 स्थित शिव काली मंदिर के पास के रहनेवाले थे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक सुबह सात बजे के आसपास मॉर्निंग वॉक पर निकले थे. इसी दौरान सरिता सिनेमा के समीप अज्ञात ऑटो की चपेट में आ गए. राहगीरों ने उन्हें एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. जहां ढूंढते हुए परिजन वहां पहुंचे तो चिकित्सकों ने टीएमएच ले जाने की सलाह दी. जबतक परिजन टीएमएच लेकर निकले बुजुर्ग ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया परिजन द्वारा एमजीएम अस्पताल के शीतगृह में शव को रखवा दिया गया है. गुरुवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

एमजीएमकर्मी युवती का इलाज के दौरान निधन

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

साकची स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में क्लर्क के पद पर कार्यरत पिंकी कुमारी की प्रातः 5:00 बजे टाटा मुख्य अस्पताल में मौत हो गयी.

अस्पताल में मौजूद पिंकी कुमारी की बड़ी बहन और उनके बहनोई ने बताया कि शनिवार को पिंकी को चुनाव ड्यूटी पर प्रतिनियुक्त किया गया था. साप्ताहिक छुट्टी रविवार की शाम करीब 7:15 बजे वह अपने मंगेतर के साथ समता नगर से डिमना चौक जा रही थी. एनएच 33 स्थित महिंद्रा शोरूम के समीप तीन ऑटो चालक आपस में रेसिंग लगा रहे थे. उसी में एक ऑटो से पिंकी की स्कूटी को धक्का लग गया. स्कूटी पिंकी के मंगेतर चला रहे थे. धक्का लगते ही पिंकी बीच सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गयी. आनन-फानन में मंगेतर ने उसे टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसकी स्थिति को चिंताजनक बताया. पिंकी के पिता की मानसिक हालत ठीक नहीं है.

भाजपा नेता विकास सिंह ने मृतका के आवास पर जाकर शोक संतप्त परिजनों को ढाढ़स बंधाया. विकास सिंह ने कहा कि चूंकि पिंकी एमजीएम अस्पताल में क्लर्क के पद पर कार्यरत थी, इसलिए उपायुक्त एवं एमजीएम अस्पताल प्रबंधन को मामले में हस्तक्षेप कर टाटा मुख्य अस्पताल में लगने वाले इलाज की राशि को माफ करवाते हुए टेंपो चालक पर कानूनी कार्रवाई करवानी चाहिए.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वार्ड सदस्य की मौत

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मुटुरखाम गांव के वार्ड नंबर तीन के सदस्य असित हांसदा (28) की अज्ञात वाहन के चपेट में आने से ही मौत हो गई. जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र के एनएच 18 पर नयाग्राम चौक के समीप मोटरसाइकिल सवार वार्ड सदस्य असित हांसदा को अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया.

इससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई. मृतक नहर में सुपरवाइजर का काम करता था. वह पिताजुड़ी से अपना काम समाप्त कर घर लौट रहा था. उधर मौके पर पुलिस पहुंची और लाश को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है.

बुलेट सवार पोटका के युवक की चांडिल में सड़क हादसे में मौत

संवाददाता | चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल थाना क्षेत्र के कपाली ओपी क्षेत्र स्थित पुडीसिली चौका के समीप हुई दुर्घटना में एक युवक की मृत्यु हो गई. कांदरबेड़ा-दोमुहानी सड़क पर पुडिसीली चौक के समीप बुलेट सवार युवक को तेज रफतार अज्ञात वाहन ने जोरदार धक्का मारकर फरार हो गया. दुर्घटना में बुलेट सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. पास स्थित कंपनी में काम कर रहे मजदूरों ने घायल युवक को बीच सड़क से हटाकर किनारे किया और कपाली पुलिस को इसकी जानकारी दी. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित किया.

इस संबंध में कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि मृतक युवक की पहचान पोटका के रहने वाले 29 वर्षीय सुशील कुमार सरदार के रूप में किया गया है. सुशील दुगनी स्थित ब्रिक्स इंडिया में काम करता था. वह किसी काम से इस रास्ते गुजर रहा था. जिसके क्रम में दुर्घटना घटी. उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है. पुलिस बुलेट सवार को धक्का मारने वाले वाहन का पता लगा रही है.

परेशानी बड़काकाना-टाटा पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने से किसानों को नुकसान

सब्जी हो रही बर्बाद, नहीं मिल रहा उचित दाम

संवाददाता | चांडिल

ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि प्रधान है, लेकिन यहां किसानों के लिए किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं है. चार प्रखंडों वाले इस विधानसभा क्षेत्र में खेतों में सिंचाई की कोई खास व्यवस्था नहीं है. इस क्षेत्र में करोड़ों रुपयों की लागत से हजारों परिवारों को विस्थापित कर दो विशालकाय डैम बनाए गए हैं. अगर सरकार चाह ले और जनप्रतिनिधि दृढ़इच्छा के साथ व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हों तो पूरे क्षेत्र के एक-एक खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जा सकता है. किसानों की पैदावार के लिए बाजार उपलब्ध कराया जा सकता है. किसानों की फसल सुरक्षित रखने के लिए प्रखंडवार कोल्ड स्टोर बनाए जा सकते हैं.

फिलहाल नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के किसान अपनी सब्जी की फसल बर्बाद होने के कारण परेशान हैं. किसान मजबूरन औने-पौने दाम पर अपने उत्पाद बेचने को मजबूर हैं. दरअसल चांडिल-मुरी रेलखंड पर चलने वाली बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर ट्रेन का परिचालन रद्द किया गया है. बरकाकाना-टाटानगर रेलवे लाइन पर निर्माण कार्य चलने के कारण 23, 26, 28 व 30 मई और 02, 06, 09, 11, 13 व 16 जून के लिए उक्त ट्रेन का परिचालन रद्द किया गया है. इसके कारण मुरी-चांडिल रेलखंड के बीच स्थित तिरूलडीह, लेटेमदा, हेंसालोंग और झिमरी रेलवे स्टेशन में किसानों के समक्ष भयंकर संकट उत्पन्न हो गया है. इस क्षेत्र के किसान अपनी पैदावार को बिक्री के लिए उक्त ट्रेन से ही जमशेदपुर ले जाते हैं. ट्रेन का परिचालन रद्द रहने के कारण किसान अपनी पैदावार बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं. ऐसे में सब्जी का उचित मूल्य नहीं मिलने से किसानों को आर्थिक हानि हो रही है.

क्षेत्र में किसानों के खेत से निकलने वाले लौकी, नेनुआ, भिंडी आदि सब्जियों के लिए अब बाजार नहीं मिल रहा है. किसान सब्जी बेचने के लिए संबंधित स्टेशन लाते हैं और औने-पौने दामों में बेचकर घर लौट जाते हैं. ट्रेन का परिचालन रद्द रहने के कारण किसानों के समक्ष उत्पन्न इस विकट स्थिति का लाभ व्यापारी उठा रहे हैं. बड़े वाहन लेकर व्यापारी गांवों में पहुंच रहे हैं और किसानों से कम मूल्य पर सब्जियां खरीद कर उसे शहर पहुंचा रहे हैं. उल्लेखनीय है कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह व कुकड़ प्रखंड क्षेत्र के लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि है. यहां कृषि के अलावा रोजगार का कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं है. किसानों को अपना पैदावार रखने के लिए क्षेत्र में कोल्ड स्टोर भी नहीं है, जहां किसान अपनी पैदावार रख सके.

बीएड प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी

जमशेदपुर | झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता प्ररीक्षा के परिणामों की घोषणा कर दी है.

परीक्षार्थी पर्षद की वेबसाईट http://jceceb.jharkhand.gov.in पर अपना रिजल्ट देखने सकते हैं. साथ ही अपना रिजल्ट डाउनलोड भी कर सकते हैं. राज्य में यह परीक्षा विगत 21 अप्रैल को हुई थी. पर्षद की ओर से परीक्षा के परिणामों को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए इस बार सभी परीक्षार्थियों के आंसर ओएमआर शीट को भी उक्त वेबसाईट पर अपलोड किया गया.

इस परीक्षा में करीब 54 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए हुए थे. हालांकि प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है, लेकिन पर्षद ने अभी एडमिशन के लिए काउंसेलिंग की तिथि की घोषणा नहीं की है.

इस संबंध में जेसीईसीईबी की ओर से से बताया गया है कि इसकी तिथि की घोषणा अगले महीने जारी की जायेगी. उसके आधार पर राज्य भर के बीएड कॉलेजों में एडमिशन आरंभ होगा.

चांडिल के रसुनिया गांव में वृद्धा की धारदार हथियार से हत्या

संवाददाता | चांडिल

खास बातें

- विवाहित बेटी के साथ घर में सोयी हुई थी वृद्धा
- हर बिंदु से हत्याकांड की जांच कर रही है पुलिस

चांडिल थाना क्षेत्र के रसुनिया गांव में मंगलवार की देर रात धारदार हथियार से वार कर एक वृद्धा की हत्या कर दी गई. हत्या किन कारणों से की गई इसका खुलासा अबतक नहीं हो सकता है. वैसे चांडिल थाना की पुलिस दावा कर रही है कि इस हत्याकांड का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा. इस संबंध में मिली जानकारी के अनसार रसुनिया की रहने वाली करीब 65 वर्षीय पार्वती सोरेन मंगलवार की रात अपने घर में विवाहित बेटी के साथ सोयी थी.

उसका बेटा विजय सोरेन पास के गांव में मेला देखने गया था. मेला देखकर जब विजय देर रात वापस घर लौटा तो देखा की उसकी मां खून से लथपथ मरी पड़ी है. उसके शरीर पर जख्म के निकान भी है. वहीं उसे उसकी बहन भी घर में नहीं मिली.

विजय ने इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी. देखते ही देखते लोग एकत्रित हुए और घटना की जानकारी चांडिल थाना की पुलिस को दी. सूचना मिलते ही चांडिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. सुबह पुलिस लाश का पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया. मामले का अनुसंधान करते हुए पुलिस मृतका की विवाहित बेटी से पूछताछ कर रही है. उसकी शादी चांडिल थाना क्षेत्र के चैनपुर में हुई है. हत्या के बाद सुबह वह अपने ससुराल में मिली. पूछताछ में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं. चांडिल थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के परिवार में किसी बात को लेकर विवाद भी चल रहा था. वैसे पुलिस मामला का हर एंगल से जांच कर रही है.जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा.

ब्रीफ खबर

जून में झारखंड में आठ दिन बंद रहेंगे बैंक

जमशेदपुर | मई महीना खत्म और जून महीना शुरू होने में दो दिन शेष हैं. इसे लेकर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने राष्ट्रीय स्तर पर बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है. जानकारी के मुताबिक जून माह में 10 दिन बैंकों के कामकाज नहीं होंगे. इस दौरान झारखंड में बैंकों में कुल 8 दिन की छुट्टियां रहेगी. झारखंड समेत हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, जम्मू कश्मीर और ओड़िशा में एक जून को बैंक बंद रहेंगे. 2, 9,16,23 और 30 जून को रविवार है. वहीं 8 और 22 जून को दूसरा और चौथा शनिवार होने के कारण छुट्टी रहेगी.

धीमा जहर परोस कर करोड़पति बन रहा शराब भट्ठी संचालक

चांडिल के जुगिलोंग गांव में बन रही अवैध महुआ शराब

संवाददाता | चांडिल

शराब चुलाई के लिए लगाया गया टेंट. (इनसेट) जमा गंदा पानी

- विभिन्न गांवों में हजारों लीटर अवैध शराब पहुंचायी जाती है
- अवैध शराब कारोबारियों को पुलिस का भी नहीं रहता खौफ

चांडिल अनुमंडल अंतर्गत नीमडीह थाना क्षेत्र के जुगिलोंग गांव की गलियां इन दिनों अवैध महुआ शराब की महक से मदहोश होने लगी है. बताया जाता है कि जुगिलौंग गांव में एक दर्जन से अधिक अवैध महुआ शराब की भट्ठियां संचालित हैं.

जुगीलोंग गांव में अवैध महुआ शराब चुलाई कुटीर उद्योग का रूप धारण कर चुका है. इस गांव से प्रतिदिन हजारों लीटर महुआ शराब नीमडीह, चांडिल व तिरूलडीह थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचाया जाता है. कम कीमत पर मिलने के कारण मजदूर एवं युवा वर्ग महुआ शराब की लत में जकड़ कर मौत को करीब बुला रहे हैं. जिसकी वजह से कई लोग अकाल मृत्यु के शिकार भी हो रहे हैं.

ग्रामीणों को धीमा जहर परोसकर शराब कारोबारी करोड़पति बन रहे हैं. अहले सुबह चार बजे से दिन के 11 बजे तक नीमडीह, चांडिल व तिरूलडीह थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मोटरसाइकिल से शराब पहुंचाया जाता है. अवैध शराब के कारण आए दिन गांव में अशांति भी फैलती है.

अवैध शराब कारोबारियों को पुलिस का तनिक भी खौफ नहीं है. बताया गया कि गांव के बाहर टेंट लगाकर शराब चुलाई को फैक्ट्री का रूप दिया गया है.

वहां रात में शराब चुलाई का काम किया जाता है. इससे जहां क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित हो रहा है, वहीं जावा खाने के लिए जंगली हाथी भी गांव की ओर रुख कर रहे हैं.

जानलेवा हमले की शिकायत लेकर थाना पहुंचा रामचंद्रपुर बस्ती का सबर परिवार

घाटशिला | घाटशिला थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर सबर बस्ती के सबर परिवार बुधवार को घाटशिला थाना पहुंचकर कराली महतो उर्फ मांगा महतो पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उसने थाना में शिकायत दर्ज कराई है.

मोना सबर ने बताया कि मंगलवार की रात मांगा महतो बड़ी सी छुरी लेकर रात में घर में प्रवेश कर गया और पत्नी से कहने लगा मोना कहां है. उसे देखते ही बड़ी छुरी से वार करने लगा. किसी तरह खुद को बचाने का प्रयास किया. इसके बावजूद छुरी से पैर कट गया है. उसने बताया कि पिछले कई वर्षों से सरकार द्वारा दी गई जमीन को कब्जा करने की नीयत से मांगा महतो अक्सर मारपीट करता है और जान से मारने की धमकी देता है. वह जमीन सरकारी है.

सरकार द्वारा हम सबर जाति को बसाने के लिए गांव में रामचंद्रपुर सबर बस्ती बनाया है. उस जमीन पर उसकी आंखें टिकी हुई है. इस संबंध में थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने कहा कि पहले मोना का इलाज कराया जाएगा. इसके बाद मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी. शिकायत करने वालों में सुहागी सबर, रामानी सबर, त्रिलोकी सबर, सावित्री सबर सहित अन्य शामिल थे.

तमिलनाडु लौट रहे बहरागोड़ा के श्रमिक की गालूडीह में मौत

जानकारी मिलने पर घाटशिला विधायक रामदास सोरेन पहुंचे मृतक के घर,परिवार के सदस्यों से जानकारी ली. (इनसेट) मृतक की फाइल फोटो.

संवाददाता | घाटशिला

जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान कर तमिलनाडु लौटने के क्रम में बहरागोड़ा के श्रमिक की बुधवार को गालूडीह बराज कॉलोनी में मौत हो गई. गालूडीह थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश ने बताया कि लोगों ने सूचना दी की एक व्यक्ति कॉलोनी के पास पेड़ के नीचे पड़ा हुआ है.

पुलिस मौके पर पहुंची और श्रमिक श्रीमत हांसदा को उठाकर घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल के चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया गया है. घटना की सूचना मिलने पर घाटशिला विधायक रामदास सोरेन अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर मृतक की पत्नी रानी हांसदा से घटना की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे.

रानी हांसदा ने बताया कि बहरागोड़ा प्रखंड के बड़सोल थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुर गांव के निवासी हैं. तमिलनाडु में किसी कपड़ा मिल में पति काम करते थे. शनिवार को मतदान करने के बाद रविवार को तमिलनाडु जा रहे थे. बलमगीर स्टेशन पर सिर में चक्कर आने से गिर गए थे. वहां जीआरपी ने अस्पताल में भर्ती कराया था. ठीक होने पर श्रीमत हांसदा ने बुधवार को भी ट्रेन से स्टेशन पर उतरने के बाद उन्होंने फोन किया था. इसके बाद से कोई अता-पता नहीं चला. पुलिस ने सूचना दी की श्रीमत का निधन हो गया है.

न्यूज अपडेट

हाई स्कूल की 8वीं बोर्ड का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा

गुड़ाबांदा | मंगलवार को जैक द्वारा 8वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट निकला. जैक बोर्ड द्वारा आयोजित 8वीं की परीक्षा में इस बार गुड़ाबांदा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय गुड़ाबांदा से 35 परीक्षार्थी शामिल हुए थे. इनमें से 4 ए प्लस ग्रेड, 26 ए ग्रेड एवं 5 बी ग्रेड से उत्तीर्ण हुए हैं. सुप्रिया मंडल, प्रियंका मुंडा, सुभद्रा गिरि व दमयंती मुंडा ए प्लस ग्रेड से उत्तीर्ण हुए. इस वर्ष विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा. रिजल्ट से विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने खुशी जाहिर की है, शिक्षकों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं की उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

प्लास्टिक संग्रह केंद्र का नहीं हो रहा है उपयोग

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बनकाटा पंचायत अंतर्गत बेन्दा गांव में नवनिर्मित प्लास्टिक संग्रह केन्द्र छह महीनों से भी अधिक समय से बनकर तैयार है. यह प्लास्टिक संग्रह केन्द्र स्वच्छ भारत मिशन के तहत बेंदा गांव में बनाया गया था. यह अभी केवल एक दर्शन की वस्तु बनकर रह गया है. केंद्र ग्रामीणों के लिए अपने घरों में उपयोग होने के पश्चात कूड़े के तौर पर निकलने वाले अवांछनीय प्लास्टिक को फेंकने के लिए बनाया गया था, लेकिन केंद्र में ताला लटकने के कारण ग्रामीण इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं. लोग अभी प्लास्टिक को इधर-उधर फेंक दिया करते हैं, जिससे आमजनों को भी काफी परेशानी हो रही है.

विवेकानंद स्कूल में ड्रामा समर कैंप का आयोजन

जमशेदपुर | मानगो स्थित विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को एकदिवसीय ड्रामा समर स्पेशल कैंप का आयोजन किया गया. ड्रामा में रूचि रखने वाले विद्यालय के आठवीं, नौवीं और 10वीं क्लास के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. कैंप में केवल विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल के ही छात्र-छात्राओ ने हिस्सा लिया. यह आयोजन स्कूल के शिक्षक मो शाहनवाज की पहल पर विद्यालय प्रधानाध्यापक डॉ निधि श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में किया गया. कैंप में बतौर प्रशिक्षक गीता थिएटर के प्रेम दीक्षित, गीता कुमारी एवं समीर नंन्दन शामिल हुए. उन्होंने छात्र-छात्राओ के बीच अपने अनुभव साझा करते हुए गतिविधियों का संचालन किया.

शोकाकुल परिवार से मिले विधायक समीर मोहंती

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बहुलिया पंचायत अंतर्गत गधा गांव में स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती ने गांव के दो शोकाकुल परिवार से मिले जिसमें झामुमो युवा कार्यकर्ता शंकर सिंह माताजी का आकस्मिक निधन हो गया था.साथ ही दूसरी ओर उसी गांव के ही मेनका खामराई के पति का भी आकस्मिक निधन हो गया था.वहीं इन दोनों के श्राद्धकर्म में विधायक उपस्थित होकर शोकाकुल परिवार के लोगों से मिलकर सांत्वना तथा दुःख प्रकट किया.इस मौके पर झामुमो नेता बिशु ओझा,सुभाष दलाई, स्वपन सिंह, अनंत भक्त,राबिन दलाई,दीपक दलाई,मिथुन कर,शिशिर दास,बिस्वजीत भोल आदि उपस्थित थे.

तीन दिन से मोटर खराब, पेयजल संकट गहराया

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पाटपुर पंचायत अंतर्गत ग्रामीण जलापूर्ति योजना तीन दिनों से बंद है. जलापूर्ति योजना के बंद होने से शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में पानी के लिए उपभोक्ताओं मं हाहाकार मचा हुआ है. जानकारी के अनुसार मोटर खराब होने से इस योजना के अंतर्गत लगभग 1200 उपभोक्ता पेयजल संकट से परेशान हैं. वहीं एक ओर प्रचंड गर्मी तो दूसरी ओर पेयजल के लिए लोग परेशान हैं. लोगों का कहना है कि आए दिन ग्रामीण जलापूर्ति योजना का मोटर खराब हो जाता है. इसके कारण लोगों को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है. सुबह से शाम तक लोगों को पानी की काफी आवश्यकता होती है.

मानगो में 38 पुडिया ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

जमशेदपुर | जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत मछली बाजार के पास छापेमारी कर पुलिस ने 38 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में उलीडीह शंकोसाई निवासी जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, दाईगुटु निवासी विजय गोराई और मानगो पंजाबी लाइन निवासी राहुल तंतुबाई शामिल है. मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी हेडक्वार्टर 1 भोला प्रसाद सिंह ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कुछ युवक ब्राउन शुगर की बिक्री कर रहे है. सूचना पाकर पुलिस ने छापेमारी की और तीनो युवकों को पकड़ लिया. तलाशी के दौरान जितेंद्र के पास से 20 पुड़िया, विजय के पास से 10 और राहुल के पास से 8 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया. इसके अलावा 3190 रुपए नकद और तीन मोबाइल भी जब्त किए गए है. फिलहाल तीनों को जेल भेज दिया गया है.

केंद्रीय विद्यालय संगठन का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

जमशेदपुर । केंद्रीय विद्यालय संगठन रांची संभाग का तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन बुधवार को संपन्न हुआ. जमशेदपुर स्थित एक रिसॉर्ट में आयोजित इस सम्मेलन में रांची संभाग के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के प्राचार्य शामिल हुए. सम्मेलन का उद्देश्य शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, प्रशासनिक चुनौतियों का समाधान और नवीन शिक्षण विधियों पर विचार-विमर्श था. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संगठन की आयुक्त निधि पांडे ने केन्द्रीय विद्यालय के मूल्यों पर काम करते हुए लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीकों पर बल दिया. उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में दुनिया तेजी से बदल रही है. इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी नई चुनौतियां और अवसर सामने आ रहे हैं. डिजिटल लर्निंग का महत्व बढ़ रहा है और हमें अपने शिक्षण पद्धतियों में नवीनतम तकनीकों का समावेश करना होगा.

ब्रीफ खबरें

बहरागोड़ा के जयपुरा गांव में धूमधाम से मना गाजन उत्सव

बहरागोड़ा | बहरागोड़ा प्रखंड के पारुलिया व जयपुरा गांव में गाजन उत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस दौरान दोनों गांव में पांच दिवसीय गाजन पर्व का बुधवार को समापन हो गया. बुधवार दोपहर को भक्ताओं ने गांव के माझना तालाब में नहाने के बाद पुजारी शिव नारायण महापात्र द्वारा पूजा अर्चना की गई. साथ ही तालाब से मंदिर प्रांगण तक गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई. इसमें शिव भक्तों ने जीभ में कील घोंप कर, कमर में रड घुसाकर व नंगे पांव अंगारों पर चलकर शिव के प्रति अपना आस्था दिखाई. इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन भी किया गया है.

छौड़िया बूथ पर वोट नहीं होना विरोधियों का षड्यंत्र

घाटशिला | धालभूमगढ़ प्रखंड के छौड़िया 154 नंबर बूथ पर वोट बहिष्कार के बाद सिर्फ एक मतदाता ने मतदान किया था. इस मामले को विधायक रामदास सोरेन ने संज्ञान में लिया है. विधायक ने छौड़िया बूथ कमेटी के सदस्य कमल मंडल को बुधवार को निर्देश दिया कि वे छौड़िया बूथ कमेटी के सभी सदस्यों को लेकर गुरुवार को घाटशिला पहुंचे. घाटशिला में बूथ सदस्यों के साथ इस पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी. छौड़िया बूथ झामुमो का वोट बैंक है. उन्हें आशंका है कि इस बूथ पर मतदान नहीं होना विरोधियों का राजनीतिक षड्यंत्र है.

बिरसानगर में भारतीय जनतंत्र मोर्चा की बैठक

जमशेदपुर | जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के निर्देश पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा (भाजमो) बिरसानगर पश्चिमी मंडल में मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को बैठक हुई. बैठक में पार्टी की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मंजू सिंह ने बताया कि मंडल के सभी कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाना है और विकास कार्यों की समीक्षा करनी है. जो भी विकास कार्य अधूरे हैं, उसकी सूची बनानी है. बैठक में संगठन के विस्तार के संबंध में और अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई. मंडल के महामंत्री प्रेम रंजन घोष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया.

भाजमो कार्यकर्ता करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

जमशेदपुर | भारतीय जनतंत्र मोर्चा (भाजमो) बिरसानगर पूर्वी मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष शंकर कर्मकार की अध्यक्षता में बुधवार को बिरसानगर स्थित संडे मार्केट स्थित मैदान में हुई. बैठक में बिरसानगर पूर्वी क्षेत्र में पिछले 4 वर्षों में विधायक सरयू राय की अनुशंसा से हुए विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी. इसके लिए कार्यकर्ता 30 मई से 3 जून तक क्षेत्र का भ्रमण कर विकास कार्यों का जायजा लेंगे. तय हुआ कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय नागरिकों से उनके क्षेत्र के विकास कार्यों के संबंध में वार्ता की जाएगी.

तीन महीने में ही घर-घर नल-जल योजना फ्लॉप

पोटका के बलियागोड़ा गांव के 26 आदिवासी परिवार दूसरे के कुआं से बुझाते हैं प्यास

संवाददाता | जादूगोड़ा

कुआं से पानी लेकर आती महिलाएं. (इनसेट) बंद पड़ा जलमीनार व बंद नल.

पोटका में सौर ऊर्जा आधारित एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी है. इस वजह से यहां घर-घर, नल-जल योजना क्षेत्र में दम तोड़ती नजर आ रही है. मामला पोटका प्रखंड अंतर्गत ग्वालकाटा पंचायत के बलियागोडा गांव के माझी टोला का है. जहां इस भीषण गर्मी में 26 आदिवासी परिवार पानी की एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं और ग्रामीण फिलहाल स्थानीय निवासी सहदेव हेंब्रम के घर के कुआं से अपनी प्यास बुझा रहे हैं. कई ग्रामीण नदी में गड्ढा खोदकर झरना से पानी लाते हैं, जिसके भरोसे उनकी पानी की जरूरत पूरी हो रही है.

पोटका प्रखंड कार्यालय से करीब 35 किलो मीटर दूर एक गांव है बलियागोड़ा. तीन माह पूर्व इस गांव में पहली बार सौर ऊर्जा आधारित एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना आदित्यपुर प्रमंडल से लाखों रुपए की लागत से घर घर नल जल योजना के तहत जलापूर्ति की शुरुआत की गयी थी. ग्रामीणों में इस बात की खुशी थी कि अब उन्हें पानी के लिया भटकना नही पड़ेगा. ग्रामीण बताते हैं कि भ्रष्टाचार की वजह से इस जल मीनार ने तीन महीने में ही दम तोड़ दिया. अब इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है. यह पहला मामला नहीं है. इसी तरह की शिकायत बलियागोडा के हो टोला में भी देखने को मिली है, जहां सोलर जलमीनार खराब पड़ा हुआ है. अब स्थिति यह है कि ग्रामीणों के लिए यह जलमीनार शोभा की वस्तु बनकर रह गया है. गांव के कारू सोरेन, ठाकुर मार्डी व उदय मार्डी ने तीन महीने में ही दम तोड़ चुकी इस योजना की जॉच की मांग उठाई है, ताकि ग्रामीणों की नल जल योजना के तहत पानी की आपूर्ति हो सके. साथ ही योजना में व्याप्त भ्रष्टाचार का खुलासा हो सके.

गाहनडीह के ग्रामीणों ने पेश की मानवता की मिसाल

घाटशिला | कशीदा पंचायत के गाहनडीह गांव के ग्रामीण एवं घाटशिला थाना पुलिस ने बुधवार को मवेशियों के प्रति मानवता की मिसाल पेश की है.

बिहार के आरा से कोलकाता एक ट्रक में लादकर 11 दुधारू गाय एवं चार बछड़े ले जाया जा रहा था. ट्रक का गैस पाइप अचानक गहनडीह गांव के पास फट जाने के कारण व्यापारी तथा चालक ट्रक तथा मवेशियों को छोड़कर भाग गया. प्रचंड गर्मी में ग्रामीणों की निगाह तड़पते मवेशियों पर पड़ी तो ग्रामीणों ने घाटशिला थाना को सूचना दी. सूचना पर थाना प्रभारी मधुसूदन दे पुलिस पदाधिकारी एवं जवान को लेकर गाहनडीह गांव पहुंचकर मवेशियों की स्थिति देखी. ग्रामीणों ने मवेशियों को ट्रक से किसी तरह बैलगाड़ी लगाकर एक-एक मवेशियों को काफी मजाकत के बाद नीचे उतारा. तत्काल पानी तथा चारा की व्यवस्था की. इस क्रम में एक बछड़े की भी मौत हो गई.

थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक पर लिखा मोबाइल नंबर से संपर्क कर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को थाना भेजना को कहा गया है. वास्तविक मालिक नहीं आने पर मजबूरन चाकुलिया के गौशाला से संपर्क कर मवेशियों को भेजने की भी व्यवस्था की जाएगी.

नीमडीह के रोहिण मेला में देर रात तक झूमते रहे श्रद्धालु

संवाददाता | चांडिल

नीमडीह प्रखंड अंतर्गत लाकड़ी के ऐतिहासिक प्राचीन रोहिण मेला में मंगलवार की रात आस्था का सैलाब उमड़ा. देर रात तक लोग मेला में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल रहे. दो दिवसीय मेला के पहले दिन सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना किया गया. वहीं रात में श्रद्धालुओं के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त दो दलों के बीच मानभूम शैली का छऊ नृत्य आयोजित किया गया. प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले रोहिण मेला में दूर-दराज से लोग शामिल होते हैं. निश्चित तिथि पर होने के कारण इसके लिए प्रचार भी नहीं करना पड़ता है.

मेला के दूसरे दिन मंगलवार को सुबह से भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे थे. पूजा-अर्चना के बाद दोपहर के वक्त झारखंड के प्राचीन पारंपरिक संताली पांता नाच व शाम से देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे. रोहिण मेला के दूसरे दिन आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो शामिल हुए. उन्होंने शिव मंदिर में पूजा-अर्चनाकर क्षेत्र की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की.

आवासीय जमीन पर बन रहा व्यावसायिक भवन

आदित्यपुर के वार्ड-17 के बाद 29 में भी चल रहा अवैध निर्माण

संवाददाता | आदित्यपुर

आदित्यपुर में इन दिनों आवास बोर्ड के पुराने आवास को तोड़कर कॉमर्शियल भवन निर्माण का सिलसिला बदस्तूर जारी है. पिछले दिनों ऐसा ही एक मामला वार्ड 17 में एचआईजी 251 में बने 3 मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग निर्माण का प्रकाश में आया था. अब एक नया मामला वार्ड 29 में प्रकाश में आया है. यहां आवासीय प्लॉट पर तीन मंजिला कॉमर्शियल भवन का निर्माण युद्धस्तर पर जारी है.

आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 29 में रोड नंबर- 6 में मुख्य सड़क से सटे आवास बोर्ड के पुराने निर्माण को तोड़कर कॉमर्शियल भवन का निर्माण कार्य खुलेआम हो रहा है. इसपर न तो विभाग की नजर है न नगर निगम प्रशासन की. यह निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है. वैसे आवास बोर्ड की मिलीभगत के बगैर ऐसा संभव नहीं है. अमूमन आवास बोर्ड का काम ऐसे अवैध निर्माण पर रोक लगाना है, मगर उक्त निर्माण कार्य पर विभाग की चुप्पी कई सवालों को जन्म दे रही है. तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि यहां दुकानों का निर्माण हो रहा है. यह भूखंड आवास के लिए अलॉट है. आदित्यपुर में आवास बोर्ड के कर्मचारियों की मिलीभगत से उनके बोर्ड की मूल आकृति के भवन को तोड़ कर नए सिरे से कॉमर्शियल भवन बनाया जा रहा है. आवास बोर्ड के फ्लैट को बेतरतीब ढंग से नया कंस्ट्रक्शन कराने का सिलसिला जारी है.

कोल्हान विश्वविद्यालय भगवान भरोसे चल रहा है गैर शैक्षणिक कार्य, 90% से अधिक पद खाली

थर्ड ग्रेड कर्मचारियों की कमी से पठन-पाठन भी प्रभावित

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

कोल्हान विश्वविद्यालय एवं इसके अधिनस्थ अंगीभूत कालेजों में साल-दर-साल छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन शिक्षकेतर कर्मचारियों की संख्या दिनों दिन घटती जा रही है. इससे विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों में कामकाज प्रभावित हो रहा है. साथ ही शिक्षक शिक्षिकाओं को गैर शैक्षणिक कार्य भी करने पड़ रहे हैं. फलस्वरूप कॉलेजों में पठन-पाठन भी प्रभावित हो रहा है. ऐसे में नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूरा करने को लेकर विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों की चिंता बढ़ गई है.

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि तृतीय वर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है. वहीं चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की बहाली आउटसोर्सिंग से होनी है, अतः इसके लिए फंड की आवश्यकता है. एजेंसी के लिए आगामी छह जून के बाद निविदा आमंत्रित की जायेगी.

विश्वविद्यालय में तृतीय वर्गीय कर्मचारियों के स्वीकृत पदों की संख्या सैकड़ों में है. जबकि कार्यरत कर्मचारियों की संख्या महज दो अंकों में सिमट कर रह गई है. पैसे में विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों में गैर शैक्षणिक कार्य भगवान भरोसे ही चल रहे हैं. गिनती भर शिक्षकेतर कर्मचारी यथासंभव कार्यों का निपटारा करते हैं. यहां तक कि शिक्षकों को भी कई गैर शैक्षणिक कार्य निपटाने पड़ते हैं. इसके अलावा कई कॉलेजों में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी भी तृतीय वर्गीय कर्मचारियों का कामकाज देख रहे हैं. सरकार से बार-बार मांग करने के बावजूद अब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है. हालांकि विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृत पदों पर तृतीय वर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए सरकार के पास प्रस्ताव भेजा गया है.

तृतीय वर्गीय कर्मचारियों की ही तरह चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के भी स्वीकृत पदों की संख्या सैकड़ों में है, लेकिन कार्यरत कर्मचारियों की संख्या दो अंकों में है. चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की बहाली आउटसोर्सिंग के आधार पर की जाती है. कर्मचारियों की कमी की वजह से विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की भी बहाली नहीं हो पा रही है. इस वजह से चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों का कामकाज भी विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों में जैसे तैसे ही चल रहा है.

स्वीकृत और रिक्त पदों की संख्या

थर्ड ग्रेड		
स्वीकृत	:	615
कार्यरत	:	48
रिक्त	:	567
फोर्थ ग्रेड		
स्वीकृत	:	566
कार्यरत	:	95
रिक्त	:	471

खास बातें

- थर्ड ग्रेड की नियुक्ति के लिए भेजा गया है प्रस्ताव
- फोर्थ ग्रेड की आउटसोर्सिंग की निविदा 6 जून के बाद

ब्रीफ खबरें

जंगल व पेड़-पौधों को बचाना होगा: ललन उरांव

चक्रधरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर वन विभाग की ओर से जगह-जगह जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसे लेकर सोंगरा वन प्रक्षेत्र के तत्वावधान में बुधवार को चक्रधरपुर के वन विश्रामागार में पौधरोपण किया गया. जहां छायादार पौधा लगाकर लोगों को पेड़-पौधों का महत्व बताते हुए जागरुक किया गया. इस मौके पर मुख्य रुप से मौजूद सोंगरा वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी ललन उरांव ने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण को बचाने के लिए हमें जंगल व पेड़-पौधों को बचाना होगा. उन्होंने कहा कि बेहतर पर्यावरण में ही सुखद जीवन प्राप्त कर सकते हैं.

युवती से दुष्कर्म के आरोप में दो धराये

धुरकी। युवती से जबरन दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. मामला धुरकी थाना क्षेत्र का है. इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता के लिखित आवेदन के आधार पर कार्रवाईकी गई है. आरोपीअंशु कुमार व अंगद गुप्ता को पुलिस ने 48 घंटे के अंदर मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया है. वहीं युवती को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया.

सैतवा वन क्षेत्र के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

चाईबासा। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के श्रृंखला वार कार्यक्रम के तहत बुधवार को कोल्हान वन प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देशानुसार सैतवा वन क्षेत्र के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. गुलकेरा गांव में लोगों को जंगल के अवैध गतिविधि जैसे पातन, शिकार, अतिक्रमण, जंगल की आग रोकथाम के संबंध में जानकारी दिया गया. उससे होने वाले लाभ और उसकी जरुरतों को समझाया गया. पर्यावरण को बचाए रखने के लिए प्रेरित किया गया. अंत मे शपथ दिलाकर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया.

ढोंढा बांध में डूबने से दो बच्चों की हुई मौत

सेन्हा-लोहरदगा। उगरा मेढ़ो सीमावर्ती क्षेत्र स्थित प्राकृतिक ढोंढा में निर्मित कच्चा बांध में नहाने के दौरान डूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी है. डूबने की सूचना पर प्रखंड प्रशासन व पुलिस प्रशासन घटना स्थल पहुंच घटना का लिया जायजा. लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र के उगरा मेढो सीमावर्ती क्षेत्र के मेढो स्कूल से पश्चिम में प्राकृतिक ढोंढा में निर्मित कच्चा बांध में नहाने के दौरान डबने से दोनों बच्चों की मौत हो गयी. बताया जाता है कि दोनों बच्चे मवेशी चराने आये थे. जहां और भी छोटे छोटे बच्चे उपस्थित थे.

हैकर ने मिनटों में उड़ा लिए अकाउंट से पचास हजार

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र में ऑनलाइन फ्रॉड का एक मामला प्रकाश में आया है. दरअसल चंदवा थाना क्षेत्र के जमीरा गांव के संदीप उरांव पिता लेदु उरांव के मोबाइल फोन पर एक पीडीएफ मैसेज आया था. उसे देखने के लिए उसने मोबाइल के स्क्रीन पर टच किया, पीडीएफ नहीं खुला और स्क्रीन पर गोल आकृति बन घूमती रही. उसने बताया कि इसी बीच उसके फोन पर बैंक खाता से पचास हजार रुपए के निकासी कर लिए जाने का कई मैसेज थोड़ी-थोड़ी देर में आते रहा. उसने घटना की सूचना अपने यूनियन बैंक के प्रबंधक को दिया है.

सेल प्रबंधन ने मेडिकल रेफरल के लिए मेडरेफ मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया है

सभी सेलकर्मियों को मिलनी चाहिए सुविधा : अफताब

संवाददाता। किरीबुरु

सेल प्रबंधन मेडिकल रेफरल के लिए मेडरेफ मोबाइल एप्लिकेशन की शुरुआत की है. यह सराहनीय कदम है. यह सुविधा सेल के खदानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को दिया जाना चाहिये.

यह मांग झारखंड मजदूर संघर्ष संघ, मेघाहातुबुरु के महासचिव अफताब आलम ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, सेल के अध्यक्ष, सेल, बीएसएल के प्रभारी निदेशक, निदेशक (प्रशासनिक, जेजीओएम, सेल), कार्यपालक निदेशक एवं सीजीएम मेघाहातुबुरु से की है. आफताब आलम ने सेल प्रबंधन को

मजदूर संघ महासचिव, अफताब आलम

भेजे पत्र में कहा कि हमारा संघ सीएंडआईटी, सेल कॉरपोरेट कार्यालय को धन्यवाद देता है, जो मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से मेडिकल रेफरल के लिए मेडरेफ की शुरुआत कर रहा है. यह उपचार के

मेडिकल रेफरल

- उपचार के क्षेत्र में सेल परिवार के लिए उपयोगी है
- सेल ईकाई के कर्मचारी उचित उपचार नहीं ले पाते हैं

क्षेत्र में सेल परिवार के लिए बहुत उपयोगी है. इसका उपयोग अब केवल कॉरपोरेट कार्यालय में सेल के ऑन रोल कर्मचारियों द्वारा किया जाता है. हमारा संघ अनुरोध करता है और मांग करता है कि इसे पूरे सेल इकाई में शुरू किया जाना चाहिए. जहां डॉक्टरों की कमी है और सेल इकाई के कर्मचारी अपने क्षेत्रों में उचित उपचार नहीं ले पाते हैं, खासकर खदान क्षेत्र में.

उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपचार कवरेज को पूरा करने के लिए, यह सेल के प्रशिक्षुओं सहित सभी नियमित कर्मचारियों (कार्यकारी गैर-कार्यकारी) के लिए परिपत्र संख्या पीईआर/आईटीबी और मेड/एमएटीआर/2023 दिनांक 23 मार्च 2023 के अनुसार उपस्थिति और उपचार नियम के माध्यम से लागू है. यह सेल के कर्मचारियों को स्वयं और परिवार के अलावा कर्मचारियों की तैनाती के स्थान से दूर अध्ययन कर रहे आश्रित बच्चों के लिए भी मुफ्त चिकित्सा उपचार का अधिकार देता है. चिकित्सा उपस्थिति और उपचार नियम के खंड 4.1.1 के तहत कंपनी के अस्पताल या सूचीबद्ध अस्पताल के बाहर उपचार भी पूरा हो जाएगा और सेल के कर्मचारी (कार्यकारी और गैर-कार्यकारी दोनों) इस मेडरेफ मोबाइल एप द्वारा बेहतर उपचार प्राप्त करेंगे. सेल के शहरी और कस्बाई इलाकों में काम करने वाले कर्मचारियों को खदानों की तुलना में बेहतर इलाज और अस्पताल की सुविधा मिल रही है, क्योंकि शहर और कस्बाई इलाकों में कई बेहतरीन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (सरकारी और निजी दोनों) हैं. हालांकि सेल अस्पताल को रेफरल के लिए पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन समय पर नहीं मिल पाता है.

मागुरदा गांव में गहराया जलसंकट, ग्रामीण परेशान

संवाददाता। चक्रधरपुर

भीषण गर्मी में चक्रधरपुर प्रखंड की हतनातोड़ांग पंचायत के मागुरदा गांव में स्थानीय ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं. समस्या को लेकर विभाग के प्रति ग्रामीणों में व्याप्त नाराजगी है. गांव में लगा सोलर जलमीनार व चापाकल पिछले चार महीने से खराब है.

जिसे लेकर पीने के पानी के लिए लोगों को लंबी दूरी तय कर दूसरे गांव में जाना पड़ता है. स्थानीय ग्रामीणों इसकी जानकारी पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई को दी. सूचना मिलने पर समाजसेवी गागराई गांव पहुंचे और पानी की समस्या से अवगत हुये. ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी में गांव के तालाब व नाला पूरी तरह सूख चुका है. वहीं पीने के साफ पानी के लिए स्थानीय ग्रामीणों को मशक्कत करना पड़ रहा है. गांव के सुरेन्द्र बोदरा के घर के समीप लगा चापाकल व सोलर जलमीनार खराब पड़ा है. स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं. वहीं विभाग भी इस ओर मौन है. इस कारण ग्रामीण परेशान है. गागराई ने कहा कि जल्द से जल्द खराब पड़े चापाकल व सोलर जलमीनार को ठीक कराया जाएगा, ताकि पानी के लिए ग्रामीणों को भटकना न पड़े. इसके बाद गागराई गांव के मुंडा व ग्रामीणों के हस्ताक्षरयुक्त पत्र लेकर सीधे चक्रधरपुर के पेयजल विभाग कार्यालय पहुंचे. जहां पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रभु दयाल मुंडा से मिलकर सारी बातें बताईं.

यह सवाल सबकी जिंदगी से जुड़ा है, जवाब किसी के पास नहीं है

सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान क्या बंद होनेवाली है!

संवाददाता। किरीबुरु

महारत्न कंपनी का ताज पहने सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान बंद होने वाली है! इस खदान के सेलकर्मियों को क्या दूसरे खदानों में स्थानान्तरित किया जायेगा! या दोनों खदानों में काम करने वाले लगभग डेढ़-दो हजार ठेका मजदूर बेरोजगार हो जायेंगे! ऐसी तमाम सवालें किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं आसपास के लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. यह सवाल सबकी जिंदगी से जुड़ा है. जबाब किसी के पास नहीं है. लोगों को नहीं मिल पा रहा है.

उल्लेखनीय है कि सेल के किरीबुरु-मेघाहातुबुरु की साउथ एवं सेंट्रल ब्लॉक का लीज से संबंधित फारेस्ट क्लियरेंस को अब तक स्वीकृत नहीं मिला है. इस कारण दोनों खदानों का अस्तित्व खतरे में पड़ा हुआ है. अब खबर आयी है कि मेघाहातुबुरु खदान में खनन हेतु लौह अयस्क बचा ही नहीं है.

खदान के विभिन्न हिस्सों से लो ग्रेड का अयस्क उठाकर काफी कम मात्रा में सेल की स्टील प्लांटों में भेजा जा रहा है. यही हाल सेल की किरीबुरु खदान का भी है. हालांकि किरीबुरु खादान में अभी कुछ सालों के लिए लौह अयस्क बचा हुआ है, लेकिन इससे अधिक दिन काम चलना मुश्किल है.

सेल की मेघाहातुबुरु खदान.

दोनों खदानों के लीज का मामला एक दशक से लटका है

दोनों खदानों का लीज का मामला करीब आठ-दस सालों से लटका हुआ है. इसकी वजह वन्यजीव संरक्षण प्लान से जुड़ी योजना है. प्लान सारंडा जंगल में निवास करने वाले वन्यप्राणियों की सुरक्षा व संरक्षण से संबंधित है. सेल की मेघाहातुबुरु माइंस से जुड़े आधिकारिक सूत्इर ने बताया कि इस खदान का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य चार मिलियन टन से घटाकर 2.5 मिलिनयन टन कर दिया गया है. यहां काम अधिक नहीं होने की वजह से मेघाहातुबुरु खदान से 100-100 टन क्षमता का दो हौलपैक डंपर को किरीबुरु खदान में भेजा जा रहा है. दूसरी तरफ सेल की मनोहरपुर लौह अयस्क खदान (चिड़िया खदान) जहां लौह अयस्क का भंडार सबसे अधिक है का अस्तित्व भी खतरे में है. इस खदान के विस्तारीकरण की स्वीकृति नहीं मिलने अर्थात यह खदान भी बंद होने के कगार पर है.

मेघाहातुबुरु खदान की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण: संघ

हमने मजदूरों के संगठनों से बात की. झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के महासचिव अफताब आलम एवं एटक, मेघाहातुबुरु के सचिव गुंजन कुमार ने कहा कि मेघाहातुबुरु खदान की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है. इसके लिये झारखंड व केन्द्र सरकार जिम्मेदार है. कहा कि सेल को खत्म कर प्राईवेट को देने की गहरी साजिश चल रही है. हमारे सांसद व विधायक इस मामले में गंभीर नहीं हैं. तमाम जनप्रतिनिधिओं व सारंडा के ग्रामीणों को संयुक्त रुप से आगे आकर सेल की तमाम खदानों का लीज संबंधित मामले का समाधान हेतु लड़ाई लड़ने की जरूरत है. ऐसे लोग सिर्फ खदान में नौकरी की मांग के लिए लड़ाई लड़ते हैं.

लीज मामला

- सेलकर्मियों को क्या दूसरी खदानों में स्थानान्तरित किया जाएगा
- साउथ एवं सेंट्रल ब्लॉक का लीज फारेस्ट क्लियरेंस नहीं हो सका

दो हजार ठेका मजदूरों के सामने अब संकट

इन सबके बीच असल सवाल सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान में काम करने वाले करीब दो हजार ठेका मजदूरों की जिंदगी का है. वहां चिड़ियां खादाना में 400-500 ठेका मजदूर काम करते हैं. सभी ठेका मजदूर सारंडा जंगल के गांवों के ही हैं. अगर यह खदान बंद हुई तो इन मजदूरों व उनके परिवार के सदस्यों का क्या होगा. इन मजदूरों को होने वाले आय की वजह से स्थानीय बाजार चलते हैं, उनका क्या होगा. लोगों के सामने भूखमरी की समस्या पैदा होने लगेगी. शहर व गांवों से पलायन शुरु होगा. जब पैसा खर्च करने वाले नहीं होंगे तो सारंडा के किसानों व ग्रामीणों का कृषि व वनोत्पाद को हाट-बाजार में कौन खरीदेगा. सारंडा के मरीजों का मुफ्त चिकित्सा सुविधा सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु, गुआ, चिड़िया खदानें उपलब्ध कराती है.

टाटा कॉलेज एल्यूमिनी एसोसिएशन की हुई बैठक

सभी कॉलेजों के शैक्षणिक सत्र में हो सुधार: डॉ. रणजीत प्रसाद

संवाददाता। चाईबासा

टाटा कॉलेज चाईबासा के पूर्ववर्ती छात्र संघ ने बुधवार को एल्यूमिनी एसोसिएशन कार्यालय में बैठक की. बैठक में महाविद्यालय के शैक्षिक समस्याओं से संबंधित 18 से 19 बिंदुओं पर गहन परिचर्चा हुई. मासिक बैठक में एल्यूमिनी एसोसिएशन के सात शासी निकाय सदस्य एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित थे.

कोल्हान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट मेंबर डॉ. रणजीत प्रसाद की अध्यक्षता में यह बैठक संपन्न हुई. जिसमें कमान्डेन्ट पीके जारिका, अधिवक्ता एमकेआरपी जोंको, बाल किशोर बिरसा सिंकु, चैतन्य कुंकल, मानकी राय कुंकल शामिल हुए. इस दौरान शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ. सभी

बैठक के बाद पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं ने फोटो सेशन कराया.

कॉलेजों का शैक्षणिक सत्र लगभग एक साल देरी से चल रहा, इस पर सुधार किया जाने का निर्णय लिया गया. कक्षा के व्याख्यान पाठ्यक्रम के अनुसार पूरे नहीं किए जाते हैं और स्व-अध्ययन के आधार पर परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जो छात्रों के लिए एक स्वस्थ अभ्यास नहीं है. कॉलेज की लाइब्रेरी में छात्रों की संख्या के हिसाब से किताबों की कमी को दूर किया जाये. मौके पर आजीवन सक्रिय सदस्य मनजीत बोयपाई, शीतल ज्योत्सना पूर्ति, प्रियंका पिंगुवा, जनकी सिंकु, तुराम बिरुवा, महोमी रॉय व रघुनाथ वीर बिरुवा मौजूद थे.

बैठक में कई मुद्दों को उठाया गया. कहा कि क्षेत्रीय भाषा हो की किताबें न तो लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं और न ही बाजार में.

सेरसा चक्रधरपुर ने मिश्रीलाल जैन ग्रुप को किया पराजित

संवाददाता। चाईबासा

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर संस्थानिक लीग के अंतर्गत बुधवार को खेले गए मैच में सेरसा चक्रधरपुर ने मिश्रीलाल जैन ग्रुप चाईबासा को 48 रनों से पराजित कर दिया. सेरसा ने इसमें न सिर्फ पूरे चार अंक हासिल किए, बल्कि अपने दोनों लीग मैच जीतकर आठ अंकों के साथ सुपर डिवीजन में खेलने की पात्रता भी हासिल कर ली. चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में टॉस मिश्रीलाल जैन ग्रुप के कप्तान सिद्धार्थ राज सिन्हा ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए सेरसा चक्रधरपुर ने निर्धारित बीस ओवर में आठ विकेट खोकर 214 रन बनाए. सबसे अच्छी बल्लेबाजी हेमंत नायक ने की. जिसने मात्र 27 गेंदों का सामना करते हुए तीन चौकों तथा चार छक्कों की मदद से 49 रन बनाए.

आठवीं बोर्ड में 92% रहा आदर्श स्कूल का रिजल्ट

चक्रधरपुर:। झारखंड अधिविद्य काउंसिल द्वारा आठवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है. चक्रधरपुर के केन्दो पंचायत स्थित आदर्श मध्य विद्यालय देवगांव का परिणाम इस वर्ष 92% रहा. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार महतो ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में विद्यालय के कुल 155 विद्यार्थियों ने काउंसिल द्वारा आयोजित आठवीं बोर्ड परीक्षा में निबंधन कराया था. जिसमें 153 बच्चों ने परीक्षा दी थी. जैक द्वारा जारी किए गए परीक्षा परिणाम में 155 बच्चों में 142 विद्यार्थी उतीर्ण हुए.

देश में भाजपा जुमलेबाज की सरकार है : दीपक बिरुवा

मयूरभंज में कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री दीपक बिरुवा.

संवाददाता। चाईबासा

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि देश में संविधान खतरे में है. हमारी हक, अधिकार और संविधान को बचाए रखने के लिए झामुमो प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करना जरूरी है. देश में भाजपा जुमलेबाज की सरकार है.

इन जुमलेबाजों के झांसे में नहीं आना है. उन्होंने मयूरभंज लोकसभा के प्रत्याशी के पक्ष में वोट करने की अपील करते हुए मयूरभंज में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. मंत्री दीपक बिरुवा ने अपनी हक, अधिकार एवं देश की संविधान को बचाए रखने के लिए मयूरभंज लोकसभा की झामुमो प्रत्याशी अंजली सोरेन के पक्ष में वोट करने की अपील की.

की अपील

- मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन एवं मंत्री दीपक बिरुवा ने किया संबोधित
- झामुमो प्रत्याशी अंजली सोरेन के पक्ष में मतदान की अपील की

चक्रधरपुर में तपती गर्मी से बेहाल हुए लोग, पारा पहुंचा 43 डिग्री

संवाददाता। चक्रधरपुर

तपती व भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं. तपिश भरी गर्मी के कारण लोगों का सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है. बुधवार दोपहर चक्रधरपुर का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. पिछले तीन-चार दिनों से बढ़ी गर्मी के कारण सबसे ज्यादा परेशानी रोजाना कमाने-खाने वाले रिक्शा चालक, ठेला चालक व मजदूरों को हो रही है.

सुबह नौ बजते ही सूर्य की तपिश लोगों को झुलसा देने वाली जैसी हो गई है. चिलचिलती धूप के कारण सड़कों पर भी सन्नाटा पसर रहा है. अत्यधिक जरुरत के काम से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं. बुधवार दोपहर में सड़कों पर बाहर निकलने वाले चेहरों को कपड़े से ढंककर, टोपी व छाता का इस्तेमाल करते दिखे. लू के थपेड़ों से हर कोई परेशान नजर आया. साथ ही गर्मी से बचने के लिए कोल्ड ड्रींक, लस्सी, शर्बत इत्यादि की दुकानों पर लोग पहुंच रहे हैं. वहीं गर्मी बढ़ने के कारण बच्चों व बुजुर्गों के सेहत पर भी असर पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि अगर दो-तीनों के भीतर अगर बारिश नहीं हुई और भीषण गर्मी से राहत नहीं मिली तो जीना मुश्किल हो जाएगा.

बेवजह घर से न निकलें लोग, भरपूर पानी पीयें: डॉ. अंशुमन

इधर बढ़ती गर्मी को लेकर चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने लोगों को गर्मी से सतर्क रहने की बात कही है. उन्होंने कहा कि बेवजह धूप में लोग घर से न निकलें. अगर जरुरत के काम से लोग घरों से बाहर निकलते भी हैं तो गमछा या टोपी का प्रयोग अवश्य रुप से करें. साथ ही भरपूर मात्रा में पानी पीयें. उन्होंने तेज धूप में घर से बाहर निकलने वाले लोग कभी भी खाली पेट घर से न निकलें. वहीं अगर गर्मी से किसी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ती है तो तत्काल अनुमंडल अस्पताल में आकर निःशुल्क इलाज करायें. अस्पताल की ओर से निःशुल्क ओरआएस पाउडर इत्यादि भी दिये जा रहे हैं.

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु का तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा

संवाददाता। किरीबुरु

एशिया का सबसे बड़ा साल जंगल सारंडा की सबसे ऊंची चोटी पर बसा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में पहली बार तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है. इस भीषण गर्मी की वजह से आम जनता के साथ-साथ वन्यप्राणी व पालतू जानवर तक परेशान व त्रस्त हैं. लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर वह जायें तो कहां जायें, क्यों किरीबुरु में अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा फिर भी गर्मी काफी कम है.

निरंतर बढ़ते तापमान और घटते जलस्तर से लौहांचल एवं सारंडा के गांवों में रहने वाले लोग खतरे में हैं. हम स्वयं के साथ-साथ खदान प्रबंधनों, सरकार और वन विभाग की गलत नीतियों की वजह से जानबूझ कर उस रास्ते की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं, जहां हमारी और मौत की दूरी समाप्त हो जायेगी. न चाहते हुए भी हम वातावरण में आने वाले हर उस परिवर्तन का सामना कर रहे हैं जो आने वाले विनाश की चेतावनी मात्र है. जब सारंडावासी अचरज से कहते हैं कि इतनी गर्मी पहले कभी नहीं देखी, तो हम उनकी बात मखौल में उड़ा देते हैं. किन्तु उनका अनुमान शत प्रतिशत सही है. वैज्ञानिक स्वयं मान रहे हैं कि भूमिगत जल का स्तर घट रहा है.

वातावरण में तापमान की निरंतर वृद्धि हो रही है. पृथ्वी पर पर्याप्त मात्रा में वृक्ष नहीं होने के कारण ऐसी गैसें बढ़ रही हैं, जो पृथ्वी को गरम कर देती हैं. क्लोरोफ्लोरो कार्बन अर्थात सीएफसी, मीथेन व नाइट्रोजन आक्साइड सरीखी विषैली गैसें बढ़ रही हैं. इस हालात से बचने के लिए जनमानस में चेतना का संचार आवश्यक है ताकि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को रोका जा सके. अधिक से अधिक वृक्ष लगाना मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए न कि काटना. अपनी धरती को अपमानित करने वाला मानव तमाम मूर्खताओं व कुकृत्यों के बावजूद प्रकृति को मां कह कर संबोधित करता है.

आस्था सुबह चार बजे हुआ माता की प्रतिमा का विसर्जन, माता के लगे जयकारे

प्रतिमा विसर्जन के साथ पांच दिवसीय माता पूजा संपन्न

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के लोको कॉलोनी में स्थापित पांच दिवसीय माता पूजा माता की प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हो गया. बुधवार अहले सुबह लगभग चार बजे चक्रधरपुर के बालाजी मंदिर के समीप स्थित तालाब में हल्दी से बनी माता की प्रतिमा विसर्जन किया गया.

जहां लोगों ने नम आंखों से माता को विदाई दी. इसके पहले मंगलवार रात लगभग साढ़े आठ बजे लोको कॉलोनी स्थित शीतला मंदिर के पूजा पंडाल से माता का भव्य विसर्जन जुलूस निकाला गया. जहां पूरे रास्ते माता के जयकारे लगे. इस दौरान श्रद्धालु माता की प्रतिमा को सिर पर रखकर चल रहे थे. विसर्जन जुलूस लोको कॉलोनी से निकलकर पोर्टरखोली, चांदमारी रोड, संतोषी मंदिर रोड, तम्बाकू पट्टी, बाटा रोड,पवन चौक, रेलवे ओवर ब्रिज होते हुए भारत भवन के समीप से मुड़कर रेलवे स्टेशन जाने वाले रोड से रनिंग रुम होते हुए हरिजन बस्ती रोड होते हुए इतवारी बाजार, प्रेम निवास होते हुए बालाजी मंदिर के समीप तालाब पहुंची. जहां लगभग चार बजे अहले सुबह प्रतिमा का विधिविधान के साथ विसर्जन किया गया.

विसर्जन जुलूस के दौरान माता की प्रतिमा को सिर पर लेकर चलते भक्त.

माता शीतला

- शीतला मंदिर के पंडाल से निकला विसर्जन जुलूस
- हल्दी से बनाई गई थी माता शीतला की प्रतिमा

इस पूरे रास्ते को तय करने में लगभग नौ घंटे का समय लग गया. इस वर्ष प्रतिमा विसर्जन में पिछले वर्षों की तुलना में देरी हुई. विसर्जन जुलूस के दौरान श्रद्धालु ढपली की धुन पर थिरकते हुये चल रहे थे.

विसर्जन जुलूस को लेकर एएसपी पारस राणा, थाना प्रभारी राजीव रंजन मोर्चा गश्त करते दिखे. वहीं जगह-जगह पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी. इस दौरान पूरे रास्ते श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी. माता शीतला की प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान पूरे रास्ते जगह-जगह नीम डाल से तोरण द्वार बनाये गये थे. चक्रधरपुर के तम्बाकू पट्टी रोड, पवन चौक, इतवारी बाजार, प्रेम निवास समेत अन्य जगहों पर आकर्षक तोरण द्वार बनाये गये थे.

चुनाव ड्यूटी में कर्मियों को अपना पैसा लगा कार्य करना पड़ रहा है!

शैलेश सिंह। किरीबुरु

चुनाव ड्यूटी के लिए बैंक और सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, लेकिन प्रशिक्षण स्थल तक जाने के लिए वाहन की व्यवस्था नहीं की जाती है. उन्हें इसके लिए कोई भत्ता तक नहीं मिलता है. चुनाव व मतगणना कार्य में लगाये गये माईक्रो आब्जर्वर व अन्य सरकारी पदाधिकारी और कर्मचारी इससे परेशान हैं.

उल्लेखनीय है कि सिंहभूम संसदीय सीट के लिये 13 मई को हुए चुनाव से पूर्व बैंक व अन्य सरकारी पदाधिकारियों व कर्मचारियों को बतौर माइक्रो आब्जर्वर या अन्य के रुप में दो-तीन बार प्रशिक्षण के लिए चाईबासा बुलाया गया.

13 मई को विभिन्न बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान कार्य सम्पन्न कराने के लिए मतदान कार्य में लगाया गया. ये सरकारी कर्मी जिला मुख्यालय चाईबासा से लगभग 100 किलोमीटर दूर किरीबुरु, गुआ, नोवामुंडी के अलावा बंदगांव, कराईकेला, चक्रधरपुर, आनंदपुर, मनोहरपुर आदि क्षेत्र के थे. दो-तीन बार प्रशिक्षण और एक बार चुनाव ड्यूटी के एवज में इन्हें अब तक मात्र एक-एक हजार रुपया उनके खाते में भेजा गया है. अब चार जून को होने वाले मतगणना कार्य में इन्हें लगाया जाएगा. इसके लिये 25 मई को चाईबासा में एक बार प्रशिक्षण के लिए बुलाया जा चुका है, जबकि 30 मई, 3 जून को और प्रशिक्षण के लिए बुलाये जाने के अलावा 4 जून को मतगणना कार्य में लगाया जाना है. इस सभी कार्य के लिए इन्हें कितना पैसा मिलेगा यह तो पता नहीं है, लेकिन चर्चा यह है कि पुनः उनके खाते में एक हजार रुपये से संभवतः अधिक नहीं भेजा जाये. सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों ने बताया कि जिला मुख्यालय से दूर अपने-अपने बैंकों से चाईबासा जाने-आने में एक बार में कम से कम दो-तीन हजार रुपया वाहन भाड़ा खर्च हो जाता है. पूरे चुनाव कार्य में यह वाहन खर्च 15-20 हजार रुपये (दूरी के अनुसार) हो जायेगा.

ब्रीफ खबरें

जलापूर्ति को लेकर क्यूआरटी टीम गठित

कोडरमा। भीषण गर्मी को देखते हुए कोडरमा जिला में आमजनों तक पेयजल की सुविधा, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में सुलभ एवं अबाध तरीके से उपलब्ध कराये जाने को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देशानुसार क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया गया है. उपायुक्त ने क्यू.आर.टी. टीम को निर्देश दिया है कि अपने-अपने क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न होती है तो पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के निमित आपस में समन्वय स्थापित कर त्वरित गति से सभी आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे. साथ ही जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन अथवा अन्य कारणों से पेयजल की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है, उन स्थलों पर टैंकर को टैग करते हुए पेयजल आपूर्ति कराना सुनिश्चित करेंगे.

पैसा लूटने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

हजारीबाग। शहर के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र में डरा धमका कर पैसा लूटने और फोन पे पर पैसा मंगवाने वाले गिरोह के सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फैज हसन उर्फ सालिक डॉ जाकिर हुसैन रोड का रहने वाला है. इस संबंध में बड़ा बाजार ओपी में कांड संख्या 180/24 दर्ज किया गया है. थाना प्रभारी बिट्टू रजक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र में रह रहे विद्यार्थियों से डरा धमकाकर पैसा छीन लेता था. छात्र के पास नकद पैसे नहीं रहते थे तो उसके फोन पे से अपने फोन पे पर पैसा भी ट्रांसफर करवा लेता था. पकड़े गए आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है. आरोपी कोर्रा थाना कांड संख्या 320/23 में जेल जा चुका था. लगभग 15 दिन पहले जेल से बाहर आया था.

तिलैया डेम में सोलर प्लांट का निर्माण शुरू

झुमरी तिलैया। कोडरमा जिले के डीवीसी बड़ाकर नदी में दामोदर वेल्ली कारपोरेशन (डीवीसी) एवं एनटीपीसी के संयुक्त तत्वाधान में लगभग 250 करोड़ से लागत से बनाने वाले 155 मेगावाट सोलर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू हो गया है. केटीपीएस के परियोजना प्रमुख दिलीप सिंह ने बताया कि तिलैया डेम में 155 मेगावाट सोलर प्लांट मार्च 2026 तक बन कर तैयार हो जाएगा और इसकी बिजली भी ग्रिड के जरिए ही उपलब्ध होगी. केटीपीएस में हीरोडीह स्टेशन से प्रतिदिन 3 से 4 रैक कोयला की आपूर्ति होती है. केटीपीएस मे 14 हजार करोड़ की लागत से 800-800 मेगावाट की दो नई परियोजना लगेगी.

गुरुकुल में हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

हजारीबाग। आर्य कन्या गुरुकुल व भारत विकास परिषद की हजारीबाग शाखा के संयुक्त तत्वावधान में वीर सावरकर की जयंती पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया. गुरुकुल के संरक्षक जीवन गोप की अध्यक्षता में देर रात तक चले कार्यक्रम का संचालन संयोजक आचार्य कौटिल्य व स्थानीय शिक्षाविद संजय तिवारी ने किया. वहीं गुरुग्राम, हरियाणा से पधारे अंतरराष्ट्रीय ओज कवि डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी व उनके शिष्य राष्ट्रीय कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने अपनी काव्य रचनाओं से उपस्थित श्रोताओं को घंटों मंत्रमुग्ध किए रखा. कन्याओं द्वारा प्रस्तुत संगीतमय गीतों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए हमें गुरुकुल संस्कृति का और विस्तार करना होगा.

हिंदी साहित्य और भाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न माध्यमों से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सतत सक्रिय हैं संतोष चौबे

फ्रांस में 'भारत गौरव सम्मान' से सम्मानित होंगे आईसेक्ट विवि के कुलाधिपति

संवाददाता। हजारीबाग

साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास के क्षेत्र में पांच दशकों से सक्रिय आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान-2024' से अलंकृत किया जाएगा. चौबे को यह सम्मान लक्जमबर्ग पैलेस, फ्रांस सीनेट, पेरिस में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में आगामी 5 जून को प्रदान किया जाएगा. बता दें कि भारतीय इंजीनियरिंग सेवा तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित संतोष चौबे, वर्तमान में आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अलावा रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय के भी चांसलर हैं. वहीं आईसेक्ट नेटवर्क, राज्य संसाधन केंद्र, वनमाली सृजन पीठ एवं टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला केंद्र के अध्यक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि चौबे हिंदी साहित्य तथा भाषा को बढ़ावा देने के लिए लेखन के साथ-साथ विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सतत सक्रिय हैं. इसके साथ ही विज्ञान, तकनीकी और कौशल विकास के क्षेत्र में भी अनवरत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं. इन्होंने बीते 40 वर्षों में पूरे भारत में 40 हजार से अधिक प्रशिक्षण एवं सेवा केंद्रों का नेटवर्क स्थापित किया जो हजारों लोगों को रोज़गार देने के

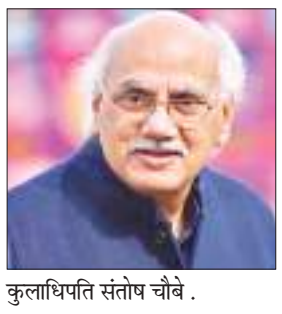
कुलाधिपति संतोष चौबे .

अलावा डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं में भागीदारी कर रहा है. प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान-2024' के लिए संतोष चौबे को आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, 'विश्व रंग' टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, विश्व रंग सचिवालय, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ सीवी रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, खंडवा, वैशाली, आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं ने बधाई दी है.

कवि, कथाकार व उपन्यासकार के रूप में भी पायी प्रसिद्धि

संतोष चौबे कवि, कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक भी हैं, जो अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक पहचान रखते हैं. उनके छह कथा संग्रह- 'हल्के रंग की कमीज', 'रेस्त्रां में दोपहर', 'नौ बिंदुओं का खेल', 'बीच प्रेम में गांधी', 'मगर शेक्सपियर को याद रखना' तथा 'प्रतिनिधि कहानियां', चार उपन्यास- 'राग केदार', 'क्या पता कॉमरेड मोहन', 'जलतरंग', और 'सपनों की दुनिया में ब्लैक होल', चार कविता संग्रह- 'कहीं और सच होंगे सपने', 'कोना धरती का', 'इस अ-कवि समय में' तथा 'घर-बाहर' प्रकाशित और चर्चित हुए हैं. टेरी इगल्टन, फ्रेडरिक जेमसन, वॉल्टर बेंजामिन, ओडिसस इलाइटिस एवं ई.एफ. शूमाकर के उनके अनुवाद 'लेखक और प्रतिबद्धता', 'मॉस्को डायरी' तथा ''भ्रमित आदमी के लिए एक किताब' के नाम से प्रकाशित हैं, जो व्यापक रूप से पढ़े व सराहे गये हैं. उन्होंने कथाकार वनमाली पर केंद्रित दो खंडों में 'वनमाली समग्र' तथा कथा एवं उपन्यास पर केंद्रित वैचारिक गद्य की तीन पुस्तकों 'आख्यान का आंतरिक संकट' सराही गई.

दुष्यंत कुमार पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले चौबे को

वर्तमान में वे नाटक तथा कलाओं की अंतर्विधायी पत्रिका 'रंग संवाद' के प्रधान संपादक हैं. इसी क्रम में 'विश्व रंग' के अवसर पर उन्होंने देश भर के छह सौ से अधिक कथाकारों के कथा संचयन 'कथादेश' को अठारह खंडों में संपादित किया है. वनमाली कथा सम्मान 2022 के अवसर पर प्रकाशित, भोपाल के एक सौ पचहत्तर से अधिक कथाकारों पर केंद्रित 'कथा भोपाल' तथा हिंदी में विश्व की 200 से अधिक विज्ञान कथाओं पर केंद्रित 'विज्ञान कथा कोश' के वे प्रधान संपादक हैं. उन्होंने हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय 'विश्वरंग' की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की, जिसके आज 50 से अधिक सदस्य देश हैं. अंतर्राष्ट्रीय 'विश्वरंग' समारोह की त्रैमासिक पत्रिका 'विश्वरंग संवाद' के प्रधान संपादक हैं. उन्हें कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्य प्रदेश साहित्य परिषद का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार मिला.

धनबाद मंडल जोन में बड़े पैमाने पर चला टिकट चेकिंग अभियान

बेटिकट पकड़े 2059 यात्री 11 लाख का वसूला जुर्माना

खास बातें

- अभियान में 189 कर्मियों को लगाया गया था
- बिना टिकट यात्रा की प्रवृत्ति पर अंकुश लगानने की कवायद

संवाददाता। रामगढ़

भारतीय रेल के धनबाद मंडल जोन में बुधवार को एक बार फिर बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस अभियान में 2059 यात्रियों को पकड़ा गया है. इन यात्रियों से लगभग 11 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है. वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार ने बताया कि धनबाद मंडल के विभिन्न खंडो के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग की जा रही हैं। यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान दिन-रात चलाया जा रहा है. जांच अभियान के परिणामस्वरूप बुधवार को 2059 यात्रियों को पकड़ा गया.

अभियान में बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों को पकड़ा गया. उनसे 10 लाख 97 हज़ार 430 रुपये जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई. चेकिंग अभियान में 189 टिकट चेकिंग कर्मियों को लगाया गया था.

चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया. धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच की जा रही है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगी. इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है, ताकि वे अगली बार टिकट लेकर यात्रा करें.

चेकिंग अभियान के दौरान यात्रियों का टिकट जांचते टीटीई.

उपायुक्त ने की प्रत्याशियों और निर्वाचन अभिकर्ताओं के साथ बैठक

सुबह 5:30 से खुलेंगे सभी वज्रगृह

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में मतदान संपन्न होने के बाद अब 4 जून को होने वाली मतगणना का इंतजार किया जा रहा है. इसको लेकर अभ्यार्थियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं की बैठक जिला निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई. इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त ने अभ्यार्थियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं को मतगणना से संबंधित चुनाव आयोग के प्रोटोकॉल की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि ईवीएम-वीवीपैट गणना, पोस्टल बैलेट गणना एवं ईटीपीबीएस प्री-काउंटिंग व गणना, प्रति विधानसभावार 5-5 वीवीपैट (रैंडमली सिलेक्टेड) की पर्चियों की गणना एवं मतगणना के बाद ईवीएम सीलिंग कार्य की संपूर्ण प्रक्रिया की प्रत्येक बिंदु से अवगत कराया.

उपायुक्त नैंसी सहाय.

उपायुक्त ने कहा कि गणन अभिकर्ता मतगणना परिसर में पेन, पेपर एवं पेपर पैड के अलावा अन्य कोई सामग्री नहीं ले जा सकते हैं. उन्होंने कहा कि मतगणना के लिए सुबह 5:30 से सभी वज्रगृह को खोला जाएगा, जिसमें अभ्यार्थियों अथवा निर्वाचन अभिकर्ता की उपस्थिति अनिवार्य है. तदोपरांत पूर्वाह्न 8 बजे से मतगणना प्रारंभ की जाएगी. उन्होंने मतगणना के दौरान निर्वाचन एवं मतगणना अभिकर्ताओं की नियुक्त, दायित्व व कार्यों के बारे में जानकारी दी. बैठक में अभ्यार्थियों एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं द्वारा की गई क्वेरिज पर भी जानकारी दी. बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया एवं सभी अभ्यर्थी उपस्थित थे.

भाजपा प्रत्याशियों के लिए नीरा यादव कर रहीं जनसंपर्क

भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील करतीं विधायक नीरा यादव .

संवाददता। हजारीबाग

नीरा यादव ने लोकसभा चुनाव के दौरान कोडरमा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी के पक्ष में कोडरमा विधानसभा सहित अन्य क्षेत्रों में प्रचार प्रसार किया. जब से आदर्श आचार संहिता लागू हुआ तब से विधायक ने भाजपा के पक्ष में जनसंपर्क, बैठकें एवं सभाएं कीं. झारखंड की पूर्व शिक्षा मंत्री ने धनबाद प्रत्याशी ढुल्लू महतो, रांची प्रत्याशी संजय सेठ, गिरिडीह में सहयोगी आजसू प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी के पक्ष में भी बैठकें, सभाएं और जनसंपर्क किया. पिछले दिनों से गोड्डा संसदीय क्षेत्र के देवघर के मोहनपुर मंडल अंतर्गत चोपा मोड, बाबूपुर, मोहनपुर, बुढ़वा कुरा, खरवा, खूंटा बांध, नवाकुरा, बाबूडीह आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क किया.

फाइलेरिया कार्यक्रम को लेकर बैठक का आयोजन

हजारीबाग । राष्ट्रीय फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम के तहत 1 जून से 10 जून तक आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए सिविल सर्जन की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स / जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया.

इसमें अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, जिला मलेरिया सह आरसीएच पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पदाधिकारी, प्रबंधक जेएसएलपीएस,जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, एनएचएम हजारीबाग, प्रभारी जीव विज्ञानवेत्ता, जिला भीबीडी सलाहकार, हजारीबाग एवं जिला प्रतिनिधि उपस्थित थे.

पीवीयूएनएल के 15 दिवसीय समर कैंप का हुआ उद्घाटन

पीवीयूएनएल के समर कैंप के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित बच्चे व शिक्षक.

संवाददाता। रामगढ़

पीवीयूएनएल पतरातू ने हर साल की तरह इस साल भी 15 दिन के समर कैंप का आयोजन किया है. समर कैंप में 70 बच्चों ने दाखिला लिया है, जिनकी उम्र 6 से 12 साल है. कैंप का उद्घाटन बुधवार को आरके सिंह ने केक काट कर किया. इसमें बच्चों को डांस, योग, साइंस, थिएटर और अन्य स्किल्स पर क्लासेज दी जाएगी. बताया कि समर कैंप बच्चों के एक साथ आने और मौज मस्ती करने का एक विशेष शिविर है. वे घर से दूर सुरक्षित वातावरण में नए साहसिक प्रयास करते हैं और नई चीज़ सीखते हैं. इस प्रकार उनमें स्वतंत्रता की भावना विकसित होती है. वे नए दोस्त भी बनाते हैं और मेल जोड़ बढ़ाते हैं, जिससे उनके सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास का विकास होता है.

केंदू पत्ते की अवैध तोड़ाई पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता। चौपारण

चौपारण वन क्षेत्र में बीड़ी पतों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने कड़ा रुख अख्तियार किया है. वनकर्मियों की विशेष टीम द्वारा जंगलों में सभी संभावित ठिकानों पर सघन छापामारी अभियान चलाया जा रहा है. वहीं वन विभाग की सख्ती से बीड़ी पता के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया गया है.

मालूम हो कि जंगलों में कई जगह तस्करी के लिए अवैध रूप से तोड़कर बड़ी मात्रा में सुरक्षित रखे गए बीड़ी-पतों को जब्त करने में कामयाबी मिली है. वहीं इस संबंध वनपाल अयूब अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि गौतम बुद्ध वन्यप्राणी आश्रयणी के सुदूरवर्ती क्षेत्र गरमोरवा जंगल में अवैध रूप से केंदू (बीड़ी) पत्तियों को तोड़कर एवं संग्रहण करने के विरुद्ध वन्यप्राणी प्रक्षेत्र के पदाधिकारियों द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई, जहां से लगभग 500 कैरी (पोला) केंदू पत्ता (बीड़ी पत्ता) को जब्त किया गया तथा शेष केंदू पत्ता को घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया गया. इस अवैध कार्य में संलिप्त तस्कर और ठेकेदार को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमसंगत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और केंदू पत्ता के अवैध पातन के खिलाफ अभियान जारी रहेगा.

वन विभाग द्वारा जब्त किया गया केंदू पत्ता.

खास बातें

- 500 कैरी (पोला) केंदू पत्ता (बीड़ी पत्ता) किया जब्त
- तस्कर व ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही

ग्रामीण लड़कियों ने जीवंत पोस्टर बना दिखाई प्रतिभा

संवाददाता। बड़कागांव

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने माइनिंग और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ढेंगा में सोहराई कला और शिल्प पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही युवा ग्रामीण लड़कियों के लिए एक जीवंत पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की. इस पंद्रह दिवसीय स्वच्छता अभियान के 14वें दिन 40 प्रतिभाशाली प्रशिक्षुओं ने "स्वच्छ भारत" थीम के तहत अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक दृष्टि का प्रदर्शन किया. इस कार्यक्रम ने स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व को उजागर किया, जो स्वच्छ भारत अभियान की भावना को प्रतिबिंबित करता है. युवा प्रतिभागियों ने पारंपरिक सोहराई कला को स्वच्छता के आधुनिक संदेशों के साथ मिलाकर बड़े ही सुंदर पोस्टर बनाए, जो स्वच्छ और हरे-भरे भारत की आवश्यकता पर जोर देते हैं. इस मौके पर मैती के प्राचार्य मिथलेश उपाध्याय के अलावा डीजीएम एवं सीएसआरएस के सेनापति मौजूद रहे.

पेंटिंग के साथ ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं.

गड़बड़झाला सोलर आधारित एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना में बरती जा रही अनियमितता

5000 लीटर की जगह लगा दी 2000 लीटर की टंकी

संवाददाता। जयनगर

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जा रहे सोलर आधारित एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना में काफी अनियमितता बरती जा रही है. इसका खुलासा प्रखंड के जयनगर पश्चिमी एवं पूर्वी पंचायत में सोलर सिस्टम आधारित एकल जलमीनार योजना में लगाई जा रही सामग्री से हुआ है. जानकारी अनुसार प्रखंड मुख्यालय के समीप संवेदक एंजल इंटरप्राइजेज हजारीबाग की ओर से लगभग ढाई लाख रुपये की लागत से सोलर आधारित ग्रामीण योजना का कार्य किया जा रहा है. जानकारी अनुसार एस्टीमेट से लगने वाले सिंटेक्स पानी टंकी 5000 लीटर क्षमता की थी, परंतु संवेदक द्वारा 2000 लीटर क्षमता वाली टंकी लगा दी गई है. इस तरह सरकार की राशि का संवेदक व विभागीय अधिकारी द्वारा बंदरबांट किया गया है. वहीं जलमीनार में कई अनियमितता बरती गई है. छोटी पानी टंकी लगाने के कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल नहीं उपलब्ध हो पा रहा है.

खास बातें

- संवेदक के कारनामे से ग्रामीणों में नाराजगी
- लोगों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है पानी

संवेदक द्वारा लगाई गई पानी की टंकी.

ग्रामीणों ने जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई

ग्रामीण रामाशंकर यादव ने बताया कि छोटी टंकी लगाने के कारण इस गर्मी में सरकार की नल जल योजना के तहत घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना विफल साबित हो रही है. वहीं ग्रामीण कैलाश राम, महेंद्र राम, दिलीप कुमार आदि लोगों ने बताया कि जिस जिस जगह पर सोलर आधारित जलमीनार लगाया गया है, किसी से भी शुद्ध पेयजल लोगों तक नहीं पहुंच रहा है. ठेकेदार एवं विभागीय अधिकारी उक्त योजना के नाम पर सरकारी पैसे बंदरबांट किया जा रहा है. ग्रामीणों ने शीघ्र उक्त योजना की जांच कर संवेदक व जांच करने वाले विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है.

सड़क की समस्या से कराया अवगत, मिला समाधान का आश्वासन

विधायक व सीओ से मिले ग्रामीण

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड की बेहरा पंचायत के ग्राम तिलैया और गोशाला बस्ती के दर्जनों लोग बुधवार को सड़क की समस्या के समाधान को लेकर विधायक आवास व अंचल कार्यालय चौपारण पहुंचे. विधायक आवास में उमाशंकर अकेला व अंचल कार्यालय में सीओ संजय यादव से मुलाकात कर सड़क की समस्या से उन्हें अवगत कराया. ग्रामीणों ने बताया कि हम लोगों को एनएच 19 तक पहुंचने के लिए जोकट-महूदी होते हुए लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि महज आधा किलोमीटर की दूरी पर ही हमलोगों के गांव से ग्राम सरदारपुर तक नेशनल हाईवे निकलता है. इसमें कई रैयतों ने अपनी जमीन भी दान की है, लेकिन सरदारपुर के समीप जहां से निकासी होनी है वहां पर कुछ अड़चनें हो रही हैं. वहां के कुछ लोग जीएम लैंड को बंदोबस्ती करवा कर कब्जा किए हुए हैं और वे जमीन छोड़ना नहीं चाह रहे हैं. हम लोगों द्वारा रास्ते के लिए मात्र 12 फीट जमीन छोड़ने को कहा जा रहा है, लेकिन वे लोग छोड़ने को तैयार नहीं है. नियमतः भी दो मौजा के बीच 10 कड़ी रास्ते का प्रावधान है. विधायक उमाशंकर अकेला ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों की मांग जायज है, हरसंभव मदद को तैयार हूं. वहीं सीओ संजय यादव ने कहा कि नियमतः जो उचित होगा उसे अवश्य पूरा किया जाएगा. सीओ ने ग्रामीणों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए लिखित आवेदन देने की बात कही गई.

विधायक उमाशंकर अकेला के पास पहुंचे दर्जनों ग्रामीण.

- शहरों में बढ़ रहा है मकान, दुकान और हॉस्टल का किराया
- मकान मालिकों के लिए किराया आय का जरिया

झारखंड में बड़ी संख्या में नौकरीपेशा और व्यापार करने वाले किराए के मकानों में रहते हैं.इधर हाल के वर्षों में राजधानी शहर रांची सहित धनबाद, जमशेदपुर, हजारीबाग में बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों के हॉस्टल तथा लॉज में रखकर पढ़ाते हैं. जिसकी वजह से घर और प्रॉपर्टी किराए पर देना एक बड़े व्यापार का हिस्सा बन गया है . मकान मालिकों के लिए यह आय का बड़ा जरिया होता है.वहीं किराए पर रहने वालों के लिए यह मनोवैज्ञानिक दबाव है, जो उनके ऊपर हावी रहता है. माह पूरा होते ही यह चिंता सताने लगती है कि किराया देना है. इधर हाल के दिनों में किराए के मकान महंगे होते जा रहे हैं. जिसकी वजह बढ़ती जनसंख्या और महंगाई है. देखा जाए तो मध्यम आय वालों के लिए किराया देना काफी महंगा साबित होता है. उनकी आय की 20 से 30 प्रतिशत राशि किराए में चली जाती है. कहा भी जाता है कि किराए में रहना परेशानी भरा होता है. इसलिए हर कोई चाहता है कि अपना कोई ठिकाना हो. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों के लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

1. हाल के वर्षों में किराये में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है

2. लोग बच्चों को हॉस्टल में रखकर पढ़ा रहे हैं

3. मध्यम आय वर्ग के लोग इस मामले में ज्यादा परेशान हैं

कमाई बढ़े न बढ़े किराया तो बढ़ना है

रांची

राजधानी में किराये के मकानइन दिनों काफी महंगे हो गये हैं. किरायेदारों के लिये किराये का मकान लेना काफी महंगा पड़ रहा है. लोगों का कहना है कि झारखंड गठन के बाद राजधानी में तेजी से आबादी बढ़ी है. खेत खलिहानों में भी अब घर-मकान बन गये हैं. झारखंड और बाहर के लोग राजधानी रांची आकर किराये के मकान में रह कर अपनी जीविका चला रहे हैं.

किराये के मकान काफी महंगे हो गए हैं ,परेशानी बढ़ी है : हदीस

आजाद हिंदनगर निवासी मो. हदीस ने कहा कि रांची में पिछले 10 वर्षों से किराये में रह रहे हैं. श्री बीएचके के मकान का 5000 रूपये मासिक देते हैं. उन्होंने बताया कि आज से 5 साल पहले 3000 रूपये किराया लगता था, पर अब महंगाई बढ़ गई है. इसलिये अपनी कमाई के कुछ पैसे किराये के लिये जमा करते हैं, ताकि माह पूरा होने के समय परेशानी नहीं हो.

पांच साल पहले आज की तुलना में आधा किराया लगता था : दीनू

इंद्रपुरी निवासी दीनू कुमार ने कहा कि श्री बीएचके का मेरा मकान है, हम किराये पर रहते हैं. मकान का किराया 500 रुपये है. 5 साल पूर्व 2500 हजार रुपये किराया था. अब महंगाई बढ़ गई है, इस लिये किराया भी बढ़ कर ही लगता है. उन्होंने कहा कि मकान के किराये की राशि के लिये पैसे जमा करते रहते हैं, जब माह पूरा हो जाता है, तो मकान मालिक को किराये के पैसे जमा कर देते हैं.

मकान के किराये के लिये हर दिन जमा करते हैं पैसे : अखिलेश कुमार

विद्यानगर निवासी अखिलेश कुमार ने कहा कि वन बीएचके के मकान में किराये पर रहता हूं. इस मकान का किराया 2000 रूपये है. मकान के किराये के साथ हम बिजली का बिल भी जमा करते हैं. आज से पांच साल पहले इस मकान का किराया 1500 रूपये था. महंगाई की वजह से किराया काफी बढ़ गया है. अपनी कमाई से रोजाना काट काट कर किराये के पैसे जमा करता हूं. ताकि सुविधा मिले.

महंगाई के कारण बढ़ गया है किराये का बोझ : चंदन कुमार

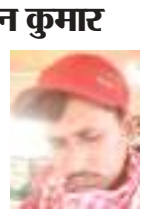

करम चौकके चंदन कुमार ने कहा कि 20 साल से किराये के मकान में ही रह रहा हूं. एक कमरे का किराया 2 हजार रु मासिक है. आज से 5 साल पहले इस मकान का किराया 1200 रु लगता था. लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण किराया बढ़ गया है. लेकिन किराया तो देना ही है, क्या किया जाए.

धनबाद

मकान भाड़े में हर साल इजाफा होता जा रहा है : रीता बाउरी

धनबाद झरिया स्थित बाउरी टोला की रहने वाली रीता बाउरी ने बताया कि बाउरी टोला में पिछले 15 वर्षों से एक रूम और एक किचन किराये पर लेकर अपने परिवार का गुजर बसर कर रही है. इसमें बाथरूम कॉमन है.रूम का किराया प्रति माह 1000 रुपया था .लेकिन पिछले 2 वर्षों से मकान मालिक ने किराये में इजाफा करते हुए प्रति माह 1500 रुपया कर दिया है.जिससे कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.उन्होंने कहा कि आज के दौर में कमाई के अनुसार अपना घर खरीदना व इससे बेहतर सुविधा वाली मकान ठेका कर्मियों को लेना काफी मुश्किल है.

किराया सुविधाओं के अनुसार तय होता है : राजेश कुमार

धनबाद दामोदरपुर के रहने वाले एमआर राजेश कुमार ने कहा धनबाद शहर में मकान का किराया 5000 हजार से शुरू है. शहर से हट कर 2000 से 3000 हजार तक मकान किराए पर मिलता है. यह किराया सुविधाओं के अनुसार मकान मालिक तय करते हैं. किराएदार भी अपनी आमदनी के अनुसार ही किराये का मकान लेते हैं. फिलहाल वह जिस मकान में रहते है. उसका किराया 3000 रुपया है. जिसमें 2 रूम, एक किचन, बाथरूम अटैच है. पानी और बिजली बिल अलग से .बावजूद इसके पिछले तीन वर्ष पूर्व मकान मालिक ने किराये में 500 रुपया की बढ़ोतरी कर दी .

मनमाने ढंग से किराया वसूल रहे हैं : बिपुल दास

धनबाद गोविंदपुर के रहने वाले बिपुल दास ने कहा आज के दौर में मकान मालिक मनमाने ढंग से किराया वसूल रहे हैं.वह जिस मकान में रहते है उसका किराया पिछले 10 वर्षों तक 2500 रुपया था जिसमे दो रूम ,एक किचन और बाथरूम है . इसके अलावा पानी और बिजली का पैसा अलग से भरना पड़ता है. लेकिन 2023 से मकान का किराया 3500 कर दिया गया है. अचानक किराया में इजाफा होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दूसरा कोई वैकल्पिक रास्ता भी नहीं है. इस महंगाई में अपना घर बनाना भी काफी मुश्किल है.

20 वर्षों से किराये के मकान में रह रहे हैं : रामबाबू यादव

धनबाद पुराना बाजार के रहने वाले रामबाबू यादव ने कहा कि वह पिछले 20 वर्षों से किराये के मकान में रह रहे हैं.जिसमें 3 रूम , एक किचन, शौचालय है. जिसका किराया 4500 रुपया है.इसमें पानी और बिजली का बिल अलग से देना पड़ता है.उन्होंने कहा पुराना किरायेदार होने के कारण फिलहाल किराये में बढोत्तरी नहीं हुई है. लेकिन पिछले एक साल से मकान मालिक 500 रुपया बढ़ाने की बात कह रहे हैं. अब लगता है कि बढ़ा किराया देन पड़ेगा. क्योंकि हाल के दिनों में महंगाई काफी बढ़ गई है.

हजारीबाग

पैसा अधिक न लगे इसके लिए हम दो रूम से चला रहे हैं काम : सुरेखा देवी

बिहार की रहने वाली सुरेखा देवी ने बताया कि पति बिहार में नौकरी करते हैं और बच्चे की अच्छी पढ़ाई हो इसके लिए वह किराए पर यहां रहती हैं .वह कहती है कि हजारीबाग शहर में मकान मालिक किराया कुछ ज्यादा ले रहे हैं. नौ महीना पहले 3400 रुपए दो रूम का किराया तय हुआ था. अब वह बढ़ा रहे हैं. ऐसे में तो किसी दूसरे फंड से पैसे की कटौती कर मकान मालिक को किराया देना पड़ेगा.

एसबेस्टस के एक रूम का लगता है 1500 रुपये : सुमन कुमारी

छात्रा सुमन कुमारी बताती है कि वह बालूमाथ से हजारीबाग में रहकर पढ़ाई करती है. यहां बड़कागांव रोड में किराये के कमरे में रहती हैं. एक रूम एसबेस्टस का बना है, जिसका किराया वह 1500 रुपये दे रही हैं. सुमन कुमारी ने बताया कि घर से सीमित पैसा मिलता है और जरूरत की चीजें ही खरीद पाती हूं. अगर शहर में किराया कम होता, तो अपनी मम्मी को भी अपने साथ रख पाती, तो हमें पढ़ाई का समय और भी ज्यादा मिल जाता.

चाईबासा

बच्चों की पढ़ाई के कारण मजबूरी में किराये पर चाईबासा में घर लिया : जेटूलाल महतो

चाईबासा के किरायेदार जेटूलाल महतो ने कहा कि पहले की तरह अब किराये का मकान चाईबासा में नहीं मिलता है. नियम के साथ महंगाई भी सबसे अधिक हो गयी है. अब एक कमरे का रूम लेने के लिये भी तीन हजार का भुगतान करना पड़ता है. बच्चों की शिक्षा के कारण मजबूरी से किराये पर चाईबासा में घर लिया गया है. अन्यथा गांव ही ठीक है. गर्मी के दिनों में मकान मालिक की किचकिच भी सुनने को मिलती है. बिजली बिल अधिक आने से किरायेदारों को फटकार भी लगायी जाती है. जबकि इस तरह से नहीं होना चाहिये. लेकिन मकान मालिक भी करे तो क्या करे. बिजली की महंगाई से वे भी बचे नहीं है. उनको भी भुगतान तो करना ही पड़ता है.

महंगाई की वजह से अब शहर में घर किराये पर लेना मुश्किल हो गया : कार्तिक कुमार

शिक्षक कार्तिक कुमार ने कहा कि टाटा कॉलेज के हॉस्टल में जबतक पढ़ाई किए, वहां रूकना हुआ. लेकिन जैसे ही पढ़ाई खत्म हो गयी चाईबासा में अलग रूम लेना पड़ा. शादी होने के बाद तो अनिवार्य ही हो गया कि बड़ा घर लेना है. लेकिन जिस तरह से महंगाई की मार पड़ी है. इससे कोई बचा नहीं है. हर किसी को झेलना पड़ रहा है. वर्तमान में दो कमरों का एक मकान लिया हूं. लेकिन पाचं हजार तक किराया है. यह एक अतिरिक्त खर्च हो जाता है. बिजली का बिल अलग से भुगतान करना पड़ता है. जिसका मकान शहर में है उसके लिये तो ठीक है.

आदित्यपुर

एक हजार रु के दो कमरे का मकान अब हो गया है पांच हजार रु का : सुमंगल गोराई

सुमंगल गोराई का कहना है कि मैं पिछले 15 वर्षों से आदित्यपुर में 2 कमरे का घर किराए पर लेकर रह रहा हूं. चूंकि शहर में रहना मजबूरी है, यहीं रोजी रोटी जो है. जब पहली बार शहर आया था तब 1000 रुपए में दो कमरे का मकान मिला था. आज इस घर का किराया 5000 रुपये हो गया है. बिजली बिल अलग से भरना पड़ रहा है. साथ ही साल में 5 महीने पानी भी खरीदकर पीना पड़ता है.इस तरह बाल बच्चों का भरण पोषण करना पड़ रहा है. फैक्टरी में दिहाड़ी का काम करता हूं, दो बच्चे हैं. उन्हें पढ़ा भी रहा हूं. कुल मिलाकर सारी कमाई खर्च हो जाती है, कुछ बचता है तो दवाई में खर्च हो जाता है.

कमाई का 30 प्रतिशत किराये में चला जाता है घर चलाना मुश्किल हो रहा है : आरती मीणा

आरती मीणा कहती हैं कि मेरे पति ट्रक चालक हैं. वे हर दिन माल लेकर बाहर जाते हैं. घर चलाने की जिम्मेदारी मेरी है. पूरी कमाई का 30 फीसदी हिस्सा घर का किराया में ही चला जाता है. 5 साल पहले घर का भाड़ा 2500 देती है अब बढ़ते बढ़ते 5000 हो गया है. बिजली बिल अलग से भरना पड़ता है. 2 कमरे का एलआईजी फ्लैट है. 15000 हजार रुपए की कमाई में 5 परिवार का घर चलाना मुश्किल होता है. शहर में रहना कितना मुश्किल होता है यह यहां रहनेवाले लोग ही जानते हैं.

चक्रधरपुर

महंगाई बढ़ने के कारण कमरा करना पड़ रहा साझा: संतोष कुमार

चक्रधरपुर निवासी संतोष कुमार ने कहा कि वे एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में काम करते हैं.गांव में रोजगार नहीं रहने के कारण शहर आकर काम करना पड़ रहा है.उन्होंने बताया कि पांच साल पहले तीन हजार रुपये में एक किराये का घर लेकर रहते थे,लेकिन घर मालिक पांच साल बाद किराया दोगुना कर दिया गया. इसके कारण किराये का घर छोड़ना पड़ा. अब एक अन्य कार्यालय के साथी कर्मचारी के साथ साढ़े पांच हजार रुपये प्रति महीने किराये के घर में साझा कर रहना पड़ रहा है.

रोजाना गांव से करना पड़ता है आना-जाना : भास्कर कुमार

सोनुवा निवासी भास्कर कुमार ने कहा कि उसका छोटा भाई चक्रधरपुर शहर में एक प्राइवेट आईटीआई संस्थान में पढ़ाई करता है.एक साल पहले नामांकन होने के दौरान शहर में ही चार हजार रुपये में किराये का एक घर लिया था. लेकिन एक साल में ही घर मालिक द्वारा किराया बढ़ाकर पांच हजार रुपये कर दिया गया. इसके कारण छोटे भाई को शहर के किराया का घर छोड़ना पड़ा, अब वह मोटरसाइकिल या बस से रोजाना चक्रधरपुर आना-जाना करता है.

चार साल में किराये के घर में 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी: विजय साव

चक्रधरपुर निवासी विजय साव ने कहा कि शहर में किराये के घर में पिछले तीन से चार साल में बीस प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है. बिजली बिल व पानी के लिए अलग से पैसे देने पड़ते हैं. विजय साव ने कहा कि पैसे जमा कर शहर में अपना एक छोटा सा जमीन तो खरीद लिया है, लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण अब घर में परेशानी हो रही है. जिसके कारण ज्यादा पैसे देकर भी मजबूरीवश किराये के घर में रहना पड़ रहा है.

किराये के अलावा बिजली का खर्च अलग से देते हैं : विक्की कुमार

चक्रधरपुर निवासी विक्की कुमार ने कहा कि एक व्यक्ति के लिए शहर में पंद्रह सौ रुपये महीने से कम किराये पर घर नहीं मिल पाता है. साथ ही बिजली का खर्च अलग से देना होता है. ऐसी बढ़ती महंगाई में शहर में घर लेकर पढ़ाई करने के लिए आना मुश्किल हो गया है. इसलिए गांव से ही रोजाना चक्रधरपुर आकर कॉलेज व ट्यूशन आना-जाना करना पड़ता है. सरकार की ओर से विद्यार्थियों के लिए कम दर पर हॉस्टल की भी व्यवस्था नहीं करायी गई है. इससे हम जैसे लोगों को परेशानी होती है.

बढ़ती सियासी हलचल

आम चुनाव के अंतिम चरण के दिन विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर सियासी हलचल तेज हो गयी है. एक जून को जब देश के 57 सीटों के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, विपक्षी दलों के बैठक का आह्वान कई अर्थों में महत्वपूर्ण है. इंडिया गठबंधन में 28 दल शामिल हैं. तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी इस बैठक में शामिल नहीं होंगी. उनका तर्क है कि वे बंगाल में तूफान ग्रस्त लोगों के राहत कार्य में व्यस्त हैं. चुनावों के नतीजों के नजरिए से बंगाल महत्वपूर्ण है. वहां 42 सीटें हैं. पिछली बार भाजपा ने इन 42 में 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी. इस बार बंगाल में मतदान के प्रतिशत को लेकर भाजपा और तृणमूल दोनों के अलग-अलग दावे हैं. भाजपा बंगाल में एक बड़ी जीत का अनुमान लगा रही है, जबकि राजनीति प्रेक्षकों का अनुमान है कि बंगाल महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार की तरह एक ऐसे राज्य के रूप में चर्चा के केंद्र में है, जहां से भाजपा को बड़ी चुनौती मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है.

> एक जून को जब देश के 57 सीटों के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, विपक्षी दलों के बैठक का आह्वान कई अर्थों में महत्वपूर्ण है. इंडिया गठबंधन में 28 दल शामिल हैं.

हालांकि भाजपा अगली सरकार के गठन का दावा कर रही है. बावजूद विपक्षी दलों ने जिस तरह चुनाव लड़ा है और अपने आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया है, उसे ले कर परिणामों के अनुमान के बारे में ठोस बातें नहीं की जा सकती हैं. दूसरी ओर उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने बैठक में शामिल होने का एलान कर दिया है. माना जा रहा है कि इस बैठक में चुनावों के संभावित नतीजों का आकलन किया जाएगा और भावी रणनीति बनायी जाएगी. भारत की राजनीति एक ऐसे मुकाम पर है, जहां बदलाव की बात की जा रही है. यह बदलाव होगा या नहीं, यह तो चार जून को ही पता चलेगा, लेकिन चुनावों के दौरान रोजगार, अग्निवीर, संविधान और आरक्षण के सवाल ने जिस तरह का राजनीतिक परिदृश्य पैदा किया है, उससे कई संभावनाएं उठ खड़ी हुई हैं. इस बीच मत प्रतिशतों को ले कर विवाद भी खड़ा हुआ है. निर्वाचन आयोग ने पहले सभी चुनाव क्षेत्रों के फॉर्म 17-सी को अपनी वेबसाइट पर डालने का मुद्दा भी अहम बना हुआ है. चुनाव के मत प्रतिशतों को सार्वजनिक करने में जो शुरुआती देर चुनाव आयोग ने किया, उसे ले कर अनेक सवाल उठाए गए हैं. इंडिया गठबंधन का ममता बनर्जी का तत्काल साथ मिलेगा या चुनाव परिणामों तक उनके रुख का इंतजार यक्ष प्रश्न बना हुआ है. 4 जून के बाद राजनीतिक समीकरणों में बड़े बदलाव आ सकते हैं, इस अनुमान को खारिज नहीं किया जा सकता. यह दो तरफा भी हो सकता है. ममता बनर्जी को छोड़ कर इंडिया ब्लाक के शेष दलों ने एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा है. अबतक 'इंडिया' गठबंधन की पहली बैठक पिछले साल 23 जून को पटना में हुई थी, उसके बाद 17-18 जुलाई, 2023 को बेंगलुरु में और फिर 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच मुंबई में बैठक हुई. विपक्षी गठबंधन की चौथी बैठक 19 दिसंबर को दिल्ली में हो चुकी है.

सुभाषित

सम्पूर्ण कुंभो न करोति शब्दं अर्धोघटो घोषमुपैति नूनम् ।
विद्वान कुलीनो न करोति गर्वं गुणैर्विहीना बहु जल्पयंति ॥

जिस प्रकार से आधा भरा हुआ घड़ा अधिक आवाज करता है पर पूरा भरा हुआ घड़ा जरा भी आवाज नहीं करता. उसी प्रकार जो सही अर्थों में विद्वान हैं, वे अपनी विद्वत्ता पर घमण्ड नहीं करते, जबकि गुणविहीन लोग स्वयं को गुणी सिद्ध करने में लगे रहते हैं. कई बार तो वे अपने को गुणवान साबित करने में सफल भी हो जाते हैं.

लगभग खामोश चुनाव के सियासी मायने

दरअसल, नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन में देश के शीर्षस्थ चुनिंदा अमीरों और पूंजीपतियों को छोड़कर प्रत्येक वर्ग की आर्थिक क्षति हुई. पहले नोटबंदी ने छोटे दुकानदारों और गरीब परिवारों को उजाड़ दिया. काला धन समाप्त करने के नाम पर की गई नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मानो ठप्प कर दिया. इसके बाद जीएसटी ने मझोले कारोबारियों को तबाह कर दिया. रही सही कसर कोरोना आपदा के समय पूरी हो गई.

• देश-काल

रविकांत

2024 के लोकसभा चुनाव अंतिम पायदान पर है. ज्यादातर चुनाव विश्लेषकों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस चुनाव में मतदाता बहुत शांत हैं. यहां तक कि पार्टियों के कार्यकर्ता और समर्थक भी मुखर नहीं दिखाई दे रहे हैं. जबकि आमतौर पर भाजपा के समर्थक मुखर ही नहीं बल्कि विपक्षियों पर आक्रामक भी रहते हैं. यही कारण है कि जमीन पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकार भी हैरान हैं. इन पत्रकारों का कहना है कि उन्होंने इतना खामोश चुनाव पहले कभी नहीं देखा. लेकिन उनका मानना है कि अंदर ही अंदर एक धारा है जो चुनाव को निर्णायक बना रही है. यह धारा क्या है? क्या इस धारा ने चुनाव को बदल दिया है? इस साल के जनवरी महीने में राम मंदिर का उद्घाटन हुआ. कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह जैसे अतिपिछड़ा और किसान समाज के राजनेताओं को मोदी सरकार द्वारा भारत रत्न दिया गया. उस समय भाजपा और नरेंद्र मोदी के पक्ष में माहौल बन रहा था. विपक्षी गठबंधन की एकता बिखरने लगी थी. नीतीश कुमार ने फिर से पाला बदल लिया और ममता बनर्जी ने ऐलान किया कि बंगाल में इंडिया एलाइंस नहीं होगा. इससे विपक्षी एकता को झटका लगा. एक तरफ भाजपा के पास संसाधनों की भरमार है तो विपक्ष लगभग खाली हाथ है. कांग्रेस ने जो क्राउड फंडिंग के जरिए चंदा इकट्ठा किया था, उस पर भी ताला लगा दिया गया. कांग्रेस के खाते सील कर दिए गए. विपक्षी नेताओं पर ईडी सीबीआई की एक के बाद एक छापेमारी शुरू हो गयी. कांग्रेस सहित विपक्ष के तमाम नेताओं को डरा धमकाकर बीजेपी में शामिल कराया जाने लगा. इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन जैसे चुने हुए आदिवासी मुख्यमंत्री को ईडी ने जेल भेज दिया. इसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी तिहाड़ भेज दिया गया. विपक्ष को निपटाने के लिए एक तरह का गुरिल्ला वार चल रहा था.

इन तमाम वजहों से विपक्ष में कोई खास उम्मीद नहीं दिख रही थी. जबकि मोदी और सत्ता पक्ष का उत्साह चरम पर था. इसलिए नरेंद्र मोदी ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया. जब यह सवाल उठा कि इतना बड़ा बहुमत क्यों चाहिए तो भाजपा के कई सांसदों और प्रत्याशियों ने ऐलान कर दिया कि संविधान बदलने के लिए दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की ज़रूरत है. 'भाजपा संविधान बदलना चाहती है.' इस ऐलान का तेजाबी असर दलित और आदिवासी समाज में हुआ. डॉ. आंबेडकर द्वारा लिखित संविधान ने दलित और आदिवासियों को राजनीतिक और सरकारी महकमों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण का अधिकार दिया. बाबा साहब ने दलितों की गुलामी और वंचना मिटाने के लिए आजीवन संघर्ष किया. स्वाधीनता आंदोलन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस के साथ तमाम अहसमतियों के बावजूद डॉ. आंबेडकर, गांधी और नेहरू के आमंत्रण पर संविधान सभा में पहुंचे. डॉ. आंबेडकर ने स्वीकार किया कि दलितों के हितों की रक्षा हेतु वे संविधान सभा में आना चाहते थे. लेकिन सभा ने उन्हें प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर सबसे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी. इस तरह बाबा साहब आंबेडकर संविधान निर्माता बने. दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों को संविधान ने तमाम मौलिक और कानूनी अधिकार प्रदान किए. भाजपा के संविधान बदलने के ऐलान के बाद देश का जागरूक दलित और आदिवासी समाज संगठित होकर उसके खिलाफ खड़ा हो गया. तमाम पत्रकारों को यह बात समझ में नहीं आ रही है कि अचानक खासकर दलित समाज मुखर होकर भाजपा का विरोध क्यों करने लगा? यह भी ध्यान रखने वाली बात है कि इस चुनाव में केवल दलित ही मुखर दिखाई दे रहा है. दरअसल, उसके लिए संविधान बदलने का मामला केवल आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि सदियों बाद मनुष्य होने का जो एहसास उसे प्राप्त हुआ है, उसे वह खोना नहीं चाहता. संविधान और बाबा साहब के प्रति उसका भावनात्मक लगाव है. दलित समाज किसी भी कीमत पर संविधान पर आंच नहीं आने दे सकता. संविधान पर उठने वाली उंगली को दलित समाज क़तई नहीं बर्दाश्त कर सकता. वह अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्मृतिकाल और पेशवाई दौर की तरह गुलाम नहीं देख सकता.

क्या यह चेतना अचानक दलितों के मन में घर कर गई? ऐसा कतई नहीं है. पिछले पांच सालों से लगातार सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों और गोष्ठियों में इसकी चर्चा होती रही है कि भाजपा और आरएसएस का छुपा हुआ एजेंडा बाबा साहब के संविधान को बदलना है. संघ से जुड़े तमाम हिंदुत्ववादी संगठन लगातार भारत को हिंदूराष्ट्र बनाने और मनुस्मृति के आधार पर संविधान लागू करने की बात करते रहे हैं. इसीलिए बहुजन नायकों पर होने वाली गोष्ठियों में संविधान बचाने की शपथ ली जाती रही. जिन लोगों को लगता है कि अचानक संविधान कैसे मुद्दा बन गया, वे दरअसल, इस चेतना प्रक्रिया से अनजान हैं. यही कारण है कि देशभर का करीब 70 फ़ीसदी दलित समाज आज विपक्ष यानी इंडिया एलाइंस के साथ खड़ा है. वे संविधान बदलने वालों को ही बदलने के लिए विपक्ष के साथ आ गए हैं. दरअसल, नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन में देश के शीर्षस्थ चुनिंदा अमीरों और पूंजीपतियों को छोड़कर प्रत्येक वर्ग की आर्थिक क्षति हुई. पहले नोटबंदी ने छोटे दुकानदारों और गरीब परिवारों को उजाड़ दिया. काला धन समाप्त करने के नाम पर की गई नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मानो ठप्प कर दिया. इसके बाद जीएसटी ने मझोले कारोबारियों को तबाह कर दिया. रही सही कसर कोरोना आपदा के समय पूरी हो गई. तालाबंदी के कारण लघु और मध्यम उद्योग धंधे बंद हो गए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

बड़ी शक्ति है विनम्रता

विनम्रता मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है. इसके माध्यम से बड़ी से बड़ी उपलिब्धयां सहज ही प्राप्त की जा सकती हैं तो वहीं दूसरी ओर अनेक प्रकार के संकटों से सुरक्षा भी सहज ही मिल जाती है. विनम्रता की शक्ति हर मनुष्य में अंतरनिहित है. यह आपके आंतरिक प्रेम की शक्ति से जाग्रत हो आती है. दूसरों को सहयोग व सहायता का भाव ही आपको विनम्र बनाता है. यह कहना गलत है कि यदि आप विनम्र बनेंगे तो दूसरे आपका अनुचित लाभ उठाएंगे. जबकि यथार्थ स्वरूप में विनम्रता आपमें गज़ब का धैर्य पैदा करती है. आपमें सोचने समझने की क्षमता का विकास करती है. विनम्र व्यक्तित्व का एक प्रचंड आभामंडल होता है. धूर्तो के मनोबल उस आभा से स्वयं परास्त हो जाते हैं. उल्टे जो विमम्र नहीं होते वे आसानी से प्रभावित हो जाते है, क्योंकि धूर्त को तो मात्र मीठी बातों से उसका अहं सहलाना भर होता है. अहंकार यहां परास्त हो जाता है. किन्तु जहां विनम्रता होती है, वहां तो सत्य की अथाह शक्ति भी होती है, जो मनोबल प्रदान करती है. विनम्रता के प्रति समर्पित आस्था जरूरी है. मात्र दिखावे की विनम्रता असफ़ल ही होती है. 'पहले विन्रमता से निवेदन करूंगा यदि काम न हुआ तो भृकुटि टेढी करूंगा' यह चतुरता विनम्रता के प्रति अनास्था है, छिपा हुआ अहं भी है. कार्य पूर्व ही अविश्वास व अहं का मिश्रण असफलता ही न्योतता है. सम्यक् विनम्र व्यक्ति, विनम्रता को झुकने के भावार्थ में नहीं लेता. सच्चाई उसका पथप्रदर्शन करती है. निश्छलता उसे दृढ व्यक्तित्व प्रदान करती है. अहंकार आपसे दूसरों की आलोचना करवाता है. वह आपको आलोचना-प्रतिआलोचना के एक प्रतिशोध जाल में फंसाता है. अहंकार आपकी बुद्धि को कुंठित कर देता है. आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को संदेहयुक्त बना देता है. अहंकारी दूसरों की मुश्किलों के लिए उन्हें ही जिम्मेवार कहता है और उनकी गलतियों पर हंसता है. अपनी मुश्किलों के लिए सदैव दूसरों को जवाबदार ठहराता है और लोगों से द्वेष रखता है. विनम्रता हृदय को विशाल, स्वच्छ और ईमानदार बनाती है. यह आपको सहज सम्बंध स्थापित करने के योग्य बनाती है. विनम्रता न केवल दूसरों का दिल जीतने में कामयाब होती है अपितु आपको अपना ही दिल जीतने के योग्य बना देती है. आपके आत्म-गौरव और आत्म-बल में उर्ज़ा का अनवरत संचार करती है. आपकी भावनाओं के द्वन्द समाप्त हो जाते है, साथ ही व्याकुलता और कठिनाइयां स्वतः दूर होती चली जाती है. एक मात्र विनम्रता से सन्तुष्टि, प्रेम, और साकारात्मकता आपके व्यक्तित्व के स्थायी गुण बन जाते हैं.

महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा पर सवाल

• विमर्श

जगदीश रत्तनानी

चुनावी मौसम में बढ़ती गर्मी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने चुने हुए मीडिया घरानों के साथ साक्षात्कारों की एक श्रृंखला शुरू की. ज्यादातर साक्षात्कारों पर नियंत्रण दिखाई देता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इन साक्षात्कारों के सुरक्षित खाली स्थानों में भी कुछ अलिखित शब्द बच गए हैं, जो आज देश के सामने मौजूद कुछ ज्वलंत मुद्दों के बारे में समझ और वचनबद्धता की खतरनाक कमी को प्रकट करते हैं. उदाहरण के लिए, कर्नाटक की शक्ति योजना पर प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को लें! शक्ति योजना पिछले साल जून में शुरू की गई थी. ताजा आंकड़ों के मुताबिक अब तक महिलाओं और लड़कियों ने लगभग 200 करोड़ फेरे की शून्य लागत पर राज्य परिवहन की यात्रा बसों में की है. प्रतिदिन लगभग 65 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं. ये आंकड़े सिटी बस सेवाओं और राज्य में शहर या गांव में चल रही बस सेवाओं की फेरियों के माध्यम से कहीं भी आने-जाने का लाभ उठा रही महिला यात्रियों के हैं. राज्य में इस योजना का जबरदस्त असर हुआ है और इसका एक सरल और स्पष्ट संदेश है कि महिलाएं खुद को स्वतंत्र महसूस करती हैं. वे हर जगह यात्रा कर रही हैं. आश्चर्य की बात नहीं है कि वास्तव में यह एकमात्र कल्याणकारी योजना है, जिसका अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है. योजना सरल, स्पष्ट, प्रयोग करने योग्य है- अपना निवासी कार्ड दिखाएं और यात्रा करें. एक साक्षात्कार में इस योजना के बारे में प्रधानमंत्री ने अज्ञानता भरी टिप्पणी करते हुए कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की पेशकश से नवनिर्मित मेट्रो सेवाओं का उपयोग कम होगा, इसलिए मेट्रो घाटे में चलेगी और कोई भी देश में मेट्रो सेवाओं का निर्माण नहीं करेगा. यह बहुत ही सीमित और संकीर्ण दृष्टिकोण है और यह नज़रिया उस समय टिक नहीं पाता है, जब हम समझेंगे कि कल्याणकारी योजनाएं कैसे काम करती हैं. वे कैसे सशक्त हो सकती हैं और मुक्ति के लिए एक ताकत बन सकती हैं तथा समाज के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं के लिए नए अवसर खोल सकती हैं. जैसा कि कर्नाटक के मामले में है. यह आश्चर्यजनक है कि गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के पदों पर दो दशकों से अधिक समय तक रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी विकास की बुनियादी बातों के प्रति संवेदनशील दिखाई नहीं देते या उन्होंने ये सबक सुने तो हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया है. अथवा चुनाव के इस कड़वे मौसम में वे कर्नाटक में यह योजना लाने वाली कांग्रेस के प्रति अपनी नफ़रत में अंधे हो गए हैं. भारत सरकार, यहां तक कि भाजपा सरकार भी बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और अगर प्रधानमंत्री की इसी सोच को लागू किया जाए तो अवधारणात्मक रूप से यह एक ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो न केवल कर्नाटक में मुफ्त परिवहन योजना बल्कि गैर-भाजपा शासित राज्यों- दिल्ली, तमिलनाडु, तेलंगाना और पंजाब की सभी कल्याणकारी योजनाओं को अस्वीकार करती है. कर्नाटक की शक्ति योजना के संपूर्ण प्रभाव को देखने और समझने में अभी समय लगेगा. फिर भी यह विचार सभी तर्कों को पराजित कर देता है कि यह योजना सवारियों को मेट्रो से दूर ले जाती है. इसकी जड़ में यह बात है कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि गरीबों को भुगतान करने तथा मेट्रो लाइनों की सवारी करने के लिए कहें (जहां किराया सामान्य रूप से बहुत अधिक है) ताकि मेट्रो व्यवहार्य हो जाए एवं निवेश की भरपाई हो सके और इस प्रकार बताया जा सके कि विकास हुआ है. विश्व की सबसे अमीर अर्थव्यवस्थाओं में से एक लक्ज़मबर्ग ने लगभग चार साल पहले न केवल वहां के निवासियों के लिए बल्कि सभी लोगों के लिए मुफ्त यात्रा की घोषणा की. यूरो न्यूज़ के अनुसार द ग्रीन्स पार्टी के नेता और लक्ज़मबर्ग के पूर्व उप प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बॉश ने कहा-'यह योजना काफी लागत वाली है, लेकिन इसका सभी करदाताओं द्वारा भुगतान किया जाता है ... वहां अधिक इक्विटी है क्योंकि जाहिर है कि जो लोग कम करों का भुगतान करते हैं वे इस प्रणाली में कुछ भी नहीं या बहुत कम भुगतान करते हैं. जो लोग अधिक कर का भुगतान करते हैं ... एक मूल्य टैग है जो थोड़ा अधिक हो सकता है.' वहां इस योजना का आनुषांगिक लाभ यह है कि देश की परिवहन प्रणाली में निवेश धीमा नहीं हुआ है. नई ट्राम प्रणाली नियमित और विश्वसनीय है जो ट्रैफिक की बाधाओं से मुक्त है. देश ने अपने रेल नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए रिकॉर्ड निवेश किया है. अंत में, देश के सामने प्रश्न यह नहीं है कि हमें विकास की आवश्यकता है या नहीं, बल्कि यह सवाल है कि भारत में किस प्रकार का विकास होना चाहिए.

> विश्व की सबसे अमीर अर्थव्यवस्थाओं में से एक लक्ज़मबर्ग ने लगभग चार साल पहले न केवल वहां के निवासियों के लिए बल्कि सभी लोगों के लिए मुफ्त यात्रा की घोषणा की. यूरो न्यूज़ के अनुसार द ग्रीन्स पार्टी के नेता और लक्ज़मबर्ग के पूर्व उप प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बॉश ने कहा- 'यह योजना काफी लागत वाली है, लेकिन इसका सभी करदाताओं द्वारा भुगतान किया जाता है .'

जाति जनगणना के आईने गणतंत्र

• सियासत

मनीष शर्मा

मोदी सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने से, साफ़-साफ़ इंकार कर दिए जाने के बाद अपने चुनावी घोषणापत्र में जाति जनगणना को दर्ज करते हुए समूचे विपक्ष ने शायद ही सोचा होगा कि संविधान, सामाजिक न्याय, आरक्षण और जाति जनगणना जैसे सवाल, इतने बड़े प्रश्न बन जाएंगे और चुनाव के केंद्र में आ जाएंगे.. लंबे समय बाद ऐसा हो रहा है, जब संविधान को बचाने की बात, जोर-शोर से हो रही है.. बीच चुनाव में सामाजिक न्याय, प्रमुख चुनावी प्रश्न में तब्दील हो गया है और अपने आरक्षण की रक्षा की चिंता, भारतीय समाज के बड़े हिस्से के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बनता जा रहा है. हाल-फिलहाल के चुनावी इतिहास में शायद यह भी पहली बार हो रहा है, जब किसी लोकसभा चुनाव में, विभाजनकारी मुद्दे, बेहद कमजोर पड़ते जा रहे हैं.. धार्मिक अस्मिता का विमर्श, सामाजिक अस्मिता की तरफ शिफ्ट हो रहा है.. और अब तो जितनी मजबूती से सामाजिक न्याय का प्रश्न भारतीय राजनीति के हाशिए से उठकर केंद्र में आ गया है, उससे ऐसा साफ-साफ लगने लगा है कि आने वाले समय में जो भी सरकार आए, जाति जनगणना की मांग को और ज्यादा समय तक दरकिनार नहीं किया जा सकता है. जाति जनगणना से जुड़े ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक पहलुओं पर हम विस्तार से बातचीत करेंगे, पर अभी कुछ तात्कालिक व बुनियादी बिंदुओं पर स्पष्टता ज़रूरी है और वह यह कि जाति जनगणना भी हर हाल में जनगणना एक्ट 1948 के तहत ही की जानी चाहिए, इसके अलावे जो कुछ भी होगा,उसकी सांविधानिक मान्यता नहीं रह जाएगी, जैसा कि हम सबने देखा कि 2011 में केंद्र द्वारा अलग से किए गए सर्वे का क्या हश्र हुआ. दूसरी बात यह कि जाति जनगणना को राज्य सरकारों के जिम्मे नहीं छोड़ा जा सकता.. हालांकि राज्य अपने लिए गणना करा सकती है, जैसा कि बिहार में हुआ है, पर यह गणना केंद्रीय जनगणना एक्ट के तहत करायी गयी जनगणना का विकल्प तो बिल्कुल ही नहीं हो सकता और इस गणना की सांविधानिक मान्यता भी संकट में रहेगी और इसके चलते इस पूरे कवायद के अप्रासंगिक बने रहने का ख़तरा बराबर बना रहेगा और सरकारों पर निर्भर होगा कि वे इसे माने या न माने. तीसरी बात यह कि जाति जनगणना आंदोलन केवल ओबीसी को गिनने की मांग नहीं कर रहा है, जैसा कि भ्रम फैलाया जा रहा है, बल्कि भारतीय समाज के हर हिस्से को गिना जाना जरूरी है ताकि पूरी तस्वीर सामने आए, इसके साथ ही एक बात और ये है कि केवल जातियों की गणना या उन्हें गिन लेना, बिल्कुल ही नाकाफ़ी है, (जैसे कि बिहार में हुई गणना से अभी बस गिनती ही सामने आई है) जब तक कि सभी जातियों की सामाजिक-आर्थिक हैसियत की भी शिनाख्त नहीं की गई या ठीक-ठीक यह भी पता नहीं लगा सके कि हर तरह के संसाधनों का संकेंद्रण कहां-कहां है और वंचना कहां-कहां है, तब तक ऐसे किसी भी कवायद की सार्थकता संदिग्ध बनी रहेगी और इसे कोई प्रगतिशील कदम मान पाना मुश्किल होगा. 1878 से लेकर 1931 तक ब्रिटिश काल में लगातार जाति की जनगणना होती रही.. यहां तक कि 1941 में जनगणना के साथ जाति की भी जनगणना कराई गई, पर दूसरे महायुद्ध के चलते उसे जारी नहीं किया गया.. पर आजाद भारत में पहली जनगणना से ही जाति जनगणना को ख़ारिज़ कर दिया गया.. यह सोच कर कि हमें पीछे नहीं आगे जाना है.. ये सोचा गया कि आधुनिक भारत बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना को अमल में लाने की रणनीतिक प्रक्रिया के दौरान जाति नामक परिघटना धीरे-धीरे पीछे होती चली जाएगी, पर ऐसा हुआ नहीं.. बल्कि भिन्न-भिन्न रूपों में और बड़े पैमाने पर इसका विस्तार होता रहा. असल में तथाकथित ऊंची जातियों ने जातिगत पूंजी का इस्तेमाल कर आधुनिक कारखानों व विज्ञान और तकनीक के बड़े संस्थानों पर भी लगभग कब्ज़ा ही कर लिया, जिसके चलते व अन्यान्य वजहों से जाति आधारित असमानता ने और भी विशालता हासिल कर ली.. अंततः सत्ता व्यवस्था को पहले काका कालेलकर आयोग और फिर मंडल आयोग का गठन करना पड़ा, विशाल ओबीसी समाज के वास्तविक हालात को सामने लाने के लिए..पर उन आयोगों के पास 50 साल पहले का आंकड़ा था, उन्हें कुछ तात्कालिक सर्वे और 1931 के आंकड़े से काम चलाना पड़ा और ओबीसी समाज के पक्ष में सिफारिश के साथ-साथ सरकार से यह भी कहना पड़ा कि जल्द से जल्द जाति जनगणना कराई जाए.

> हालांकि राज्य अपने लिए गणना करा सकती है, जैसा कि बिहार में हुआ है, पर यह गणना केंद्रीय जनगणना एक्ट के तहत कराए गए जनगणना का विकल्प तो बिल्कुल ही नहीं हो सकता और इस गणना की सांविधानिक मान्यता भी संकट में रहेगी और इसके चलते इस पूरे कवायद के अप्रासंगिक बने रहने का ख़तरा बराबर बना रहेगा और सरकारों पर निर्भर होगा कि वे इसे मानें या न मानें.

मीडिया में अन्यत्र

लापरवाही की इंतिहा, पुणे कार दुर्घटना के सबक

देश की सांस्कृतिक राजधानी कहलाने वाले शहर पुणे में पिछले दिनों एक लग्जरी कार से हुई सड़क दुर्घटना का जो मामला सामने आया, वह हमारे शहरी जीवन और व्यवस्था से जुड़ी दुर्भाग्यपूर्ण विसंगतियां उजागर करता है. गनीमत है कि मीडिया में हुए शोरगुल के बाद ही सही, केस को पटरी पर लाने के प्रयास शुरू हो गए हैं. मामले से जुड़ी शुरुआती सूचनाएं इस बात की ओर ध्यान खींचती हैं कि कैसे हमारे समाज का एक तबका नियम-कानून को अपनी जेब में लिए चलता है. मामले का मुख्य आरोपी एक नाबालिग है, जो पुणे के एक जाने-माने बिल्डर का बेटा है. अमीर पिता ने यह महंगी गाड़ी अपने नाबालिग बेटे के हवाले कर दी थी. इस साल मार्च में खरीदी गई इस गाड़ी पर लाइसेंस नंबर तक नहीं था, क्योंकि रोड टैक्स के 44 लाख रुपये नहीं दिए गए थे. गाड़ी चला रहे नाबालिग लड़के के पास कोई ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था. यही नहीं, मिली सूचनाओं के मुताबिक दुर्घटना से पहले यह लड़का एक नहीं दो अलग-अलग बार में जाकर शराब पीता है. ध्यान रहे कि महाराष्ट्र में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल है, लेकिन बार में कोई भी यह पता करने की जरूरत नहीं समझता कि शराब मांगते इस लड़के की उम्र शराब पीने की हुई है या नहीं. खास बात यह कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और दुर्घटना में दो लोगों की मौत से जुड़े इस मामले में आरोपी को जमानत मिलने में भी कोई दिक्कत नहीं हुई. पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने आवेदन दिया था कि उसे इस मामले में आरोपी के साथ वयस्क की तरह व्यवहार करने की इजाजत दी जाए. लेकिन इस आवेदन को अलग रखकर बोर्ड ने आरोपी को जमानत दे दी. उसे हादसे पर एक निबंध लिखने और 15 दिनों तक यातायात पुलिस की मदद करने को कहा गया. स्वाभाविक ही इस पूरे घटनाक्रम के सामने आने के बाद इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं आने लगीं. इन्हें संज्ञान में लेते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने भी माना कि बोर्ड का रुख घटना की गंभीरता के अनुरूप नहीं है. पुलिस ने इस मामले में ऊपरी अदालत का रुख किया है. इस बीच बिल्डर पिता समेत कई और लोगों को गिरफ्तार किया गया है. बात सिर्फ कुछ गिरफ्तारियों की नहीं है. बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई हमारे सरकारी तंत्र का निचला हिस्सा लुंजपुंज और अप्रभावी होता जा रहा है. आखिर कैसे समाज का एक प्रभावशाली और ताकतवर हिस्सा उससे इस कदर बेपरवाह हो सकता है कि नियम-कानूनों की न्यूनतम चिंता करना भी उसे गैरजरूरी लगने लगे. इस मामले में सभी दोषियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करना जितना जरूरी है उतना ही अहम है यह संदेश देना कि कानून सभी देशवासियों के लिए समान हैं. (एनबीटी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

खातिम/खातिर

आपकी खातिर पेश है हिंदी फिल्म जगत के महारथी गीतकार शाहिर लुधियानवी का यह शेर-कौन रोता है किसी और की ख़ातिर ऐ दोस्त, सबको अपनी ही किसी बात पे रोना आया. आपने रफी साहब की मधुर आवाज में इस पंक्ति को कई बार सुना होगा, जिसका मुखड़ा है कभी खुद पे कभी हालात पे रोना आया, बात निकली तो हरेक बात पे रोना आया. बात भी सही है किसी और की खातिर इस दुनिया में कौन रोता है. इन वाक्यों में खातिर शब्द का बारबार आना इस बात की मांग करता है कि खातिर शब्द पर विचार किया जाये. खातिर अरबी भाषा मूल का संज्ञा एक वचन स्त्रीलिंग शब्द है. इसका बहुवचन रूप है ख़वातिर. खातिर शब्द ने अपने आप में सामान्य तौर पर अनेक अर्थ समेट रखे हैं. रेख्ता हिंदी उर्दू शब्दकोश के अनुसार खातिर का मतलब है सत्कार, आव-भगत, आतिथ्य. जैसे कहा जाता है कि मैं वहां गया तो लोगों ने मेरी जमकर खातिर की. वहीं यह भी कहा जाता है कि आपकी खातिर मैं जान तक दे सकता हूं. इसका मतलब यह होता है कि आपके लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं. खातिर शब्द का मतलब हृदय, मन, दिल, जान, जी से भी होता है. खातिर का मतलब विचार, ख्याल, ध्यान, बुद्धि, जहन, स्मृति, स्मरण शक्ति, याददाश्त, सांत्वना, प्रसन्नता, दिलजोई, खुशी, स्वभाव, प्रकृति, भावदशा, मिज़ाज, आदर, सम्मान, लिहाज, अभिवादन, शिष्टता, पक्षपात, तरफदारी, समर्थन, अंतःकरण, अतिरिंद्रिय, अचेतावस्था, अचैतन्य, प्राकृतिक सूझबूझ, इच्छा और मर्जी भी होता है, जिसका प्रयोग वाक्यों में आवश्यकतानुसार किया जाता है. वहीं खातिम अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है मुद्रिका, अंगूठी, वह अंगूठी जिस पर मुहर करने का निशान या चिह्न हो, मुहर, छाप, ठप्पा, सिक्का, खत्म करनेवाला, अंजाम को पहुंचानेवाला, आखिरी, पूरा करने वाला, बंद करने वाला, मुंदमिल करने वाला, अंत को पहुंचाने वाला, तकमिला करने वाला, मुंदमिल का मतलब है वह घाव, जो भर आया हो.

जिंदाबाद-जिंदाबाद, ऐ बोरियत जिंदाबाद

• तीर-तुक्का

विनय भारत

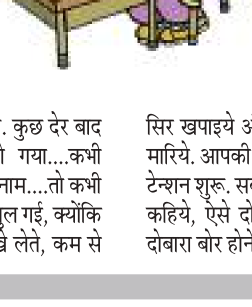

बोरियत.....बोरियत....बोरियत....कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि इस बोरियत नामक शब्द को जीरो से गुणा कर दूं. पर फिर सोचता हूं कि ये काम भी तो ऊबीला है. बोरियत सभी को होती है, कारण है कि हम फालतू होते हैं तो सभी को फालतू समझते हैं. इस बोरियत से बोर होकर मैंने भी कुछ करने को सोचा. एक सब्जी वाले के पास गया. मैंने कहा कि आलू है क्या? वो बोला नहीं, ये बैंगन ले जाइये. मैंने कहा, जब आलू ही नहीं है तो बैंगन का क्या करूंगा? वो बोला, बैंगन ले जाइये, घर जाकर सब्जी बनाइये, पसंद ना आने पर रोटी के साथ सब्जी दे जाइये. पहले ही सब्जी खरीदने का बोरियत सा काम कर रहा था, इसके बाद फेसबुक चलाने बैठा, वहां देखा कि कुछ मस्तीली लड़कियों की फोटो, कुछ हंसीले चित्र, कुछ पगलू से कमेंट पड़े हुए थे. उन्हें देखकर फिर बोर हो गया, फेसबुक पर भी कुछ खास नहीं किया जा सकता. पर क्या करें, टाईम पास तो करना था, सो कुछ कोल्ड ड्रिंक लाया, उसमें कुछ नमक मिलाया और पी गया. कुछ देर बाद नींद लग गई. हीरोईनों के सपनों में खो गया....कभी उहलाला.... तो कभी मैं लाला, कभी मुन्नी बदनाम....तो कभी शीला जवान... छोकरा सपने में आते ही नींद खुल गई, क्योंकि ऐसा लगा कि इससे अच्छा तो कोई भूतनी देखे लेते, कम से कम फीमेल तो होती, अब गुस्सा आया तो कुछ लिखने बैठ गया. ऐसा लिखा, ऐसा लिखा कि क्या कहूं, अब जो लिखा वो तो आप पढ़ रहे हैं, पढ़कर बोर हो रहे हैं, मुझे भी पता है कि आप मुझे गाली देंगे, लेकिन ये भी बोरियत का एक काम है. मैंने नल से पानी भरा, नल में से एक सॉप निकला, लेकिन मुझे डंसा नहीं. मैंने पूछा कि अबे डंसता क्यों नहीं, वो बोला कि आज के जमाने में इन्सान ही इन्सान को ड़स रहा है तो फिर मैं अपना जहर क्यों बर्बाद करूं. अब तो बहुत ही ज्यादा बोरियत की हद हो गई थी. वैसे बोर होना भी एक काम है, क्योंकि बोर होने के लिए आपके पास समय होना चाहिए, आपका दिमाग शैतान का घर यानी खाली होना चाहिये, तब जाकर कुछ बोरियत के लम्हे बड़ी कठिनाई से मिलते हैं. खैर! बोरियत महसूस कर रहा था, मैंने सोचा कि मैं अकेला ही बोर क्यों हूं और सभी क्यों बोर नहीं है? इसलिए ये लेख लिखा ताकि आप भी इस बोरियत का फायदा नुकसान देख सकें. इस लेख को बार-बार पढ़कर बोर होइये, सिर खपाइये और ज्यादा गुस्सा आये तो खोपड़ी दीवार पे दे मारिये. आपकी टेन्शन खत्म और आपको देखकर यमराज की टेन्शन शुरू. सब टेन्शन ही खत्म, फिर भी कुछ न हो तो मुझसे कहिये, ऐसे दो-पॉच लेख और भेज देता हूं. कसम से.... दोबारा बोर होने की कोशिश नहीं करेंगे.

लाइफ लाइन

आप तो नहीं हैं इडियट सिंड्रॉम से ग्रसित

बीमारियों और उसके इलाज के बीच इन दिनों एक नया शब्द प्रचलित हो रहा है- "इडियट सिंड्रॉम". यहां इडियट दरअसल "इंटरनेट डिराइव्ड इंफॉर्मेशन ऑब्सट्रक्टिंग ट्रीटमेंट" का शॉर्ट फॉर्म है. इसे साइबरकॉन्ड्रिया भी कहते हैं जिसमें व्यक्ति किसी विशिष्ट बीमारी के संक्रमण के बारे में "अत्यधिक या अनुचित रूप से भयभीत" रहता है. एक क्लिक से अब हम भौगोलिक दूरी ही नहीं, अलग-अलग क्षेत्र की विषेशज्ञता भी मापने का जो दंभ रखते हैं, यह सिंड्रोम उसी से संबंधित है. इडियट सिंड्रोम तब होता है जब मरीज़ अचानक अपना इलाज छोड़ देते हैं क्योंकि उन्होंने इंटरनेट चिकित्सा जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा कर लिया होता है. या फिर इडियट सिंड्रोम के शिकार वाले मरीज अक्सर इंटरनेट सर्च के आधार पर खुद ही बीमारी का पता लगाते हैं, और फिर इंटरनेट से ही सर्च कर उसका अनाप-सनाप इलाज भी खुद ही कर लेते हैं. इस कारण इडियट सिंड्रॉम से ग्रसित लोग कई तरह की शारिरिक व मासनसिक परेशानियां भी झेलते हैं. इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध जानकारी सही मेडिकल ट्रीटमेंट में बाधा डालती है.

डॉ एके श्रीवास्तव
कंसलटेंट फिजीशियन, छाती व गहन रोग विशेषज्ञ

- **चिंता का विषय**

डब्ल्यूएचओ इस परिस्थिति को "इन्फोडेमिक" कहता है, जिसने स्वास्थ्य सेवा में एक जटिल स्थिति पैदा कर दी है, क्योंकि यह बीमारी के प्रकोप के दौरान डिजिटल और भौतिक वातावरण में बहुत अधिक जानकारी पैदा कर देता है और स्वास्थ्य अधिकारियों के प्रति अविश्वास पैदा करता है. मरीज़ों को ऑनलाइन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जानकारी मिलती है और वे अतिरिक्त सहायता की उम्मीद करते हैं, डॉ. सी. एन. मंजूनाथ (निदेशक, जयदेव अस्पताल) कहते हैं, "डॉक्टर तनाव के कारण बीमार हो रहे हैं, और उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की ज़रूरत है. केवल तकनीकी और पेशेवर गुणों के बजाय संचार कौशल हासिल करने की अतिरिक्त मांग है." वहीं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के जर्नल क्यूरियस व अन्य कई मेडिकल विषयक जर्नल में इस बाबत चर्चा हो रही है.

- **गुजर जाता है गोल्डन आवर**

इंटरनेट पर मेडिकल जानकारी खोजने पर कई बार सारे लक्षण खुद में ही नजर आने लगते हैं. ऐसे में यह तनाव और चिंता की वजह बनता है. कई बार इंटरनेट पर किसी बीमारी का इतना भयावह रूप आप जान-समझ लेते कि इलाज का साहस ही नहीं जुटा पाते. ऐसे में जो गोल्डन आवर होता है किसी भी बीमारी का, वह कई बार गुजर जाता है. बीमारी की स्थिति विकट होती है, तब उन्हें चिकित्सक तक लाया जाता है.

- **लाइसेंस प्राप्त स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की लें मदद**

बेशक इंटरनेट कई बार हमें हेल्थ से जुड़ी अच्छी जानकारी भी उपलब्ध कराता है. इसलिए जानकारी लेने में कोई हर्ज नहीं. बेहतर हो कि अच्छी और विश्वसनीय मेडिकल वेबसाइट्स और ऑनलाइन सपोर्ट ग्रुप्स पर अपने या अपने प्रियजनों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी या ऐसे ही अवेयरनेस के लिए जानकारी हासिल करें. यह आदत कहीं से गलत नहीं. यह प्रवृति गलत तब होती है जब हम इंटरनेट पर क्लिक कर जो रिजल्ट मिलता है, उसे ही एक योग्य मेडीकल डायग्नोसिस मान लेते हैं और खुद को चिकित्सक समझ कर मेडिकल फैसले लेने लगते हैं. जबकि उन्हें चाहिए कि अपने स्वास्थ्य संबंधी मामलों के लिए लाइसेंस प्राप्त स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की मदद लें.

बिना चीरा लगाए संकरे वॉल्व को दुरुस्त करता है वाल्वुलोप्लास्टी

डॉ अनुपम
सीनियर कॉर्डियोलॉजिस्ट

वाल्वुलोप्लास्टी उपचार की पद्धति है जिससे हृदय के संकुचित वाल्व को ठीक किया जाता है और रक्त के प्रवाह को बेहतर किया जाता है. आइए जानें कि क्या है वाल्वुलोप्लास्टी, इसकी सलाह कब दी जाती है, इसके क्या फायदे और खतरे हैं आदि...

लोगों के दिलों के हालात अपनों को रुला जा रहे. बात हृदय रोग के बढ़ते मामलों की हो रही है. खास कर हाल के वर्षों में हार्ट वाल्व की बीमारी के घेरे में कई लोग आ रहे. उनकी सांसे फूलने लगती हैं, धड़कनें बढ़ने लगती हैं, सीने में दर्द की शिकायत होती है. इकोकार्डियोग्राफी नामक जांच कराने पर पता चलता है कि उनके हृदय का वाल्व तंग (संकरा या नैरो) है और उसके लिए उन्हें इलाज करने की जरूरत है. हृदय वाल्व की इस स्थिति को वॉल्व स्टेनोसिस कहते हैं. हमारे शरीर में चार हृदय वाल्व - महाधमनी, माइट्रल, ट्राइकसपिड और फुफ्फुसीय वाल्व होते हैं. ये चारो हृदय से रक्त प्रवाहित करने के लिए खुलते और बंद होते हैं. वाल्व स्टेनोसिस की स्थिति में, वाल्व फ्लैप, जिन्हें लीफलेट भी कहा जाता है, मोटे या कठोर हो सकते हैं और एक साथ जुड़ सकते हैं. वाल्व स्टेनोसिस वाल्व के माध्यम से रक्त के प्रवाह को कम कर देता है. ऐसी स्थिति में चिकित्सक वाल्वुलोप्लास्टी की सलाह दे सकते हैं. यह उपचार पद्धति हृदय वाल्व के माध्यम से रक्त के प्रवाह में सुधार कर सकती है. यह हृदय वाल्व रोग के लक्षणों में भी सुधार कर सकती है, जैसे सांस की तकलीफ या सीने में दर्द.

- **क्या है वाल्वुलोप्लास्टी और बैलून वाल्वुलोप्लास्टी**

वाल्वुलोप्लास्टी उपचार की पद्धति है जिससे हृदय के संकुचित वाल्व को ठीक किया जाता है और रक्त के प्रवाह को बेहतर किया जाता है. हृदय का वाल्व ही हृदय के भीतर रक्त प्रवाह को नियंत्रित करता है. वाल्वुलोप्लास्टी जिसे बैलून वाल्वुलोप्लास्टी भी कहते हैं, में बगैर चीरा लगाए यानी बिना सर्जरी के तंग वॉल्व को खोला जाता है. इस तरीके से इलाज में खोला गया वाल्व आमतौर पर सात से 10 साल तक आराम से दुरुस्त रहता है. अगर वापस खराबी आती है तो फिर इसे ठीक किया जा सकता है. सर्जरी की जगह बैलून वाल्वुलोप्लास्टी करने से मरीज जल्दी रिकवरी करता है और ट्रीटमेंट के दौरान दर्द भी कम होता है. ओपन सर्जरी की तुलना में जाहिर है इसमें रिस्क फैक्टर भी कम होता है.

- **बैलून वाल्वुलोप्लास्टी से पहले क्या होता है**

आपके चिकित्सक इस पद्धति से उपचार से पहले आपको विस्तृत जानकारी देंगे. आमतौर पर जिस दिन बैलून वाल्वुलोप्लास्टी किया जाता है, उससे एक दिन पहले हॉस्पिटल में भर्ती होना होता है. यदि आप ब्लड पतला करने के लिए कोई दवा लेते होंगे तो वह एक रात पहले बंद कर देनी होगी. पूरी प्रक्रिया के दौरान आप होश में रहेंगे. बैलून वाल्वुलोप्लास्टी के लिए आपको बेहोश करने की जरुरत नहीं होती.

- **वाल्वुलोप्लास्टी के खतरे**

अन्य मेडिकल प्रक्रिया की तरह वॉल्वुलोप्लास्टी से भी इंफेक्शन या ब्लीडिंग की आशंका है. यदि आप गर्भवती हैं, या गर्भ की उम्मीद से हैं तो इस बारे में अपने चिकित्सक को जरूर बताएं. वाल्वुलोप्लास्टी और रेडिएशन एक्सपोजर (प्रक्रिया के दौरान एक्स रे से) गर्भवती महिलाओं और भ्रूण के लिए घातक हो सकता है.

इस बात की भी आशंका है कि हार्ट वॉल्व वाल्वुलोप्लास्टी के बाद फिर से हार्ट वाल्व पहले की तरह संकुचित हो जाए. दरअसल इन मामलों में बहुत कुछ आपके शरीर के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है. आपके चिकित्सक ही इस मामले में आपके स्वास्थ्य की पूरी जांच कर कोई सलाह दे सकते हैं.

- **क्या है रिकवरी टाइम**

वाल्वुलोप्लास्टी के बाद आप कितने दिनों में रिकवर करेंगे, यह कई चीजों पर निर्भर करता है जिसमें आपका ओवरऑल हेल्थ और आपके हृदय की स्थिति विशेष मायने रखती है. आमतौर पर इसके बाद अधिक सक्रियता, स्वीमिंग आदि की मनाही होती है, पर वह भी केवल सात दिनों के लिए. ज्यादातर मामलों में हफ्ते भर बाद ही लोग काम पर चले जाते हैं. हां यदि आपका काम अधिक शारीरिक सक्रियता या श्रम की मांग करता है तब बेहतर हो कि आप आठ हफ्ते के आराम के बाद ही काम पर लौटें.

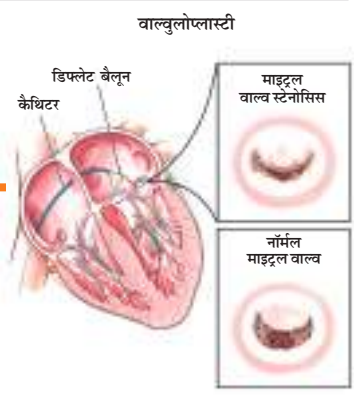

कितना होता खर्च

बड़े शहरों में इसके लिए डेढ़ लाख रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं. आयुष्मान कार्ड होने पर यह इलाज मुफ्त में होता है. हमारे अस्पताल (केसी राय हॉस्पिटल, लालपुर) में 60 से 70 हजार रुपए में इसका इलाज हो जाता है. जल्द ही आयुष्मान कार्ड का लाभ भी यहां से मिलेगा.

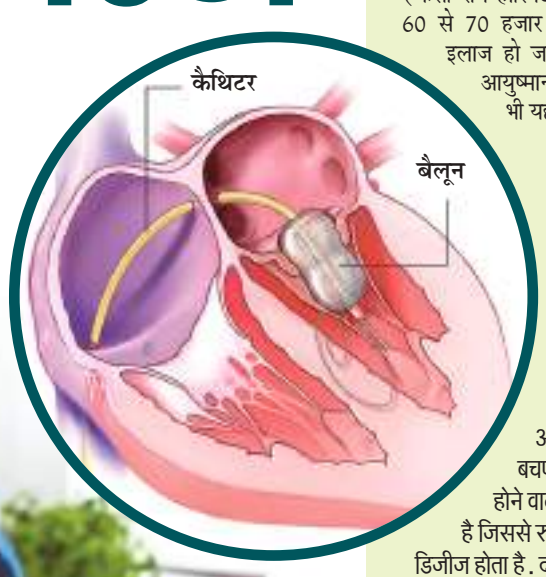

वाल्व स्टेनोसिस के कारण

वाल्व स्टेनोसिस का एक कारण पैदाइशी हो सकता है. अर्जित कारणों में बचपन में बार-बार होने वाला सर्दी जुकाम है जिससे रुमेटिक हार्ट डिजीज होता है. दरअसल संक्रमण के बाद शरीर में एंटी बॉडी विकसित होती है जो वॉल्व के टिश्यू, ज्वॉइंट्स आदि पर क्रॉस रिएक्ट कर उन्हें डैमेज करती है. जितनी बार संक्रमण होता है, उतनी बार एंटी बॉडी डेवलप होकर वॉल्व पर रियेक्ट कर उसे नुकसान पहुंचाती है. इसीलिए रुमेटिक हार्ट डिजीज में पेशेंट को चालीस साल की उम्र तक इंफेक्शन रोकने के लिए एंटी बायोटिक देते हैं.

अधिक उम्र में सर्जरी जरूरी

कई बार उम्र के कारण भी वॉल्व धीरे-धीरे सिकुड़ जाता है. ऐसी स्थिति में बैलून वाल्वुलोप्लास्टी नहीं की जाती है. तब सर्जरी ही एक मात्र विकल्प होता है.

निम्न आय वर्ग का रोग

रुमेटिक हार्ट डिजीज निम्न सामाजिक आर्थिक वर्ग की बीमारी समझी जाती है. दरअसल इसके पीछे हाइजीन, खराब पोषण, अधिक भीड़ भाड़ आदि को जिम्मेदार माना जाता है. इसलिए यह रोग विकसित देशों में नहीं देखा जाता. भारत में भी हाल के वर्षों में इससे पीड़ितों की संख्या में काफी कमी आई है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

जलोदर रोग में लाभकारी है शिरीष

आमतौर हिंदी में इस वृक्ष को शिरीष कहते हैं और जब कोलकाता गया था और इसके छाल की आवश्यकता हुई तो मुझे पता चला कि इसे बंगला में शिरीष गाझ कहते हैं. लैटिन में माइमोसा शिरिसा कहते हैं. जलोदर रोग के लिए यह बहुत ही उपयोगी औषधि के रूप में काम आता है. व्रण एवं विषनाशक गुण भी इसमें होते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

शिरीष के वृक्ष पर ग्रीष्मकाल में पुष्प देखने को मिलता है. पुष्प पीताभशुभ्र, कोमल और तीव्र गंधीय होता है. शीतकाल में शिरीष वृक्ष के पत्ते गिर जाते हैं. इसके पत्तों का आकार प्रकार आंवले के पत्तों जैसा ही होता है पर कुछ आकार प्रकार में बड़े होते हैं. एक वृन्त में लगभग चार से आठ जोड़े पत्तों होते हैं.

इसके काण्ड स्थूल मटमैला (श्वेत - कृष्ण) होते हैं. इसकी फली में बीज रहते हैं. शिरीष के बीजों का लेप गले की गांठों को दबाता है. मुंखक्षत में इसका क्वाथ केवल धारण करते हैं. बल्य और रसायन रूप में काम करते हैं.

वन क्षेत्रों में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह वृक्ष देखने को मिल जाते हैं. शीशम जैसी लकड़ी मिलने के कारण इसकी अब कटाई की जाने लगी है और विलुप्त होने की कगार पर है.

झारखंड में गुमला, सिमडेगा, खुंटी, लातेहार इत्यादि इत्यादि जगहों पर रोड किनारे या गांव में दिख जाते हैं पर वन क्षेत्रों में विलुप्त हो गया है. इमारती लकड़ी के रूप में इसका दोहन हुआ ही है, साथ ही साथ औषधीय निर्माण कंपनियों के पास भी दोहन होकर जाती रही है. भारत सरकार के साथ साथ झारखंड सरकार को भी इसके संवर्धन और संरक्षण पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है. जलोदर नामक रोग के लिए वरदान साबित होता है शिरीष का छाल, जिससे औषधीय निर्माण होता है.

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

न चाय पीजिए और न कॉफी सुबह की शुरुआत करें इन पेय से

इन दिनों स्वास्थ्य के प्रति हमारी सजगता बढ़ रही है और हम सुबह की शुरुआत की ऐसे पेय पदार्थ से करना चाहते हैं जो पाचन तो बेहतर रखे ही, अन्य छोटी मोटी शारीरिक समस्याओं को भी दूर करे. जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा मेटाबॉलिज्म धीमा होता है, जबकि पेट का पीएच लेवल ज्यादा होता है और हम डिहाइड्रेट होते हैं. ऐसे में कॉफी या चाय के साथ सुबह की शुरुआत करने पर स्थिति और खराब हो जाती है. यह भी तथ्य है कि रात भर के उपवास के बाद, हमारा पेट और आंत नरम हो जाते हैं और सुबह जो हम सबसे पहले खाते-पीते हैं, हमारा शरीर उससे अधिक पोषक तत्वों को अवशोषित कर सकता है. इसलिए सुबह की शुरुआत ऐसे पेय से करना बेहतर परिणाम दिलाता है. आइए, ऐसे ही कुछ ड्रिंक के फायदे और उसे बनाने के तरीके पर करें बात

- दो कप पानी में एक चुटकी हल्दी, करीब 5 ग्राम अदरक, काली मिर्च मिलाकर उबाल लें. जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं. सुबह की शुरुआत इस पेय पदार्थ से करने से पाचन, ब्लोटिंग आदि की समस्या दूर होती है. रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ती है.
- एक चम्मच धनिया और सौंफ का सेवन करें. दोनों को कूटकर रात को भिगो दें. सुबह उबालकर छानकर पी लें. इससे पाचन और बीपी ठीक रहता है.
- करीब डेढ़ कप पानी में एक चौथाई चम्मच अजवाइन और करीब पांच से आठ पुदीने के पत्ते को कूटकर डालें और पांच मिनट तक उबाल लें. अब इसे छानकर पिएं. पाचनतंत्र बेहतर होगा और ब्लोटिंग की समस्या कम होगी.
- नियमित रूप से आधा चम्मच अर्जुन की छाल, थोड़ा सा पुनर्नवा, और थोड़ा-सी ब्राह्मी को रात को भिगोकर सुबह उबालकर पीने से बीपी कंट्रोल रहता है.
- ताजा व्हीटग्रास का जूस सुबह खाली पेट लेने से पाचन में सुधार होता है. इसके अलावा वजन कम करने, त्वचा की बीमारियों को दूर करने, कोशिकाओं को डिटॉक्स करने, इम्यूनिटी बढ़ाने आदि में भी यह मददगार है. इसके नियमित सेवन से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है, थकान को कम करता है, गठिया का इलाज करता है और पाचन में सुधार करता है. ताजा व्हीटग्रास मिलने में दिक्कत हो तो ऑर्गेनिक व्हीटग्रास पाउडर का उपयोग कर सकते हैं.
- एक गिलास पानी में अदरक के टुकड़े डाल कर उबालें. गिलास में पानी निकाल कर आधी नींबू निचोड़ कर डालें. अब इसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिला कर सुबह-सुबह पीएं. यह पेय पाचन तंत्र को मजबूत करता है. इससे इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा स्निग्ध होती है, और वजन भी कम होता है.
- एलोवेरा जेल को निकाल कर इसमें पानी मिलाएं और पिएं. बाजार में उपलब्ध एलोवेरा जूस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे पाचन तंत्र दुरुस्त होता है, पेट साफ रहता है.
- एक चम्मच मेथी और एक चम्मच सौंफ को रात में पानी में भिंगो कर रख दें. सुबह खालीपेट इस पानी का सेवन करें. पाचन तंत्र दुरुस्त होगा.
- पेट के कीड़े की समस्या है, तो सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ जरा-सी हींग का सेवन करें, लाभ होगा.

अधिक चाय-कॉफी से अनियमित होगी दिल की धड़कन

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने हाल ही में नई गाइडलाइंस जारी कर चाय और कॉफी ज्यादा मात्रा में नहीं पीने सलाह दी है. आईसीएमआर ने दूध वाली चाय सहित अत्यधिक मात्रा में कैफीन वाली ड्रिंक्स के सेवन पर भी चिंता जताई है. गाइडलाइन में कहा गया है कि भोजन के साथ या भोजन के तुरंत बाद चाय, कॉफी और अन्य कैफीन वाले पेय पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए. भोजन से कम से कम एक घंटा पहले या बाद में ही चाय पिएं. अध्ययन में बताया गया है कि कैफीन के सेवन से एनीमिया की आशंका बढ़ती है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है. गाइडलाइंस में रोजाना 300 मिलीग्राम से ज्यादा कैफीन का सेवन ना करने की सलाह दी गई है.

जानिए, आपके कप में है कितना कैफीन

एक कप चाय में 30 से 65 मिलीग्राम कैफीन होता है. 150 मिलीलीटर वाली एक कप ब्रूड कॉफी में 80 से 120 मिलीग्राम कैफीन होता है, जबकि इंस्टेंट कॉफी में 50 से 65 मिलीग्राम कैफीन होता है.

ऐसे रखिए ख्याल, क्योंकि किडनी फिट तो हम भी हिट

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

हमारे बेहतर स्वास्थ्य के लिए किडनी का अच्छा काम करना जरूरी है. कई महत्वपूर्ण शारीरिक क्रियाओं के लिए किडनी बहुत महत्वपूर्ण है. किडनी का स्वास्थ कई चीजों पर निर्भर करता है. आइए जाने इसे प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक क्या हैं?

- **हेल्दी हो खानपान**

जो भी हम खाते-पीते हैं, सभी को हमारी किडनी डाइजेस्ट करती है. खराब खान पान से किडनी से जुड़ी समस्याएं शुरू हो जाती है. साबुत अनाज, सब्जियों, ताजे फल, लो फैट या फैट फ्री डेयरी प्रोडक्ट आदि का सेवन पूरे शरीर के साथ किडनी के लिए भी बेहतर है. नमक और चीनी का कम से कम सेवन भी महत्वपूर्ण है. ऊपर से नमक लेने से भी बचना चाहिए. भोजन ताजा होना चाहिए, बासी भोजन नहीं लेना चाहिए. बहुत अधिक मांस मछली, और जंक फूड के सेवन से बचना चाहिए.

- **प्रतिदिन की गतिविधि में शामिल हो व्यायाम**

एक्सरसाइज और शारीरिक गतिविधियां केवल वजन कम करने में ही सहायक नहीं, बल्कि इससे क्रॉनिक किडनी डिजीज जैसी कई बीमारियों की आशंका भी कम होती है. ब्लड प्रेशर की समस्या पर लगाम लगा कर यह दिल का दुरुस्त करता है. इन सब वजह से किडनी की समस्या से बचाव होता है. इसके लिए कोई मैराथन जीतने की दरकार नहीं, बस प्रतिदिन 30 मिनट की शारीरिक सक्रियता जैसे तेज कदम से चलना, साइकिलिंग, डांस, जॉगिंग आदि से भी काम के हैं. अपनी पसंद की कोई एक्टिविटी चयन करें और इसे नियमित दिनचर्या में शामिल करें.

- **पानी पर्याप्त**

दिनभर में पर्याप्त पानी पीना भी किडनी के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है. पर्याप्त पानी पीने से किडनी के क्रॉनिक डिजीज दूर रहते हैं. किडनी से टॉक्सिन और सोडियम निकालने में इससे सहूलियत होती है. आपके लिए कितना पानी पर्याप्त है, यह दरअसल आपकी लाइफ स्टाइल और आपकी शारीरिक सक्रियता पर निर्भर करती है. इसके अलावा, मौसम, व्यायाम, लिंग, प्रेग्नेंसी आदि भी इसे निर्धारित करते हैं. फिर भी करीब दो लीटर पानी तो कम से कम प्रतिदिन चाहिए ही.

- **ब्लड शुगर का नियंत्रण**

डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर की अन्य शारीरिक स्थितियों के कारण किडनी डैमेज की समस्या अक्सर देखी जाती है. ब्लड में ग्लूकोज होता है तो किडनी को इसे फिल्टर करने के लिए कहीं अधिक मशक्कत करनी होती है. जब लंबे समय तक ऐसा करना होता है तो किडनी का स्वास्थ्य प्रभावित होता है. अगर हम अपने ब्लड सुगर को नियंत्रित रखें तो यह समस्या कम होती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

टी-20 विश्वकप : विराट कोहली और रोहित शर्मा अंतिम विश्वकप में हिस्सा ले रहे हैं

विराट-रोहित के पास आईसीसी ट्रॉफी दिलाने का अंतिम मौका

एजेंसी। बेंगलुरू

ऐसे दो क्रिकेटर मिलना मुश्किल है, जो एक-दूसरे से इतने अलग हों लेकिन फिर भी भाग्य के धागे से इतने करीब से जुड़े हों जैसे विराट कोहली और रोहित शर्मा. रोहित ने शीर्ष स्तर के क्रिकेट में शुरुआत 2007 में बेलफास्ट में की जबकि कोहली ने इससे एक साल बाद दांबुला में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला. एक साथ चले इस सफर का एक और दिलचस्प अध्याय संभवतः अगले महीने कैरेबियाई द्वीपों में समाप्त हो जाएगा. अगला टी20 विश्व कप 2026 में है जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे लेकिन तब रोहित 40 बरस के होने वाले होगे और कोहली 38 वर्ष के होंगे. एकदिवसीय (50 ओवर) प्रारूप का विश्व कप इसके एक और साल बाद होगा. खेल की स्ट्राइक रेट से जुड़ी प्रकृति में लगातार इजाफा हो रहा है और इसे देखते हुए इन दोनों को इनमें से किसी में भी खेलते हुए देखना मुश्किल है. इसलिए रोहित और कोहली दोनों अगले महीने विजेता का पदक अपने गले में लटकाए मंच से विदा लेना चाहेंगे.

विराट कोहली और रोहित शर्मा (फाइल फोटो)

... तो दोनों का दूसरा विश्व खिताब होगा

अगर वे ऐसा कर पाते हैं तो यह 2007 टी20 विश्व कप (रोहित) और 2011 में 50 ओवर के विश्व कप (कोहली) के बाद उनका दूसरा विश्व खिताब होगा. और यह उन दो खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन विदाई होगी जिन्होंने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में काफी प्रभाव डाला. हालांकि कोहली-रोहित की कहानी आपसी सम्मान और इस जागरूकता पर आधारित है कि उन्हें एक-दूसरे के काम मे दखल नहीं देनी. कोहली ने अपने करियर की शुरुआत से ही रोहित के लिए उनके मन में जो प्रशंसा है, उसके बारे में बात की है.

कोहली ने 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस' में कहा था, ''मैं एक खिलाड़ी के बारे में उत्सुकता से भरा हुआ था. लोग कहते रहते थे - 'यह एक ऐसा खिलाड़ी है जो तेजी से आगे बढ़ रहा है'. मुझे आश्चर्य होता था कि मैं भी एक युवा खिलाड़ी हूं लेकिन कोई मेरे बारे में बात नहीं करता, फिर यह खिलाड़ी कौन है.

कोहली सभी प्रारूपों में अनुकूल बल्लेबाज

दोनों बल्लेबाजों में कोहली सभी प्रारूपों के अधिक अनुकूल बल्लेबाज हैं . जिन्होंने खेल के बदलते स्वरूप के साथ अधिक सहजता से अनुकूलन किया है .उन्होंने क्रिकेट की दुनिया में हर जगह रन बनाए हैं जो सचिन तेंदुलकर के सुनहरे दिनों के बाद शायद ही कभी देखा गया हो. रोहित ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपनी अलग पहचान बनाई लेकिन मुंबई का यह बल्लेबाज अपने करियर में अधिकांश समय टेस्ट क्रिकेट में वह सफलता हासिल नहीं कर पाया. करियर के दूसरे हाफ में सलामी बल्लेबाज की भूमिका में हालांकि रोहित ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया. लेकिन अभी के लिए कोहली और रोहित को टी20 विश्व कप में भारत के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रारूप में अपने विशाल अनुभव पर निर्भर रहना होगा .रोहित निश्चित रूप से पारी का आगाज करेंगे और अगर पिछले साल के विश्व कप और हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल को संकेत माना जाए तो कप्तान अपना निस्वार्थ, आक्रामक रवैया जारी रखेंगे.

रोहित शर्मा बड़े शॉट खेलने में हैं माहिर

रोहित में बड़े शॉट खेलने की क्षमता है जिससे उन्हें मदद मिलेगी. उनका एक पैर पर वजन डालकर पुल शॉट खेलना किसी को भी आकर्षित कर सकता है. लेकिन कोहली का खेल थोड़ा अलग है. वह कभी-कभार बड़ी हिट लगा सकते हैं लेकिन उन्हें अक्सर स्पिन के खिलाफ जूझना पड़ता है, विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ. टी20 में धीमे गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर स्ट्राइक रेट 120 के आसपास रहता है .कई बार इसने बीच के ओवरों में उनकी प्रगति में बाधा डाली लेकिन इस साल के आईपीएल के दौरान उन्हें इसका समाधान मिल गया.

स्पिनरों के खिलाफ प्रदर्शन रहा है बेहतर

उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ स्लॉग स्वीप का इस्तेमाल किया. इसका उनके स्ट्राइक रेट पर अच्छा असर पड़ा क्योंकि कोहली ने 188 गेंदों पर 260 रन बनाए और स्पिनरों के खिलाफ 15 छक्के लगाए. स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 139 तक पहुंच गया जो उनके आईपीएल के 124 के समग्र स्ट्राइक रेट से काफी बेहतर है. यह कोहली के लिए टी20 विश्व कप में काम आ सकता है जहां पिचों के टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ धीमा होने की उम्मीद है जिससे स्पिनरों की अहमियत बढ़ती जाएगी .क्रिकेट के दायरे से परे दोनों दिग्गजों का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अंतिम प्रयास करना व्यक्तिगत रूप से और टीम के लिए एक आकर्षक दृश्य होगा.

सिंगापुर ओपन: पीवी सिंधू की जीत के साथ शुरुआत

सिंगापुर ओपन में शॉट लगातीं पीवी सिंधू.

एजेंसी। सिंगापुर

भारतीय शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को सिंगापुर ओपन 2024 के पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होजमार्क काजेर्सफेल्ट के खिलाफ आसान जीत हासिल की. सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में अपने डेनिश प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 22-20 से हराया. यह मैच 44 मिनट तक चला. खेल में शुरू से ही सिंधू का दबदबा रहा. उन्होंने पहला सेट आसानी से 21-12 से जीता. दूसरे सेट में होजमार्क ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधू ने 22-20 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली.इससे पहले रविवार को सिंधू को मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था. भारतीय शटलर महिला एकल के खिताबी मैच में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी से 21-16, 5-21 और 16-21 से हार गईं थीं. वहीं, वांग झी से मुकाबले से पहले मलेशिया मास्टर्स में सिंधू ने सेमीफाइनल मैच में बुसानन ओंगबामरुंगफान को 13-21, 21-16, 21-12 से हराया था. सिंधू 2023 स्पेन मास्टर्स के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं.

ब्रीफ खबरें

लिरेन से हारे प्रज्ञानानंदा वैशाली ने हंपी को हराया

स्टावेंगर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को यहां नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में सामान्य टाइम कंट्रोल में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ ड्रॉ के बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) टाई ब्रेकर बाजी में शिकस्त का सामना करना पड़ा. इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग के दूसरे दौर में एक बार फिर सभी तीन क्लासिकल बाजियां ड्रॉ रहीं. मैग्नस कार्लसन, अलीरेजा फिरोजा और लिरेन ने इसके बाद सफेद मोहरों से आर्मागेडोन बाजी खेलते हुए जीत दर्ज की और 1.5 अंक जुटाए.

भारत की अरूंधति ने प्री क्वाफा में बनाई जगह

बैंकॉक। गत राष्ट्रीय चैंपियन अरूंधति चौधरी ने बुधवार को यहां दूसरे मुक्केबाजी विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में आसान जीत के साथ 66 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंदर बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए. अरूंधति ने पुएर्टो रिको की स्टेफनी पाइनेइरो को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया जबकि नरेंदर को इक्वाडोर के गेरलोन गिलमार कॉन्गो चाला के खिलाफ 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा.

फ्रेंच ओपन: जोकोविच ने ह्यूजेस हर्बर्ट को हराया

मोनशेनग्लाबाख (जर्मनी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को यूरोप दौरे पर जर्मनी के खिलाफ करीबी मुकाबले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा.मंगलवार को हुए इस मुकाबले में भारत के लिए योगेंबर रावत और गुरजोत सिंह ने गोल दागे. पहले क्वार्टर में कड़ा मुकाबला देखने को मिला. दोनों टीमों के पास पेनल्टी कार्नर के जरिए बढ़त बनाने का मौका था लेकिन दोनों टीमों को नाकामी हाथ लगी जिससे पहला क्वार्टर गोल रहित रहा. दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में ही जर्मनी ने मैदानी गोल के जरिए बढ़त बना ली.

भारत को टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड पर कभी जीत नहीं मिली

टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में भारत की राह में होंगे कई कांटे

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत एक जून के अमेरिका और कनाडा के मैच के साथ होगी. इस बार टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा ले रही है और इसका फॉर्मेट पिछले टूर्नामेंट से काफी अलग है. 20 टीमों को इस बार 5-5 के चार ग्रुप में बांटा गया है. सभी टीमें अपने ग्रुप की अन्य 4 टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी. अंत में टॉप-2 पर रहने वाली टीमों को सुपर-8 में एंट्री मिलेगी. भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है.

सुपर-8 की टॉप-2 को सेमीफाइनल में मिलेगी जगह : अगर इनकी जगह कोई अन्य टीम सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करती है, तो वे उस टीम की जगह ले लेगी जो यहां नहीं पहुंच पाएगी.

सुपर 8 में भी हर टीम अपने ग्रुप में एक बार दूसरों के साथ खेलेगी. यहां भी टेबल में टॉप-2 पर रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में जगह मिलेगी. सेमीफाइनल ग्रुप एक में पहले और ग्रुप 2 में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम के बीच होगा.वहीं दूसरा सेमीफाइनल ग्रुप 2 में टॉप पर रहने वाले टीम ग्रुप 1 के दूसरे नंबर की टीम से भिड़ेगी. अगर खराब मौसम के कारण कोई भी सेमीफाइनल नहीं हो पाता है, तो सुपर 8 में ऊपर रहने वाली टीम को फाइनल में जगह मिलेगी.

सुपर-8 में भारत के सामने मुश्किल चुनौती

भारतीय टीम सुपर-8 में जगह बनाती है तो उसके सामने मुश्किल चुनौती रहने वाली है. यदि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम सुपर 8 में पहुंच जाती हैं, वहां उसके ग्रुप को पहले से निर्धारित कर दिया गया है. टीम टेबल में पहले या दूसरे नंबर पर रहेगी तो भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा. भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीम हो सकती है. भारत को टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ कभी जीत नहीं मिली है.

टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप इस प्रकार हैं

ग्रुप ए : भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, यूएसए

ग्रुप बी : इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड, ओमान

ग्रुप सी : न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी

ग्रुप डी : दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड, नेपाल

सुपर 8 ग्रुप ऐसा दिख सकता है

ग्रुप 1 : भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका

ग्रुप 2 : पाकिस्तान, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका

सुपर-8 में भारत का संभावित शेड्यूल

भारत vs न्यूजीलैंड - 20 जून

भारत vs श्रीलंका - 22 जून

भारत vs ऑस्ट्रेलिया - 24 जून

टी-20 विश्व कप : वार्मअप मैच में उलटफेर का शिकार हुई श्रीलंका

श्रीलंका के विरुद्ध विकेट लेने के बाद जश्न मनाते नीदरलैंड के खिलाड़ी.

नीदरलैंड ने 20 रन से हराया

एजेंसी। फ्लोरिडा

नीदरलैंड्स ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले बड़ा उलटफेर कर दिया है. उसने वार्मअप मैच में 2014 के टी20 वर्ल्ड कप विजेता श्रीलंका को हरा दिया. दोनों टीमों का यह मुकाबला फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड पर खेला गया. श्रीलंका के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. उनकी टीम को मुकाबले में 20 रनों से हार झेलनी पड़ी.

नीदरलैंड के बल्लेबाजों का बल्ला बोला

नीदरलैंड ने इस मैच में बेहतरीन बैटिंग की. 20 साल के डच ओपनर माइकल लेविट ने शानदार प्रदर्शन किया और 28 गेंदों पर 55 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने रिटायर होने का फैसला किया. उन्होंने अन्य बल्लेबाजों को मौका देने के लिए ऐसा किया. कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स और तेजा निदामनुरू ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, दोनों ने 27 रन बनाए. इन पारियों की मदद से टीम निर्धारित ओवरों में 181/5 के कुल स्कोर तक पहुंच पाई. नुवान तुषारा और दिलशान मदुशंका ने अपने 4-4 ओवर के स्पेल में 48 और 39 रन दिए. हालांकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलाल्गे ने 4 ओवर में 26 रन देकर एक विकेट लिए.

गेंदबाजों के सामने नहीं चले श्रीलंका के बल्लेबाज

नीदरलैंड की सटीक बॉलिंग के सामने श्रीलंका का टॉप ऑर्डर लड़खड़ा गया. पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिंडू मेंडिस ने मिलकर 20 गेंदों पर केवल 14 रन बनाए. कप्तान वानिंदु हसरंगा ने 15 गेंदों पर 43 और दासुन शनाका ने 20 गेंदों पर 35* रनों की तेज पारी खेली. लेकिन इन दोनों के अलावा किसी का बल्ला नहीं चला और श्रीलंका की पारी नौ गेंद शेष रहते 161 रन पर ढेर हो गए. युवा ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने 20 रन देकर तीन विकेट झटके.

ऑफिस लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का लीग मैच

सेल ने मेकॉन को हराया

संवाददाता। रांची

जेएससीए द्वारा आयोजित ऑफिस लीग टूर्नामेंट के एक मुकाबले में सेल रांची की टीम ने मेकॉन की टीम को बुरी तरह हराया. सेल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर ताबड़तोड़ 218 रन बनाये, जिसके जवाब में मेकॉन की टीम 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 160 रन ही बना पाई. सेल टीम के विकेटकीपर कप्तान पंकज कुमार ने सात छक्के और पांच चौके की मदद से 33 गेंदों में 80 रन बनाये. ओपनर शिखर मोहन ने 52 गेंदों पर 79 रन बनाये. इससे पहले सेल टीम लीग के पहले मैच में गुरदेव प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन की टीम को भी हरा चुकी है. सेल टीम का अगला मुकाबला रामसन डेवलेपर्स की टीम से गुरुवार को होगा.

पंकज कुमार

झारखंड ओपन पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस डेडलिफ्ट प्रतियोगिता रांची में 23 जून को

संवाददाता। रांची

23 जून को रांची में बीस्ट क्लासिक के तत्वाधान में झारखंड ओपन पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस, डेडलिफ्ट, आर्म रेसलिंग और पुशअप्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. प्रतियोगिता का आयोजन तुपुदाना के ब्लेसिंग्स बैंक्वेट हॉल में किया जायेगा. इसमें झारखंड के अलावा बाहर के भी खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे. जिसमें पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट, पुशअप्स पुरुष वर्ग में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग और महिला ओपन वर्ग में खेला जाएगा. वहीं आर्म रेसलिंग केवल पुरुष वर्ग में खेला जाएगा. जीतने वालों को इनाम भी दिया जायेगा. इनाम के तौर पर नकद पुरस्कार होगा, जो पुरुष सीनियर में 10 हजार, जूनियर सब जूनियर और महिला वर्ग में 5-5 हजार निर्धारित किया गया है. इसके साथ ही प्रो वुल्फ ब्रांड का जूता, ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट, शेकर, टी-शर्ट और भी गिफ्ट हैंपर दिए जायेंगे. प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर बॉडी बिल्डिंग में 8 बार जीतने वाले मिस्टर झारखंड प्रशांत सिंह, बॉडी बिल्डिंग में 5 बार मिस्टर झारखंड का खिताब जीतने वाले मन्नू रवि, राजीव रंजन, आदिल अख्तर, जीतेंद्र कुमार, जीशु प्रधान जी, रत्नेश कुमार, अविनाश कुमार, ओंकार मिश्रा, इमाम जी, आदित्य शामिल रहेंगे.

टी-20 विश्वकप से पहले द. अफ्रीकी टीम में नस्ली कोटा पर बहस शुरू

- डिविलियर्स ने कहा- इसमें कुछ भी नया नहीं
- टीम में सिर्फ एक अश्वेत खिलाड़ी लुंगी एनगिडी

एजेंसी। नयी दिल्ली

एबी डिविलियर्स इस बात से हैरान नहीं हैं कि दक्षिण अफ्रीका के पहली बार विश्व कप जीतने के अभियान को शुरू करने से कुछ दिन पहले स्वदेश में सिर्फ टीम में नस्ली कोटा को लेकर बात चल रही है. इस तरह की स्थिति पहले भी रही है और 2018 में संन्यास लेने वाले डिविलियर्स को खुशी है कि अब वह इस स्थिति के महज दर्शक हैं.दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक डिविलियर्स ने एक न्यूज एजेंसी से कहा,'इस पर ध्यान केंद्रित करते हुए टूर्नामेंट में जाना शर्मनाक है. मेरा मतलब है कि यह कोई नई बात नहीं है, यह सिर्फ एक शर्म की बात है.'चालीस साल के डिविलियर्स ने कहा, 'सौभाग्य से इस बार मेरा वहां कुछ भी लेना-देना नहीं है. मैं सिर्फ एक दर्शक हूं. एक जून से कैरेबिया और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में सिर्फ एक अश्वेत अफ्रीकी खिलाड़ी की मौजूदगी है.

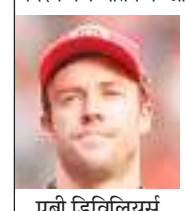

एबी डिविलियर्स

द. अफ्रीका का आठ जून को पहला मैच

द. अफ्रीका आठ जून को न्यूयॉर्क में नीदरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा. वर्ष 2016 में शुरू की गई नीति के अनुसार एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है जिसमें दो अश्वेत अफ्रीकी समुदाय के खिलाड़ी भी शामिल हैं. टी20 विश्व कप टीम में कागिसो रबादा एकमात्र अश्वेत अफ्रीकी हैं इसलिए राष्ट्रीय टीम अपने लक्ष्य से चूकने वाली है. एक अन्य अश्वेत अफ्रीकी लुंगी एनगिडी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं.

द. अफ्रीका के पास कोई चयन समिति नहीं

'फिलहाल क्रिकेट द. अफ्रीका के पास चयनकर्ताओं की कोई समिति नहीं है और टीम का चयन मुख्य कोच शुकरी कॉनराड (टेस्ट) तथा रॉब वॉल्टर द्वारा किया जाता है. डिविलियर्स ने कहा, 'कभी-कभी ऐसी चीजें होती हैं . यह आपको चयन पैनल और कोच तथा कप्तान के रूप में थोड़ा दबाव में डाल देती हैं.'उन्होंने कहा, 'जहां तक मुझे याद है यह कोटा प्रणाली के साथ एक औसत टीम है, पूरे सत्र में औसत प्रदर्शन और वे वास्तव में हर श्रृंखला को नहीं देखते हैं .

टी-20 विश्वकप अभ्यास मैच में मुख्य चयनकर्ता, मुख्य कोच व सहयोगी स्टॉफ मैदान में उतरे

खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही टीम ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी। पोर्ट ऑफ स्पेन

खिलाड़ियों की कमी के कारण ऑस्ट्रेलिया को नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में मुख्य चयनकर्ता और मुख्य कोच सहित सहयोगी स्टाफ के चार सदस्यों को मैदान पर उतराना पड़ा लेकिन इसके बावजूद टीम ने आसान जीत दर्ज की.

ऑस्ट्रेलिया ने डेविड वार्नर की 21 गेंद में नाबाद 54 रन की पारी के अलावा फिट हो चुके जोश हेजलवुड (पांच रन पर दो विकेट) तथा लेग स्पिनर एडम जंपा (25 रन पर तीन विकेट) की प्रभावी गेंदबाजी से सात विकेट से जीत दर्ज की. टीम ने नामीबिया के 119 रन के लक्ष्य को 10 ओवर शेष रहते हासिल कर लिया. दो महीने लंबे आईपीएल में हिस्सा लेने के बाद पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, मिशेल स्टार्क, कैमरन ग्रीन, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल को स्वदेश में ब्रेक दिया गया है और ऐसे में मुख्य चयनकर्ता और पूर्व कप्तान जॉर्ज बैली तथा मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर उतरना पड़ा.

बैली और मैकडोनाल्ड के अलावा 46 साल के क्षेत्ररक्षण कोच आंद्रे बोरोवेच को भी क्षेत्ररक्षण के लिए आना पड़ा. ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. मार्श और हेजलवुड जब ड्रेसिंग रूम में लौटे तो मैकडोनाल्ड और 49 साल के बल्लेबाजी कोच ब्रेड हॉज को मैदान पर आना पड़ा.तीन महीने में अपना पहला मैच खेलने वाले हेजलवुड अच्छी लय में दिखे. हेजलवुड ने मंगलवार को मैच के बाद क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा,'बेशक हमारे पास पूरे खिलाड़ी नहीं थे लेकिन जो खिलाड़ी खेले उनमें से संभवतः कुछ को बड़े ब्रेक के बाद मैच खेलने की जरूरत थी.'ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान कमिंस, हेड और स्टार्क चेन्नई में रविवार को हुए आईपीएल फाइनल का हिस्सा थे.

वार्मअप मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच और चयनकर्ता.

भारत ने किया विश्व चैंपियनशिप मैच की मेजबानी का दावा

नयी दिल्ली। भारत ने डी गुकेश और मौजूदा चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन के बीच इस साल नवंबर दिसंबर में होने वाले विश्व शतरंज चैम्पियनशिप मुकाबले की मेजबानी की दावेदारी कर दी है. सत्रह वर्ष के गुकेश पिछले महीने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बने. वह 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच लिरेन का सामना करेंगे और अगर भारत को मेजबानी मिल जाती है तो यह मुकाबला चेन्नई में होगा. फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की ने पीटीआई से कहा ,'' हमें भारत से मेजबानी की दावेदारी मिल गई है .' अभी तक किसी और ने दावेदारी नहीं की है और इसके लिये समय सीमा 31 मई तक की है .

ब्रीफ खबरें

लूटकांड का आरोपी हुआ गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के घोंघा थाना क्षेत्र के विषहरी स्थान के पास बीते 26 मई को हुए लूटकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है. उक्त आशय की जानकारी बुधवार को सिटी एसपी श्रीराज ने दी. सिटी एसपी ने बताया कि घोघा थानान्तर्गत विषहरी स्थान के पास 26 मई को भागलपुर के एक व्यक्ति के साथ तीन-चार अज्ञात अपराधियों द्वारा 5 लाख 50 रुपया लुट लिया गया था. गिरफ्तार अभियुक्तों में पिंटू मंडल उर्फ पिन्टा और दो विधि विरूद्ध बालक शामिल है. पिंटू मंडल का आपराधिक इतिहास रहा है.

यौन शोषण मामले में बीस साल की सजा

अररिया। अररिया अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्टम सह पॉस्को मामलों के विशेष न्यायाधीश अजय कुमार के कोर्ट ने साढ़े तीन साल पुराने मामले में प्रेमी को बीस साल की सश्रम कारावास की सजा और 50 हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है. मामला प्रेम जाल में नाबालिग लड़की को फंसा कर गर्भवती बनाने के बाद प्रेमी द्वारा उसका गर्भपात कराने का है. सजा सुनाया जाने वाला प्रेमी ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के देवनारायण सिंह के 27 वर्षीय पुत्र त्रिलोक कुमार है. हालांकि मामले में दोषी ठहराए गए पिता को भी आरोपित किया गया था लेकिन साक्ष्य के अभाव में कोर्ट ने पिता को बरी कर दिया.

औरंगाबाद में पेड़ से लटका मिला शव

औरंगाबाद । औरंगाबाद के हसपुरा थाना क्षेत्र के टाल टोला के रामजीवन बिगहा में एक 21 वर्षीय युवक की पेड़ में टंगी लाश को पुलिस ने बरामद की है. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया है. पुलिस को पेड़ से लटके शव की सूचना ग्रामीणों ने दी. मामला प्रेम प्रसंग में हुई हत्या का बताया जा रहा है. युवक की पहचान हसपुरा थाना क्षेत्र के चनहट गांव निवासी लाल मोहन चौधरी के पुत्र रूपेश कुमार के रूप में की गई है. सदर अस्पताल में पुलिस के साथ रूपेश के शव का पोस्टमार्टम कराने आए उसके पिता ने बताया कि उनका पुत्र सोमवार की शाम छह बजे घर से निकला था.

राजनाथ सिंह ने काराकाट लोस क्षेत्र से राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में किया चुनावी सभा, बोले-

जब बत्ती भभकती है तब लोग समझ जाते हैं लालटेन बुझेगी

- हमसे अधिक महंगाई अमेरिका में है, पाकिस्तान और श्रीलंका में तो महंगाई दर काफी अधिक है.

संवाददाता ।पटना

बिहार में काराकाट लोकसभा क्षेत्र से राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में बुधवार को चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजद की लालटेन कितनी रोशनी देगी. ज्यादा से ज्यादा एक कमरे में रोशनी दे सकती है. लालटेन का तेल अब

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

समाप्त हो रहा है. जब बत्ती भभकती है तब लोग समझ जाते हैं कि लालटेन बुझने वाली है. राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने 52 वर्षों तक हुकूमत की. इसके बाद भी भारत को जहां ले जाना चाहिए था नहीं ले जा सकी. आज भारत दुनिया के मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है. ये हैसियत बनी है. उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे कम यदि महंगाई है तो वह भारत में है. खाद्य महंगाई सबसे कम है. हमसे अधिक महंगाई अमेरिका में है. पाकिस्तान और श्रीलंका की महंगाई दर तो काफी अधिक है. उन्होंने महंगाई दर के आंकड़े भी जारी किए. रक्षा मंत्री ने कहा कि आप हमारी बात को काट सकते हैं तो काट दीजिए. गलती होगी तो स्वीकार कर लूंगा. हमलोगों ने जो कहा वो किया. धारा 370 खत्म करने की बात कही वो करके दिखाया. भारत में राम राज्य का आगाज होकर रहेगा. जिस दिन लोगों को अपने कर्तव्य का बोध हो जायेगा उसी दिन मान लूंगा कि भारत में राम राज्य आ गया. हम धर्म की राजनीति नहीं, बल्कि इंसाफ और इंसानियत की करते हैं. किसी धर्म के लोगों की मां बहन बेटी हमारी भी मां बहन बेटी है.

राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सत्ता में हैं लेकिन शासक के रूप में नहीं, बल्कि सेवक के रूप में काम करते हैं. दूसरे दल के लोग शासक बन जाते हैं. आज भारत की ताकत यह कि सीमा के इस पार मारते ही हैं, जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार भी जाकर मार सकते हैं. शादी-ब्याह रिश्ता जाति के आधार पर होती है. कोई दूसरी जगह भी कर लेता है, तो कोई आपत्ति नहीं लेकिन राजनीति देश के लिए होती है. आप सभी देश के लिए वोट दें. साथ ही कहा कि अब देश में आतंकवादी घटनाएं न के बराबर होती हैं. सब बंद है.

पत्रकारों से बातचीत में बोले चिराग पासवान

झूठ-भ्रम फैलाने वाले चार जून के बाद मटन पार्टी ही करेंगे

संवाददाता ।पटना

बिहार में भीषण गर्मी के बीच सियासी तापमान भी बढ़ा हुआ है. क्योंकि,

राज्य में आखिरी चरण का चुनाव एक जून को होगा. इस बीच पटना में पत्रकारों से बातचीत में बुधवार को चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की लंच पार्टी पर तंज कसा. चिराग ने कहा कि चार जून अब अधिक दूर नहीं है. एनडीए बिहार की सभी 40 सीटों सहित देशभर में 400 सीटें जीत रही है लेकिन जो लोग झूठ और भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं वे अब मीट और मटन पार्टी ही करेंगे. क्योंकि, उनके पास कोई और काम बचेगा ही नहीं.

उन्होंने पीएम मोदी को लेकर कहा कि भगवान ने और इस देश के 140 करोड़ जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दिया है. इस आशीर्वाद का देन है कि आज उन्होंने देश की जनता को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है लेकिन यह बात कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन वाले नहीं समझ पाएंगे.

मुजफ्फरपुर से 13 मई को तीन लड़कियां लापता हुई थीं

मथुरा में लापता तीन लड़कियों ने ट्रेन से कटकर कर ली खुदकुशी

संवाददाता ।पटना

मुजफ्फरपुर (योगिया मठ इलाका) से 13 मई को एक साथ तीन लड़कियां लापता हुई थीं. तीनों लड़कियों ने यूपी के मथुरा में ट्रेन से कटकर एकसाथ आत्महत्या कर ली है. बताया जाता है कि इनमें से एक लड़की ने अपने घर पर एक पत्र छोड़ा था, जिस पर लिखा था कि हम परमात्मा से मिलने जा रहे हैं, हमें खोजने की जरूरत नहीं है. मथुरा में तीन शव मिलने के बाद अब पुलिस इस मामले को सुलझाने की कवायद में जुट गयी है.

लड़की ने पत्र में लिखा है कि हम लोगों को बाबा ने बुलाया है. हम लोग हिमालय जा रहे हैं. हमें खोजने की कोशिश न करें. यदि खोजने की कोशिश की गयी तो जहर पी लेंगे. हम लोगों ने जहर खरीद लिया है. 13 मई को मुजफ्फरपुर के योगिया मठ इलाके की रहने वाली तीन लड़कियों के अचानक गायब हो जाने से तीनों के घरवाले काफी परेशान हो गये. घटना के 10 दिन बाद नगर थाना में एफआईआर दर्ज की गयी. पुलिस ने छानबीन शुरू की तो. लड़कियों के फोन की लोकेशन उत्तर प्रदेश में मिली.

पुलिस को तीनों मृतकों के हाथ पर मेहंदी लगी मिली : पुलिस उनकी तलाश में लगी हुई थी कि 26 मई को एक खबर मिली कि यूपी के मथुरा में बाजना पुल के पास रेलवे ट्रैक पर तीन लड़कियों के शव बरामद हुए हैं. पुलिस को तीनों मृतकों के हाथ पर मेहंदी लगी मिली. एक किशोरी के हाथ पर मेंहदी से एसबीजी लिखा हुआ मिला. उनके कपड़ों से मुजफ्फरपुर के टेलर का टैग लगा हुआ मिला. जिसके बाद आशंका जताई गयी कि तीनों लड़कियां बिहार की रहने वाली हैं. यह सूचना मिलने के बाद मुजफ्फरपुर पुलिस की एक टीम परिजनों को लेकर मथुरा पहुंची.

तीनों का अंतिम संस्कार मथुरा में कर दिया गया : तीनों शवों की परिजन ने पहचान कर ली. मृत छात्राओं के नाम माया, गौरी और माही बताया गया. जानकारी के अनुसार घर से निकलने के समय माया और माही के पास मोबाइल थे. हालांकि मथुरा में रेलवे ट्रैक से शव के पास मोबाइल नहीं मिले. उनके बैग एवं अन्य सामान ट्रैक के पास ही पाये गये. मंगलवार शाम शिनाख्त और पोस्टमार्टम के बाद तीनों का अंतिम संस्कार मथुरा में ही कर दिया गया.

मालगाड़ी के पायलट ने कहा, आपस में हाथ पकड़े तीनों आ गयी ट्रेन के सामने : मालगाड़ी के पायलट शिव कुमार घटना का चश्मदीद गवाह है. उसने ने पुलिस को बताया है कि वह मथुरा-दिल्ली रूट पर ट्रेन ले जा रहा था, तभी तीनों छात्राएं एक दूसरे का हाथ पकड़कर सामने आ गयी. ट्रेन लगभग 90 मीटर की दूरी पर रही होगी. शिव कुमार ने कहा कि उसने ब्रेक लगाये, लेकिन ट्रेन वहां नहीं रुक सकी और तीनों ट्रेन से कट गईं. ट्रेन रुकने के बाद गार्ड ने उतरकर देखा तो तीनों की मौत हो चुकी थी.

गया में चलती ट्रेन के सामने आई युवती, हालत गंभीर

गया । गया में पटरी पर चली आ रही ट्रेन के सामने आई युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी. घटना की सूचना के बाद रेल पुलिस मौके पर पहुंच कर घायल युवती को अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया. जहां डाक्टरों द्वारा इलाज किया जा रहा है. लेकिन, युवती की हालत नाजुक है. लोगों का मानें तो युवती आत्महत्या करने के लिए ट्रेन के सामने आई थी. युवती की हालत नाजुक बनी हुई है. मिली जानकारी के मुताबिक गया-कोडरमा ग्रैंडकॉर्ड रेलखंड पर बुधवार की अहले सुबह एक युवती ट्रेन की चपेट में आ गई. उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है.

पांच लड़कों ने किया महिला से गैंगरेप

पीड़ित महिला का वीडियो बनाया, दे रहा था धमकी

संवाददाता ।मधुबनी

मधुबनी जिले के झंझारपुर थाने क्षेत्र से मानवता को तार-तार कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां दो बच्चों की मां के साथ गैंगरेप की बड़ी घटना को अंजाम दिया गया. मामला एक हफ्ते पहले का बताया जा रहा है. जिसमें तीस वर्षीय विवाहित महिला के साथ पांच आवारा लड़कों ने सामूहिक बलात्कार किया. साथ ही बलात्कार के आरोपियों ने मोबाइल से वीडियो भी बनाया और पीड़ित महिला को वीडियो वायरल कर देने की धमकी दी.

पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है. आरोपी ने पीड़ित महिला को धमकी दिया कि अगर इस बात की शिकायत पुलिस या अन्य लोगों से की तो यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा. तुम्हारे साथ बहुत बुरा होगा. थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में पुलिस को आवेदन मिलने के बाद पीड़िता का मेडिकल भी कराया गया है. साथ ही पुलिस की कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. अन्य चार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी के साथ छानबीन जारी है.

घर लौट रही महिला को दो लड़के बाइक से उठा ले गये थे

वारदात 21 मई की रात की बताई गई है. घटना उस वक्त हुई जब रात को काम खत्म करके पीड़ित महिला अपने घर जा रही थी, तभी झंझारपुर के लगड़ा चौक से दो लड़के जबरन महिला के मुंह पर रूमाल रख कर बाइक पर बैठा कर सुनसान जगह पर ले गए. वहां पर तीन लड़के पहले से ही मौजूद थे. वायरल वीडियो में सभी आरोपियों की उम्र 20-25 साल है. सभी दरिंदों ने महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया और फिर वीडियो भी बना लिया. पीड़िता ने सामाजिक लोकलज्जा के कारण 21 तारीख मंगलवार से लेकर 27 तक घटना को छुपाया और घर से बाहर नहीं निकली, लेकिन जब अपराधियों ने वीडियो को वायरल कर दिया.

जदयू मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष समेत 53 लोगों पर सीसीए लगा

नालंदा । लोकसभा चुनाव को लेकर नालंदा जिला प्रशासन की ओर से सीसीए के तहत 53 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. इसमें दो लोग जिला बदर किए गए हैं. नालंदा के डीएम शशांक शुभंकर की ओर से यह निर्णय लिया गया है. 53 लोगों में जदयू के एक नेता का भी नाम है जिसको लेकर चर्चा हो रही है. जदयू मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष रिशु कुमार पर भी सीसीए के तहत कार्रवाई हुई है. नालंदा में अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है.

कोर्ट ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर लगाई रोक

पटना । पटना हाईकोर्ट ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर फिलहाल रोक लगा दी है. इतना ही नहीं कोर्ट ने प्लस 2 स्कूल के अतिथि शिक्षक को वेटेज देने के मामले पर आदेश जारी किया है. कोर्ट ने हर साल के आधार पर पांच नंबर और पांच साल के आधार पर 25 नंबर को महत्व देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि पिछड़ा और अति पिछड़ा विभाग के शिक्षकों को वेटेज मिल रहा है. बिहार लोक सेवा आयोग की ओर ली गई शिक्षक भर्ती में इन्हें हर साल के आधार पर पांच नंबर का वेटेज मिलता है. अतिथि शिक्षक और पिछड़ा व अति पिछड़ा विभाग के शिक्षक दोनों पढ़ाने का ही काम करते हैं. इसलिए अतिथि शिक्षक को भी वेटेज मिलना चाहिए. बता दें कि तीसरे चरण में 87, 722 पदों पर वैकेंसी निकली थी. 15 मार्च को बीपीएससी ने परीक्षा लिया था. इसके बाद पेपर लीक होने के आरोप लगा. जांच के बाद 20 मार्च को बिहार लोक सेवा आयोग ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया.

कारोबार

सुजलॉन को मिला विंड एनर्जी प्रोजेक्ट का ठेका

नयी दिल्ली । सुजलॉन समूह को आदित्य बिड़ला समूह से 551.25 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. सुजलॉन समूह ने एक बयान में कहा कि यह परियोजना राजस्थान और गुजरात में दो स्थानों पर क्रियान्वित की जाएगी. सुजलॉन समूह के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती ने कहा कि हमें इस ठेके के लिए आदित्य बिड़ला समूह के साथ एक बार फिर साझेदारी करके खुशी है. आदित्य बिड़ला समूह के साथ सुजलॉन राष्ट्र निर्माण के मूल्य को साझा करता है.

यूलर ने अतिरिक्त 200 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी यूलर मोटर्स ने 'सीरीज सी' वित्त पोषण चक्र में अतिरिक्त 200 करोड़ रुपये जुटाए हैं. कंपनी ने एक बयान में कहा, ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट, ब्लूम वेंचर और नए निवेशक पिरामल अल्टरनेटिव्स इंडिया एक्सेस फंड जैसे मौजूदा निवेशकों ने इस वित्त पोषण चक्र का नेतृत्व किया. बयान में कहा गया, कंपनी ने 'सीरीज सी' वित्त पोषण चक्र में निवेशकों से कुल 570 करोड़ रुपये जुटाए हैं.

डेलॉइट ने खोला फिजिटल नावाचार केंद्र

बेंगलुरु । सबसे बड़े व्यावसायिक सेवा नेटवर्क डेलॉइट ने बेंगलुरु में अपनी तरह का पहला 'फिजिटल' नवाचार केंद्र खोला है. यह फिजिटल (फिजिकल डिजिटल) नवाचार केंद्र व्यवसायों को लागत कम करने और दक्षता बढ़ाने में मदद करने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट समाधान प्रदान करता है. डेलॉयट इंडिया के साझेदार और रणनीति, नवाचार व संपत्ति प्रमुख अश्विन वेलोडी ने कहा कि नवाचार एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (डीसीआईटी) का मकसद ग्राहकों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नए तथा टिकाऊ तरीके खोजने में मदद करना और 'नवाचार की संस्कृति' को बढ़ावा देना है. वेलोडी ने कहा कि डीसीआईटी एक प्रौद्योगिकी-आधारित परियोजना है. यह केंद्र 12,500 वर्ग फुट में फैला हुआ है.

रिलायंस हर महीने तीन मिलियन बैरल रूसी कच्चे तेल का आयात करेगी

रिलायंस ने रोसनेफ्ट से मिलाया हाथ

भाषा ।नयी दिल्ली

आज दुनियाभर में कच्चे तेल की भारी मांग है. इस मामले में रूस कच्चा तेल का बड़ा केंद्र माना जाता है. यही वजह है कि चाहे भारत हो या पश्चिमी देश सभी कच्चे तेल के लिए रूस की तरफ नजर गड़ाए रहते हैं. यह अलग बात है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे जंग के बीच अमेरिका और यूरोपीय देशों के लिए रूस से तेल सीधा खरीदने का रास्ता बंद है. तेल की इसी मांग को देखते हुए भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ एक साल के लिए करार किया है. इस करार के तहत रिलायंस हर महीने कम से कम तीन मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) का आयात करेगी. पेमेंट रूस की करेंसी रूबल में किया जाएगा. तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक दो जून को मीटिंग करेंगे. इसमें ये तेल सप्लाई में कटौती जारी रखने कर निर्णय ले सकते हैं. ऐसे में रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस डील की वजह से रियायती कीमत पर तेल मिलते रहने में मदद मिलेगी.

जहां तक रिलायंस इंडस्ट्रीज की बात है तो यह मार्केट कैप के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है. कंपनी का मार्केट कैप 19.69 लाख करोड़ रुपए है. वहीं रोसनेफ्ट भी रूस की तीसरी बड़ी कंपनी है. इसका मार्केट कैप करीब 7 लाख करोड़ रुपए (85 बिलियन डॉलर) है. ऐसे में दो बड़ी कंपनियों का तालमेल किसी कारोबार को गति देने के लिए बेहतर माना जा सकता है. वहीं भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है. 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदने पर बैन लगा दिया था. इसके बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है. भारत ने रूसी कच्चे तेल के लिए रुपये, दिरहम और चीन की करेंसी युआन में भी भुगतान किया है.

रोसनेफ्ट रूसी संघ की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है

बता दें कि रोसनेफ्ट रूस के सभी प्रमुख तेल और गैस क्षेत्रों में परिचालन करती है. जिनमें पश्चिमी और पूर्वी साइबेरिया, वोल्गा क्षेत्र, यूराल, सुदूर पूर्व, तिमानो-पेचोरा, क्रास्नोडार क्राय और रूसी अपतटीय क्षेत्र शामिल हैं. रोसनेफ्ट रूसी संघ की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है. कुल उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 40% से अधिक है. वर्ष 2022 में कंपनी का तरल उत्पादन 5.10 मिलियन बीओई प्रतिदिन तक पहुंच गया था. इसी समय, क्यू4 2022 में सखालिन-1 परियोजना में उत्पादन फिर से शुरू होने के कारण, औसत दैनिक हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़कर 5.50 मिलियन बीओई हो गया. रोसनेफ्ट रूस में सबसे बड़े स्वतंत्र गैस उत्पादकों में से एक है.

किया करार

- पेमेंट रूस की करेंसी रूबल में किया जाएगा
- रिलायंस का मार्केट कैप 19.69 लाख करोड़ रु.
- रोसनेफ्ट का मार्केट कैप 7 लाख करोड़ रुपये

एक आंकड़े के मुताबिक भारत ने 2020 में रूस से अपनी जरूरत का सिर्फ 2% कच्चा तेल खरीदा था. रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से ठीक पहले 2021 में टोटल सप्लाई 16% हो गई और 2022 में सप्लाई बढ़कर 35% तक पहुंच गई. फिलहाल भारत रूस से अपनी जरूरत का 40% क्रूड ऑयल खरीद रहा है. भारत की टोटल व्यापार वैल्यू में क्रूड ऑयल का हिस्सा एक तिहाई है. यानी भारत जो कुछ भी बाहर से इंपोर्ट करता है उसका करीब एक तिहाई हिस्सा क्रूड ऑयल होता है. बता दें कि यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया था. इसका फायदा दुनिया में क्रूड ऑयल के तीसरे सबसे बड़े इंपोर्टर भारत ने उठाया और यूरोप की जगह रूस से तेल का इंपोर्ट बढ़ा दिया था.

सिस्टम इंजीनियर के लिए रोजगार के अवसर हैं: लिंक्डइन

नयी दिल्ली । नए स्नातकों के लिए डिजाइन, एनालिटिक्स और प्रोग्रामिंग जैसे कौशल करियर में ढेरों अवसर खोल सकते हैं. अग्रणी पेशवर नेटवर्क लिंक्डइन के अनुसार, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सिस्टम इंजीनियर और प्रोग्रामिंग विश्लेषक में स्नातक डिग्री धारकों के लिए रोजगार के प्रमुख अवसर हैं. लिंक्डइन की करियर स्टार्टर 2024 रिपोर्ट के अनुसार, स्नातक डिग्री वाले युवा पेशेवरों के लिए यूटिलिटी सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है. नए स्नातकों को नियुक्त करने वाले अन्य शीर्ष उद्योगों में तेल, गैस व खनन, रियल एस्टेट, उपकरण किराया सेवाएं और उपभोक्ता सेवाएं शामिल हैं. रिपोर्ट में कहा गया, शैक्षिक पृष्ठभूमि से परे विभिन्न नौकरियां तेजी से बढ़ रही हैं. सामुदायिक व सामाजिक सेवा, कानूनी, विपणन और मीडिया व संचार जैसे क्षेत्रों में स्नातक डिग्री धारकों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं. लिंक्डइन करियर विशेषज्ञ एवं भारत की वरिष्ठ प्रबंध संपादक निराजिता बनर्जी ने कहा कि नौकरी बाजार में प्रवेश करना कठिन हो सकता है...खासकर करियर की शुरुआत में. उद्योग के रुझानों और मांग वाली नौकरियों से जुड़ी जानकारी से अवगत रहना तथा उन भूमिकाओं की खोज करना जो पहली बार में स्पष्ट नहीं लगतीं, विकल्पों को बढ़ा सकता है.

एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की रेटिंग को सकारात्मक किया

एजेंसी।नयी दिल्ली

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने भारत के साख (रेटिंग) परिदृश्य को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया है. साथ ही मजबूत वृद्धि और सरकारी व्यय की बेहतर गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा गया है. एसएंडपी ने कहा कि यदि भारत सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीति अपनाता है जिससे सरकार के बढ़े हुए कर्ज तथा ब्याज के बोझ में कमी आती है और आर्थिक जुझारू क्षमता बढ़ती है तो वह अगले दो साल में भारत की साख को बढ़ा सकती है. एसएंडपी ने कहा कि सकारात्मक परिदृश्य हमारे

इस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है कि निरंतर नीतिगत स्थिरता, गहन आर्थिक सुधार तथा उच्च बुनियादी ढांचा निवेश दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को बनाए रखेंगे. एसएंडपी ने भारत के लिए परिदृश्य को 'स्थिर' से संशोधित कर 'सकारात्मक' कर दिया है. साथ ही 'बीबीबी-' दीर्घकालिक और 'ए-3' अल्पकालिक विदेशी तथा स्थानीय मुद्रा सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है.

यूनिवर्सल वल्कन लाएगी 30 लियोनार्डो हेलीकॉप्टर

एजेंसी।नयी दिल्ली

यूनिवर्सल वल्कन एविएशन भारतीय बाजार विस्तार के लिए तैयार है और अगले तीन साल में देश में 30 लियोनार्डो हेलीकॉप्टर लाएगी. यूनिवर्सल वल्कन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (यूवीए) इटली स्थित लियोनार्डो हेलीकॉप्टर्स की भारत में वितरक है. दिल्ली स्थित यह कंपनी अगले तीन वर्षों में कुल 30 हेलीकॉप्टर लाएगी, जिनमें 16 नए और 14 पहले इस्तेमाल किए गए होंगे. यूवीए के बिक्री निदेशक करण सेठी ने बताया कि वर्तमान भारतीय बाजार विस्तार के लिए तैयार है और

एकल तथा दोहरे इंजन दोनों में उसका उत्पाद खंड फलता-फूलता रहेगा. यूवीए के साझेदार हरिंदर जीत सिंह कम्मार ने कहा कि शीघ्र ही पेश किए जाने वाला एडब्ल्यू09 मॉडल एकल इंजन वाले भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी मॉडल साबित होगा. इसका उद्देश्य अपनी कुशल वितरण प्रक्रिया के साथ शीघ्र डिलीवरी सुनिश्चित करना है.

खंडन पेटीएम में हिस्सेदारी खरीदने और बेचने के मामले से दोनों ने किया इनकार

इस अटकलबाजी का खंडन करते हैं: अडाणी ग्रुप

भाषा ।नयी दिल्ली

वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि वह अडाणी समूह को हिस्सेदारी बेचने के लिए कोई बातचीत नहीं कर रही है. अडाणी समूह ने भी ऐसी खबरों को गलत और असत्य करार दिया है. वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के पास पेटीएम का स्वामित्व है. उद्योगपति गौतम अडाणी के पेटीएम में संभावित हिस्सेदारी खरीदने के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा के साथ बातचीत करने संबंधी खबरों पर वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि यह केवल अटकलें हैं. कंपनी इस संबंध में कोई बातचीत नहीं कर रही है.

दूसरी ओर अडाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि हम इस आधारहीन अटकलबाजी का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं. यह पूरी तरह से गलत और असत्य है. मार्च के अंत तक विजय शेखर शर्मा के पास व्यक्तिगत हैसियत से पेटीएम की 9.1 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. विदेशी संस्था रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट के जरिए उनके पास 10.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. नियमों के उल्लंघन के कारण अपनी बैंकिंग इकाई को बंद करने के बाद से पेटीएम ने अपना करीब आधा बाजार मूल्य खो दिया है. इसके बाद से अधिग्रहण के संबंध में लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं. फरवरी में ऐसी खबरें आई थीं कि कंपनी अरबपति मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ बातचीत कर रही है, लेकिन दोनों ही कंपनियों ने इससे इनकार किया था. पेटीएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उपर्युक्त विषय के संदर्भ में हम स्पष्ट करते हैं कि उपर्युक्त खबर अटकलबाजी है और कंपनी इस संबंध में किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है. बता दें कि एक समाचार पत्र ने अपनी खबर में दावा किया था कि अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी वन97 कम्युनिकेशंस में हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं और शर्मा ने अहमदाबाद स्थित उनके कार्यालय में उनसे मुलाकात की. भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से 15 मार्च से रोक दिया था. फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया.

पेटीएम अडाणी

- वन 97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है
- वन97 ने कहा- अडाणी से हिस्सेदारी बेचने की बात नहीं

एसजेवीएन का मुनाफा दोगुना से 61.08 करोड़ रुपये अधिक हुआ

एजेंसी।नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एसजेवीएन का मार्च में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकीकृत मुनाफा दोगुना से अधिक बढ़कर 61.08 करोड़ रुपये हो गया है. असाधारण आय की वजह से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है. बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी. कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 17.21 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था. कंपनी के वित्तीय परिणामों में तिमाही के दौरान 103.84 करोड़ रुपये का असाधारण लाभ दिखाया है. हालांकि, कंपनी की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 582.78 करोड़ रुपये से घटकर 573.23 करोड़ रुपये रह गई. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध मुनाफा एक साल पहले के 1,359.30 करोड़ रुपये से घटकर 911.44 करोड़ रुपये रह गया.

ब्रीफ खबरें

थाईलैंड के पूर्व पीएम पर चलेगा मुकदमा

बैंकॉक । थाईलैंड के अभियोजकों ने बुधवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनवात्रा पर अन्य आरोपों में पैरोल पर रिहा होने के तीन महीने बाद राजशाही को बदनाम करने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा. अटॉर्नी जनरल कार्यालय के एक प्रवक्ता प्रयुत बेजरागुना ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि थकसिन पर अभी अभियोग नहीं चलाया जाएगा क्योंकि उन्होंने बुधवार को इस सबूत के साथ अदालत में अपनी पेशी स्थगित करने का अनुरोध किया है कि वह कोविड-19 से संक्रमित हैं.

द. अफ्रीका में चुनाव के लिए मतदान जारी

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका में बुधवार को आम चुनाव के लिए मतदान प्रारंभ हुआ. इसे देश का 30 वर्षों का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है. इन चुनाव में तीन दशक से प्रमुख रही 'अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस' (एएनसी) की प्रतिष्ठा दांव पर है. पार्टी ने दक्षिण अफ्रीका को रंगभेद के क्रूर श्वेत अल्पसंख्यक शासन से 1994 में बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई थी. सभी के लिए बेहतर जीवन के नारे के साथ रंगभेद को समाप्त करने का वादा करने वाली इस पार्टी के सामने असमानता, गरीबी और बेरोजगारी जैसी विकट समस्याएं हैं.

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया है. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के मद्देड थाना क्षेत्र के अंतर्गत बद्देपारा इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया है. उन्होंने बताया कि मद्देड थाना क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों को गश्त के लिए रवाना किया गया था रास्ते में ही नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी.

गेम जोन का एक और साझेदार गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने राजकोट स्थित 'टीआरपी गेम जोन' के एक और साझेदार को गिरफ्तार किया है जबकि एक अन्य आरोपी की हादसे में मौत हो गयी थी. अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि गेम जोन में पिछले सप्ताह लगी आग में 27 लोगों की मौत हो गयी थी. अब इस मामले के संबंध में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर पांच हो गयी है. राजकोट के पुलिस उपायुक्त पार्थराजसिंह गोहिल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गेम जोन चलाने वाली रेसवे इंटरप्राइज के एक साझेदार किरीट सिंह जडेजा को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया.

अभिनेत्री जायरा वसीम के पिता का निधन

नयी दिल्ल । फिल्म दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार में नजर आ चुकी अभिनेत्री जायरा वसीम के पिता जाहिद वसीम का निधन हो गया है. जायरा ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर मंगलवार को यह जानकारी दी. हालांकि, उन्होंने अपने पिता की मौत के कारण का खुलासा नहीं किया. अभिनेत्री ने बताया कि पिता की याद में अंतिम नमाज श्रीनगर की एक मस्जिद में अदा की गई. उन्होंने अपने पिता के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा की और लिखा, आंखें सच में रोती हैं और दिल सच में दुखी होता है.

चुनावी सभा में शामिल महिलाएं.

ओडिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूछा

नवीन बाबू की तबीयत खराब होने के पीछे कोई षड्यंत्र तो नहीं

एजेंसी । बारीपदा (ओडिशा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य में अचानक आई गिरावट के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए बुधवार को वादा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो वह इस मामले की जांच के लिए एक समिति गठित करेगी. यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि पांच दशक के अंतराल के बाद केंद्र में लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी.

उन्होंने कहा, सवाल ये है कि नवीन बाबू की तबीयत खराब होने के पीछे कोई षड्यंत्र है क्या? ये ओडिशा के लोगों को जानने का अधिकार है. कहीं इसमें उस लॉबी का तो हाथ नहीं है न जो नवीन बाबू के नाम पर पर्दे के पीछे ओडिशा में सत्ता भोग रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा, इस रहस्य से पर्दा उठना जरूरी है. इसलिए 10 जून के बाद ओडिशा में

बहुत जल्द 25 साल के शासन पर लगेगा पूर्णविराम

भाजपा सरकार बनने के बाद हमारी सरकार एक स्पेशल कमेटी का गठन करेगी और ये जांच करेगी कि अचानक नवीन बाबू की तबीयत क्यों गिरती जा रही है. तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले और पटनायक के करीबी माने जाने वाले बीजू जनता दल (बीजद) के नेता वी के पांडियन का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पूरा ओडिशा चाहता है कि कोई उड़िया राज्य का मुख्यमंत्री बने.

उन्होंने कहा, ओडिशा के लोगों ने राज्य में बीजद के 25 साल के शासन पर पूर्ण विराम लगाने का फैसला किया है. मोदी ने कहा कि उनके शासन में भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले 10 साल में 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है. पटनायक के स्वास्थ्य की स्थिति पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि पांडियन ओडिशा के मुख्यमंत्री के हाथ की गतिविधियों को भी नियंत्रित कर रहे हैं. शर्मा ने एक वीडियो साझा किया था जिसमें एक चुनावी सभा में भाषण देते समय पटनायक का एक हाथ तेजी से कांप रहा था और इसे देखकर पांडियन ने उनके हाथ को मेज पर रख दिया.

चुनावों में हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे राहुल और अखिलेश : शाह

महराजगंज (उप्र) । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इन्होंने तय कर लिया है कि लोकसभा चुनावों में हार का ठीकरा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फोड़ना है. शाह ने यहां पार्टी के उम्मीदवार पंकज चौधरी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा चुनावों के पहले पांच चरणों में ही बहुमत हासिल कर चुकी है. उन्होंने कहा, चार जून को मतगणना है. चार तारीख की दोपहर को दोनों शहजादे (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) संवाददाता सम्मेलन करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम खराब थी इसलिए हम चुनाव हार गए.

अरविंद केजरीवाल की जमानत अवधि बढ़ाने का मामला

हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

एजेंसी । नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत की अवधि स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ जांच कराने के लिए सात दिन तक बढ़ाने का अनुरोध करने वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से बुधवार को इनकार कर दिया.

उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री ने याचिका स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा कि चूंकि केजरीवाल

फाइल फोटो

को नियमित जमानत के लिए निचली अदालत जाने की छूट दी गयी है तो यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है. न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर संज्ञान लिया और कहा कि अंतरिम याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) फैसला ले सकते हैं क्योंकि मुख्य मामले में फैसला सुरक्षित है. केजरीवाल द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि उनका वजन अचानक कम हो गया है और उनका कीटोन स्तरबहुत अधिक है, जो गुर्दा (किडनी), हृदय की गंभीर बीमारी और यहां तक कि कैंसर का संभावित संकेतक है.

आमिर खान के बेटे की पहली फिल्म 'महाराज' 14 जून को होगी रिलीज

नयी दिल्ली । आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म महाराज ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर 14 जून को रिलीज होगी. वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित इस फिल्म में जयदीप अहलावत और शालिनी पांडे भी नजर आएंगे. अभिनेत्री शरवरी इसमें एक विशेष भूमिका में हैं. सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने 'महाराज' का निर्देशन किया है. यह 1862 के 'महाराज परिवाद मामले' पर आधारित है. ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स की ओर से बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म की कहानी पत्रकार एवं समाज सुधारक करसंदास मुलजी से जुड़ी है. मुलजी महिला अधिकारों और सामाजिक सुधार के बड़े समर्थक थे.

भारतीय नेवी के लिए 26 फाइटर जेट खरीदने की डील हुई पक्की

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत नेवी के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील पर मुहर लगाने जा रहा है. इस संबंध में फ्रांस सरकार और डसॉल्ट कंपनी के अधिकारी कल गुरुवार को भारत आ रहे हैं, फ्रांसीसी अधिकारी रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रेक्ट नेगोशिएशन कमेटी से डील के संबंध में चर्चा करेंगे. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस ने भारत को राफेल-एम जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टक सपोर्ट मुहैया कराने की हामी भरी है. रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को होने वाली बैठक में नेवी के अधिकारी भी

फाइल फोटो

शामिल रहेंगे रिपोर्ट्स के अनुसार नेवी के लिए खरीदे जा रहे 22 सिंगल सीट राफेल-एम जेट और 4 डबल ट्रेनर सीट राफेल-एम जेट हिंद महासागर में चीन से मुकाबला करने के लिए तैनात होंगे. सूत्रों के अनुसार राफेल-एम फाइटर जेट समुद्री इलाके में हवाई हमले के लिए खासतौर पर डिजाइन किये गए हैं. राफेल-एम फाइटर जेट सबसे पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत पर तैनात किये जायेंगे.

आफत बनी बारिश

सिलीगुड़ी में बारिश के बाद हैदरपारा इलाके में जलजमाव वाली सड़क से गुजरते स्थानीय लोग.

भाजपा प्रत्याशी के काफिले में शामिल वाहन से दो मरे

हादसे के बाद लोगों से पूछताछ करती पुलिस.

- भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में शामिल वाहन ने बाइक सवारों को मारी टक्कर

एजेंसी । गोंडा (उप्र)

गोंडा जिले में बुधवार को कैसरगंज से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और इस सीट से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में शामिल एक वाहन से टक्कर लगने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई. इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने रास्ता जाम करके विरोध प्रदर्शन किया. मौके पर चार थानों की पुलिस तैनात की गयी है.

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कैसरगंज से भाजपा के बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र और इस सीट से मौजूदा भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह अपने काफिले के साथ कर्नलगंज से बहराइच जिले के हुजूरपुर की तरफ जा रहे थे. रास्ते में बैकुंठ डिग्री कालेज के पास काफिले में सबसे आगे चल रहे करण भूषण सिंह के वाहन के निकलने के बाद सुरक्षा कर्मियों को लेकर चल रही एक कार अनियंत्रित हो गयी और उसने एक मोटर साइकिल को टक्कर मार दी. उन्होंने बताया कि इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों रेहान खान (17) और शहजाद खान (24) की मौके पर ही मौत हो गयी. टक्कर में 60 वर्षीय महिला सीता देवी भी गम्भीर रूप से जख्मी हो गयीं. उन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया है.

सूत्रों ने बताया कि टक्कर के बाद कार सवार लोग अपना वाहन मौके पर ही छोड़कर काफिले के अन्य वाहनों में सवार होकर चले गए. घटना के बाद मौके पर तनाव के हालात पैदा हो गये.

पाकिस्तान में बस के खड्डे में गिरने से बच्चों समेत 28 लोगों की मौत

कराची । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक तेज रफ्तार यात्री बस के पलट कर खड्डे में गिर जाने से बच्चों और महिलाओं सहित 28 लोगों की मौत हो गई. यह बस तुर्बत से बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा जा रही थी और क्वेटा से लगभग 700 किमी दूर वाशुक शहर के पास खड्डे में गिर गई. रिपोर्ट के अनुसार तेज रफ्तार के कारण यह दुर्घटना हुई. जियो न्यूज ने बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि यात्री बस का टायर फटने से यह दुर्घटना हुई. हादसे में 28 लोगों की मौत हो गई और करीब 22 लोग घायल हो गए.

फवाद चौधरी ने राहुल, केजरीवाल और ममता बनर्जी को दी बधाई, कहा-

पाक में सब चाहते हैं मोदी चुनाव हार जायें

- पाकिस्तानी नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा आईएएनएस को दिये इंटरव्यू को लेकर यह बात कही

एजेंसी । इस्लामाबाद

भारत में जारी लोकसभा चुनाव को लेकर पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने फिर दखलंदाजी की है, फवाद चौधरी का कहना है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी को एक साथ होना चाहिए, जिससे वो कट्टरपंथियों को हरा सके. पाकिस्तानी नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा कल

पाक के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन

आईएएनएस को दिये इंटरव्यू को लेकर यह बात कही. पीएम मोदी ने कहा था कि मुझे समझ में नहीं आता कि कुछ चुनिंदा लोगों के ग्रुप को, जाहिर तौर पर जो हमारे खिलाफ दुश्मनी रखते हैं, उन्हें पाकिस्तान से समर्थन क्यों मिलता है. वहां से कुछ खास लोगों के लिए समर्थन की आवाजें क्यों उठती हैं. फवाद चौधरी ने पीएम मोदी के इसी बयान को लेकर कहा कि कश्मीर को हों या बाकी भारत के मुसलमान, वर्तमान समय में वो जिस तरह की कट्टरपंथी विचारधारा का सामना कर रहे हैं, ये बहुत जरूरी है कि नरेंद्र मोदी इस आम चुनाव में हार जायें. कहा कि पाकिस्तान का हर आदमी भी यही चाहता है कि नरेंद्र मोदी चुनाव हार जायें.. फवाद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते तभी बेहतर हो सकते हैं, जब पाकिस्तान के अंदर और भारत के अंदर कट्टरपंथी भावना कम होगी.

राजद्रोह मामले में छात्र शरजील इमाम को दिल्ली हाईकोर्ट से बेल

नयी दिल्ली । उच्च न्यायालय ने छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम को राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियों के आरोप संबंधी 2020 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़े एक मामले में बुधवार को जमानत दी. इमाम ने सुनवाई अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे जमानत देने से इनकार किया गया जबकि दोषसिद्धि की स्थिति में उसे दी जाने वाली अधिकतम सजा की आधी से अधिक अवधि वह काट चुका है. बता दें कि इमाम ने 13 दिसंबर 2019 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भाषण दिया जहां उसने पूर्वोत्तर को देश से काटने की धमकी दी थी.

पंजाब : ईडी की छापेमारी में 3.5 करोड़ रुपये जब्त

एजेंसी । चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मादक पदार्थ से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को पंजाब के कई स्थानों पर छापेमारी की. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस मामले में जगदीश सिंह उर्फ भोला मुख्य आरोपी है. एजेंसी ने इस छापेमारी के दौरान करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है. सूत्रों के मुताबिक, रूपनगर जिले में कुल 13 परिसरों पर छापेमारी की गई. ईडी ने अपनी जांच में पाया था

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जब्त रुपये.

कि भोला मामले में एजेंसी द्वारा कुर्क की गई जमीन पर अवैध खनन किया जा रहा था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गयी है. इस कथित अवैध खनन मामले के कुछ आरोपियों में नसीबचंद व श्री राम क्रशर और अन्य शामिल हैं.

मप्र : एक व्यक्ति ने अपने परिवार के आठ लोगों की हत्या करने के बाद की खुदकुशी

एजेंसी । छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बुधवार को मानसिक रुप से विक्षिप्त व्यक्ति ने अपने संयुक्त परिवार के आठ लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि यह घटना बोदल कछार गांव में देर रात करीब 2.30 बजे हुई और इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनीष

घटना के बाद परिजनों से पूछताछ करती पुलिस अधिकारियों की टीम.

खत्री ने संवाददाताओं को बताया कि दिनेश सरियाम (26) नामक व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसकी 21 मई को शादी हुई थी. अधिकारी ने बताया कि उसने अपनी पत्नी, मां, बहन, भाई, भाई की पत्नी और तीन नाबालिग बच्चों की कथित तौर पर हत्या कर दी. बाद में उसने अपने दूसरे भतीजे पर भी हमला किया, लेकिन वह मौके से भागने में सफल रहा. खत्री ने बताया कि सुबह-सुबह एक महिला ने शोर मचाया. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उस व्यक्ति की तलाश की, लेकिन बाद में वह एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घायल व्यक्ति का छिंदवाड़ा के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है.

इंटरव्यू संयुक्त राष्ट्र का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर मेजर राधिका सेन ने कहा-

मेरे लिए यह सम्मान मिलना सौभाग्य की बात

एजेंसी । संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा यहां प्रतिष्ठित सैन्य पुरस्कार से सम्मानित होने वाली भारतीय शांतिरक्षक मेजर राधिका सेन ने कहा कि बहुपक्षीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है.

यूनाइटेड नेशन्स ऑर्गेनाइजेशन स्टैबिलाइजेशन मिशन इन द डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो (मोनुस्को) में सेवा दे चुकीं मेजर सेन को 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर यहां विश्व निकाय के मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा प्रतिष्ठित

फाइल फोटो

2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड प्रदान किया जाएगा. मेजर सेन ने यहां पीटीआई-भाषा से विशेष साक्षात्कार में कहा, यह निश्चित तौर पर मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य का विषय है कि मुझे न केवल अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, बल्कि मेरे सभी सम्मानित सहयोगियों, मोनुस्को के शांतिरक्षकों और विशेष रूप से मेरे देश भारत का भी प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है. उन्होंने कहा, इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की भावना को बयां नहीं किया जा सकता. संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं.

सेन ने भारत की स्थायी प्रतिनिधि से की मुलाकात

मेजर सेन ने भारतीय दूतावास में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज से भी मुलाकात की. भारतीय राजदूत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेजर राधिका सेन को कांगो में उत्कृष्ट सेवा के लिए 30 मई को यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा. उनका समर्पण और बहादुरी एक बेहतर दुनिया के निर्माण में महिला शांति रक्षकों की अमूल्य भूमिका को दर्शाता है. हिमाचल प्रदेश में 1993 को जन्मी मेजर सेन आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुईं.

'सेकंड चांस' कार्लोवी वैरी अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगी प्रदर्शित

नयी दिल्ली । सुभद्रा महाजन की फिल्म 'सेकंड चांस' को 58वें कालोर्वी वैरी अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 'प्रोक्सिमा कॉम्पिटिशन' खंड में प्रदर्शित किया जाएगा. फिल्म की कहानी सुभद्रा महाजन और पैन नलीन ने लिखी है. बतौर निर्देशक सुभद्रा की यह पहली फिल्म है. फिल्म 'सेकंड चांस' अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाई जाने वाली 12 फिल्मों में से एक है. चेक गणराज्य के कार्लोवी वैरी में 28 जून से छह जुलाई तक इस फिल्म उत्सव का आयोजन किया जाएगा.

दो महिला नक्सलियों समेत 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को दो महिला नक्सलियों समेत 10 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों के सामने 10 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं. उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली इंद्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय थे. उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान 'लोन वर्राटू' से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं. अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों पर सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ गिराने तथा बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का आरोप है.

आग लगने से पूर्वी दिल्ली में 17 कारें जलकर खाक

एजेंसी । नयी दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग क्षेत्र में आग लगने से 17 कार जलकर खाक हो गयीं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना देर रात एक बजकर 17 मिनट पर मिली. इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है. दमकल की नौ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. अधिकारी ने बताया कि ये कार स्थानीय लोगों की हैं जो किराये पर पार्किंग क्षेत्र में अपना वाहन खड़ा करते हैं. आग लगने की

जली कारों को देखते कार मालिक.

घटना में एक एसयूवी समेत 17 कार जलकर खाक हो गयीं. अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में उत्तर दिल्ली के चांदनी चौक में आग लगने से पांच दुकानें क्षतिग्रस्त हो गयीं. डीएफएस के एक अन्य अधिकारी के अनुसार, फतेहपुरी मस्जिद के समीप आग लगने की सूचना मिली और दमकल की आठ गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया. उन्होंने बताया कि सुबह पांच बजे तक आग पर काबू पा लिया गया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)